जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौन सिटी

Rashtradoot

फोनः- 230200, 230400 फैक्सः- 07469-230600 वर्षः 16 संख्याः 266 प्रभात हिण्डौन सिटी, मंगलवार 30 जुलाई, 2024 पो. रजि.SWM-RJ-6069/2017-18 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

'हालांकि, भाजपा की सरकार है, हम जातिगत जनगणना का विधेयक पास करायेंगे?'

राहुल गांधी ने लोकसभा में यह उद्घोष करके चुनौती दी सरकार को

- राहुल का तर्क था कि जनसंख्या के एक बड़े हिस्से, 73 प्रतिशत को शिकायत है कि, दलित, बैकवर्ड, अल्पसंख्यक, आदिवासी, निर्धन से सरकार को कोई सहानुभूति नहीं है।
- अतः 73 प्रतिशत जनसंख्या यह जानना चाहती है कि उनकी सत्ता में कितनी भागीदारी है और वो कैसे लाभान्वितों की श्रेणी में आ सकते हैं और सिस्टम का हिस्सा बन सकते हैं।
- राहुल गांधी ने यह कटाक्ष भी किया कि वो बीस अफसर, जिन्होंने बजट तैयार किया है, उस उपेक्षित 73 प्रतिशत जनसंख्या का प्रतिनिधित्व नहीं करते।
- इन अफसरों ने बजट के पहले हलवा बनाने की प्रक्रिया तो पूरी की, पर, वह हलवा वंचित जनसंख्या में नहीं बांटा।
- राहुल ने स्पीकर से यह भी कहा कि पत्रकारों को उस शीशे के पिंजरे से आज़ाद करें, क्योंकि वे अब सांसदों, मंत्रियों से लोकसभा के प्रवेश द्वार पर ''बाइट'' नहीं ले सकते, क्योंकि, वो केवल वही रिपोर्ट कर सकते है, जो पिंजरे से दिखता है।

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 जुलाई। राहुल गांधी उस समय पूरे जोश-खरोश में दिखाई दिये, जब वे लोकसभा में बजट पर बोलने खड़े हुये। उन्होंने भाजपा को आड़े हाथों लिया, बजट की आलोचना की तथा भाजपा को चुनौती देते हुये कहा कि देश में भले ही भाजपा की सरकार हो, लेकिन जातिगत सर्वे कराने वाला विधेयक तो पारित होगा।

भाजपा को बिल्कुल स्तब्ध करते हुये, राहुल ने दो टूक शब्दों में कह दिया कि सत्तारूढ़ दल को देश की करीब 73 प्रतिशत जनता की कोई चिन्ता नहीं है। इस 73 प्रतिशत हिस्से में दलित, पिछड़े, अल्पसंख्यक, आदिवासी, गरीब तथा गरीबों में पद-दलित वर्ग के लोग आते हैं।

उन्होंने कहा कि ये 73 प्रतिशत लोग यह जानना चाहते हैं कि देश की सत्ता में उनका क्या हिस्सा है तथा वे इस सत्ता-तन्त्र के लाभार्थी तथा हिस्सा कैसे हो सकते हैं। उन्होंने साफ-साफ कहा कि इस बजट को बनाने वाले 20 अफसरों में इन सभी जातियों और वर्गों का प्रतिनिधित्व नहीं था। उनके द्वारा बजट-पूर्व तैयार किये हलवे को इस आबादी के साथ साझा नहीं किया गया था। उन्होंने हलवा-सैरमनी के दौरान अफसरों के साथ वित्तमंत्री का फोटोग्राफ भी दिखाया।

लोकसभा अध्यक्ष ने इसकी अनुमति नहीं दी।

राहुल ने अंबानी तथा अडाणी परिवार के अपने प्रिय विषय को एक बार फिर हथियार बनाते हुये कहा कि जिस चक्रव्यूह में अभिमन्यु घेर लिया गया है, उसका नियन्त्रण छः लोग कर रहे हैं।

जब लोकसभा अध्यक्ष ने अडाणी तथा अम्बानी के नाम लेने पर आपत्ति जताई, तो उन्होंने कहा, ठीक है, अब वे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'ऑफ ड्यूटी काम में करंट लगने पर क्लेम नहीं मिलेगा'

जयपुर, 29 जुलाई (का.सं.)। जिले की स्थाई लोक अदालत ने ऑफ ड्यूटी में अवैध तरीके से बिजली लाइन का काम करने के दौरान करंट लगने वाले संविदाकर्मी को राहत देने से इनकार करते हुए उसका 90.50 लाख रुपए का क्लेम खारिज कर दिया है। लोक अदालत ने फैसले में कहा कि परिवादी ने बिजली लाइन का काम बिना किसी आदेश व ड्यूटी के अपनी मर्जी से किया है और उसे बिजली लाइन का शट डाउन प्राप्त करने का कोई भी अधिकार नहीं था। उसे केवल जी.एस.एस. परिसर में ही काम करने के लिए संविदा पर रखा था, लेकिन उसने अपने कार्य क्षेत्र के बाहर जाकर अवैध तौर पर बिजली लाइन का काम किया और उस समय ही उसे करंट लगा। ऐसे में हादसा उसकी लापरवाही से हुआ

- जिले की स्थाई लोक अदालत ने बिजली विभाग के संविदा-कर्मी का 90.50 लाख रूपए का क्लेम खारिज कर दिया और कहा कि वह कार्य क्षेत्र से बाहर बिजली का काम कर रहा था, यह हादसा उसकी लापरवाही से हुआ है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को सुप्रीम कोर्ट से मिली बड़ी राहत

सुप्रीम कोर्ट ने हेमंत सोरेन को जमानत देने का झारखण्ड हाई कोर्ट के आदेश बरकरार रखा तथा ई.डी. की याचिका खारिज कर दी

- सुप्रीम कोर्ट ने ई.डी. पर तीखी टिप्पणी की, हम कुछ कहना नहीं चाहते अगर हमने आगे कुछ कहा तो आप मुश्किल में आ जाएंगे।
- ज्ञातव्य है कि जमीन के सौदे में मनी लॉण्डरिंग के आरोप में ई.डी. ने 31 जनवरी को हेमन्त सोरेन को गिरफ्तार किया था। सोरेन ने गिरफ्तारी से पूर्व मुख्यमंत्री पद छोड़ दिया तथा जमानत पर रिहा होने के बाद 4 जुलाई को वे पुनः झारखंड के मुख्यमंत्री बन गए हैं।

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 जुलाई। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को बड़ी राहत प्रदान की और झारखंड उच्च न्यायालय से सोरेन को जमीन के सौदे में मनीलॉण्ड्रिंग के मामले में जमानत देने के फैसले को बरकरार रखा। सुप्रीम कोर्ट ने जमानत के खिलाफ दायर एनफोर्समैंट डायरैक्टोरेट (ई.डी.) की याचिका खारिज कर दी।

जस्टिस बी.आर.गवई और जस्टिस के.वी.विश्वनाथन की बैंच ने एडिशनल सॉलिसिटर जनरल एस.वी. राजू जो की ई.डी. का प्रतिनिधित्व कर रहे थे,ये कहा कि हम इस आदेश में दखल देने के इच्छुक नहीं हैं।

उन्होंने कहा कि, हम यह स्पष्ट कर दें कि हाईकोर्ट के जज ने तर्कसंगत फैसला सुनाया तथा हाईकोर्ट की टिप्पणियों का ट्रायल या अन्य कार्यवाही पर असर नहीं होगा। ''बैंच की टिप्पणी से ई.डी. को भारी झटका लगा है।

राजू ने यह बताने का प्रयास किया कि ई.डी. द्वारा प्रिवैन्शन ऑफ मनी लॉडरिंग एक्ट के सैक्शन 50 के तहत रिकॉर्ड किए गए गवाहों के बयानों पर यकीन ही कर रहे हैं जो गलत है, तो सुप्रीम कोर्ट की बैंच ने तीखी टिप्पणी भी कि, ''हम और कुछ नहीं कहना चाहते। अगर हमने कुछ कहा तो आप मुश्किल में पड़ जाएंगे।''

सुप्रीम कोर्ट द्वारा ई.डी. की याचिका खारिज कर देने से झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्यकारी अध्यक्ष को भारी राहत मिली है जिन्होंने 31 जनवरी को ई.डी. द्वारा गिरफ्तारी से पूर्व मुख्यमंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया था। इस रेस में जमानत मिलने के बाद जेल से बाहर आने पर 04 जुलाई को सोरेन ने पुनः मुख्यमंत्री पद की शपथ ली।

ई.डी. के वकील ने हाईकोर्ट में कहा था कि अगर सोरेन को जमानत दी गई तो वे ऐसा ही अपराध पुनः करेंगे उन्होंने ई.डी. के खिलाफ एस.सी./

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'देश में भय का माहौल है, पर, हम भाजपा के इस चक्रव्यूह को ध्वस्त करेंगे'

राहुल गांधी ने लोकसभा में यह भी कहा कि चक्रव्यूह को नष्ट करने के प्रयास में अभिमन्यु मारा गया था, हम अभिमन्यु नहीं, अर्जुन हैं, जो अपने प्रयास में पूर्णतया सफल होगा

- राहुल गांधी ने इस कथन को आगे ले जाते हुए यह भी कहा कि, मैंने चक्रव्यूह के बारे में काफी रिसर्च की है और यह पाया है कि उस महाभारत के चक्रव्यूह का नाम ''पद्म व्यूह'' भी है, जिसका मतलब, इसका स्वरूप कमल जैसा है।
- ''आज इक्कीसवीं सदी का चक्रव्यूह भी कमल के आकार का है, जिसे प्र.मंत्री ने अपनी छाती पर धारण किया हुआ है।''
- तथा, जिन छः कौरव महारथियों ने अभिमन्यु को घेर कर मार दिया था, वही आज भाजपा के महारथी नरेन्द्र मोदी, अमित शाह, मोहन भागवत, अजीत डोभाल, अंबानी व अडानी, भारत की 73 प्रतिशत दलित जनता के साथ करना चाहते हैं।

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 जुलाई। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने लोकसभा में मोदी सरकार की नीतियों पर प्रहार करने के लिए महाभारत की लोकप्रिय कहानी का हवाला देकर कहा कि केन्द्र सरकार किसानों, विद्यार्थियों, मध्यम व लघु व्यवसाइयों, तथा मध्यम वर्ग की जनता की तकलीफों के लिए जिम्मेदार है।

गांधी ने हिंदी जो भारत के एक बड़े तबके की भाषा है, में बोलते हुए कहा, ''परंतु ये लोग अभिमन्यु की तरह नहीं है, ये तो अर्जुन हैं और ये लोग चक्रव्यूह को तोड़ देंगे''।

बजट सत्र के दौरान लोकसभा में बोलते हुए गांधी ने भारत में विभिन्न क्षेत्रों के कष्टों की तुलना प्राचीन भारत के ''चक्रव्यूह'' की संरचना से की।'' महाभारत के अर्जुन का पुत्र चक्रव्यूह के जाल में फंस जाता है और अंत में मारा जाता है।

गांधी ने कहा कि ''हजारों वर्ष पूर्व कुरुक्षेत्र के युद्ध में छः लोगों ने अभिमन्यु को ''चक्रव्यूह'' के जाल में फंसाया था और उसको जान से मार दिया था। राहुल ने कहा कि उन्होंने इस विषय पर शोध कर यह निष्कर्ष निकाला कि ''चक्रव्यूह'' को ''पद्म व्यूह'' नाम से भी जाना जाता है, जिसका मतलब है ''कमल स्वरुप।'' ''चक्रव्यूह'' कमल की आकृति में बनाया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'निर्देशों का पालन भर्ती एजेंसी और परीक्षार्थी का दायित्व'

जयपुर, 29 जुलाई (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने न्यायिक सेवा भर्ती-2024 से जुड़े मामले में कहा है कि प्रतियोगी परीक्षा के निर्देशों की पालना करना भर्ती एजेंसी व परीक्षार्थी दोनों का ही दायित्व है। भर्ती परीक्षा की ओ.एम.आर. शीट को जांचने का काम मशीन करती है और इसमें अधूरे छोड़े गए गोलों को मशीन नहीं पढ़ सकती है। इसके अलावा सुप्रीम कोर्ट भी यह व्यवस्था दे चुका कि हाईकोर्ट भर्ती

- हाई कोर्ट ने यह टिप्पणी करते हुए आर.जे.एस. परीक्षा के अभ्यर्थी पायल व अन्य की याचिका खारिज कर दी। इन अभ्यर्थियों ने ओ.एम. आर. शीट में अधूरे भरे गोलों को पूरा भरने की अनुमति मांगने के लिए याचिका दायर की थी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कर्नाटक सरकार और वित्तमंत्री निर्मला सीतारमन के बीच जुबानी जंग और तेज हुई

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने राज्य के साथ पक्षपात का और केन्द्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमन ने राज्य सरकार पर ''मिसमैनेजमैंट'' का आरोप लगाया

- कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने कहा, वित्त मंत्री राज्यसभा में कर्नाटक का प्रतिनिधित्व करती हैं, वे जब भी आती हैं, झूठ बोलती हैं और बजट आवंटन पर भी झूठ बोल रही हैं। बजट से पहले जो वायदे किए गए थे, उनका कहीं भी उल्लेख नहीं है।
- इसके जवाब में केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतामरन ने राज्य सरकार पर भ्रष्टाचार व आर्थिक कुप्रबंधन का आरोप लगाया और कहा, यू.पी.ए. के दस साल के राज में कर्नाटक को मात्र 60,779 करोड़ रुपए मिले, जबकि एन.डी.ए. सरकार ने गत वर्ष तक राज्य को 2.36 लाख करोड़ दिए थे।

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 जुलाई। इन दिनों कर्नाटक सरकार और केन्द्रीय वित्त मंत्री के बीच जुबानी जंग छिड़ी हुई है। राज्य के मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय मंत्री पर राज्य को किए गए बजट आवंटन पर झूठ बोलने का आरोप लगाया है।

केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन, जो कर्नाटक से राज्यसभा सदस्य हैं, ने कांग्रेस नीत कर्नाटक सरकार पर भारी भ्रष्टाचार और राज्य की अर्थव्यवस्था को बरबाद करने का आरोप लगाया है। उन्होंने राज्य सरकार की खराब नीतियों से अर्थव्यवस्था बदहाल हो गई है। सरकार एक तरफ तो खुले हाथ से मुफ्त सुविधाएं दे रही है दूसरी तरफ उनके लिए पैसा जुटाने हेतु आवश्यक वस्तुओं के दाम बढ़ा रही है। केन्द्रीय वित्त मंत्री पर करारा पलटवार करते हुए राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि वे बजट आवंटन पर झूठ बोल रही हैं। केन्द्र सरकार वित्तीय मुद्दों पर लगातार प्रदेश सरकार के साथ अन्याय कर रही है। भाजपा, कर्नाटक को भ्रष्ट राज्य के रूप में प्रस्तुत करना चाहती है जबकि वास्तविकता एकदम अलग है। उन्होंने वित्तीय भेदभाव के खिलाफ विशाल विरोध प्रदर्शन के लिए कांग्रेस का आव्हान किया। उन्होंने सीतारमन से पूछा इस अन्याय का उनके पास क्या जवाब है। उन्होंने कहा कि निर्मला सीतारमन जब भी कर्नाटक आती हैं, तब झूठ बोलती हैं वो पहले भी झूठ बोली थीं और अभी भी बोल रही हैं।

सिद्धारमैया ने बजट से पूर्व केन्द्र सरकार द्वारा 5,300 करोड़ रूपए दिए जाने के वादे की याद दिलाई और कहा कि विभिन्न इन्फ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं के लिए फंड नहीं है जैसे अपर भद्रा प्रोजैक्ट।

मुख्यमंत्री ने पूछा, ''पंद्रहवे वित्त आयोग ने विशेष अनुदान के रूप में 5,495 करोड़ रूपए देने की सिफारिश की थी। क्या बजट में यह राशि है? कहा गया था कि बैंगलुरू में रिंग रोड के लिए 3,000 करोड़ रूपए दिए जाएंगे। जलाशयों के लिए 3,000 करोड़ रूपए देने की बात थी, क्या यह सब है बजट में।''

आंध्र प्रदेश और बिहार पर की गई विशेष मेहरबानियों का हवाला देते हुए सिद्धारमैया ने हैरानी जताई की कर्नाटक पर इतनी कृपा क्यों नहीं की गई। मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से कहा कि क्या आप जानते हैं कि पंद्रहवे वित्त आयोग में सबसे ज्यादा अन्याय कर्नाटक के साथ हुआ जबकि खुद वित्त मंत्री राज्यसभा में कर्नाटक का प्रतिनिधित्व

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कर चोरी के आरोपी को मिली जमानत रद्द

जयपुर, 29 जुलाई (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने कर चोरी के मामले में आरोपी गौतम गर्ग को मिली जमानत को रद्द कर दिया है। इसके साथ ही अदालत ने आरोपी को कहा है कि वह तीस दिन में निचली अदालत में सरेंडर करे। जस्टिस प्रवीर भटनागर की एकलपीठ ने ये आदेश केन्द्र सरकार की ओर से दायर जमानत रद्द करने के लिए पेश की गई याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

- राजस्थान हाई कोर्ट ने कर चोरी के आरोपी गौतम गर्ग की जमानत रद्द करने के साथ उसे तीस दिन में सरैंडर करने के आदेश दिए हैं।

याचिका में जीएसटी के वरिष्ठ अधिवक्ता किंशुक जैन ने अदालत को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुकेश अंबानी विश्व के सबसे बड़े आम निर्यातक बने

पैट्रोलियम, दूर संचार और खुदरा क्षेत्र के अलावा कृषि क्षेत्र में भी रिलायंस का भारी दखल

- रिलायंस के कृषि क्षेत्र में उतरने की शुरुआत हुई 1997 से, जब प्रदूषण के कारण जाम नगर रिफाइनरी के लिए चुनौती खड़ी हो गई थी।
- प्रदूषण से निजात पाने के लिए रिलायंस इण्डस्ट्रीज़ के रिफाइनरी के आस-पास की जमीन को आम के विशाल बाग में बदल दिया गया, जिसका नाम धीरूभाई के नाम पर रखा गया।
- इस बाग में आम की 200 किस्मों के 1.30 लाख वृक्ष हैं, जिनमें भारत की लोकप्रिय किस्मों के अलावा विदेशी किस्में भी शामिल हैं।

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 जुलाई। मुकेश अंबानी, जो पेट्रोलियम, टेलीकम्यूनिकेशान तथा रिटेल के क्षेत्र में बहुत बड़े व्यवसायी के रूप में प्रसिद्ध हैं, अब अप्रत्याशित रूप से कृषि क्षेत्र की ओर मुड़ गये हैं। रिलायंस इन्डस्ट्रीज लिमिटेड, उनके प्रबंधक-कौशल के फलस्वरूप विश्व में आमों के सबसे बड़े निर्यातक का रूप ले चुकी है। उद्योग क्षेत्र, जो उनके व्यवसाय का मूल था, से उल्लेखनीय रूप से हटते हुये, वे कृषि क्षेत्र में विशिष्टता अर्जित करने की दिशा में बढ़ चुके हैं।

1997 में गुजरात की अपनी जामनगर रिफाइनरी में उल्लेखनीय प्रदूषण-परिवर्तनों का सामना करते हुये, रिलायंस इन्डस्ट्रीज ने एक अभिनव प्रतिक्रिया दी थी। पर्यावरण संबंधी प्रभावों को संबोधितत करते हुये तथा पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के नियमों-विनियमों का पालन करते हुये, कंपनी ने एक सर्वथा नया प्रोजैक्ट हाथ में लिया था, जिसके तहत रिफायनरी के आस-पास की बंजर जमीन को आमों के एक अति विशाल बगीचे का रूप देना था। इस अभिनव पहल का उद्देश्य न केवल प्रदूषण से लड़ना था, बल्कि उस औद्योगिक कॉम्पलेक्स के चारों तरफ एक दीर्घकालीन एवं स्थायी हरियाली-बहुल क्षेत्र विकसित करना था।

600 एकड़ में फैले हुये इस विशाल बाग, जिसका नाम रिलांयस के संस्थापक धीरुभाई अंबानी के नाम पर रखा गया है, में 200 से अधिक किस्मों के 1,30,000 से ज्यादा आम के वृक्ष हैं। मुगल बादशाह अकबर द्वारा स्थापित ऐतिहासिक ''लाखीबाग'' बगीचे के प्रति सम्मान है तथा भारत के सम्पन्न अतीत तथा आधुनिक पर्यावरणीय जिम्मेदारी के बीच एक रिश्ता दर्शाता प्रतीत होता है।

इस क्षेत्र की अत्यधिक खारे पानी तथा शुष्क परिस्थितियों में फलने-फूलने के लिये, रिलायंस ने कटिंग ऐज टेक्नॉलॉजी काम में ली गई है, जिसमें मीठे पानी के लिये डीसेलिनेशन प्लांट भी शामिल है। इसके अलावा, उन्नत कृषि तकनीकें, जैसे वॉटर हार्वेस्टिंग, ड्रिप सिंचाई तथा पर्याप्त उर्वरक आदि काम में लिये गये।

बगीचे में आमों की विविध एवं नाना प्रकार की किस्में हैं। पुरानी एवं प्रसिद्ध भारतीय किस्मों जैसे केसर, अलफाँसो तथा नीलम से लेकर अन्तर्राष्ट्रीय किस्मों, जैसे फ्लोरिडा के टॉमी अटकिन्स तथा इज़राइल के लिली तक। प्रतिवर्ष लगभग 600 टन बहुत ही बढ़िया आमों का उत्पादन करते हुये, रिलायंस एशिया की अग्रणी आम-निर्यातक कम्पनी के रूप में उभरी है तथा देश-विदेश के बाजारों की माँग पूरी कर रही है।

यहाँ यह बताना उल्लेखनीय होगा कि 'फूड एंड एग्रीकल्चर ऑर्गनाइज़ेशन (एफ.ए.ओ.) के अनुसार, आमों की माँग हर वर्ष 3.3 प्रतिशत की दर से बढ़ रही है। एफ.ए.ओ. के एक अनुमान के अनुसार, 2030 तक दुनिया में आम का कुल उत्पादन बढ़कर 840 लाख मीट्रिक टन तक पहुँच जायेगा। इसमें से आधा उत्पादन भारत में होगा। थाइलैंड तथा इन्डोनेशिया भी प्रमुख दक्षिण एशियाई आम निर्यातक के रूप प्रतिष्ठित हो चुके हैं। अन्य किसी देश की तुलना में, भारत में आमों की खपत ज्यादा होगी - भारत में प्रति व्यक्ति प्रतिवर्ष आम का उपभोग 28.4 किग्रा. होगा।

आम के उत्पादन के अतिरिक्त, रिलायंस कम्पनी स्थाई एवं सामुदायिक विकास के उन्नयन में भी सक्रिय योगदान देती है। कम्पनी प्रतिवर्ष आम की 1,00,000 पौध स्थानीय किसानों को वितरित करती है, कृषि के नये-नये तरीकों एवं पद्धतियों पर प्रशिक्षण सत्र आयोजित करती हैं तथा कृषक समुदाय में पर्यावरणीय-प्रबंधन को प्रोत्साहित करती है। कम्पनी की यह पहल कृषि के उन्नत एवं नये-नये तरीकों की रिलायंस की व्यापक भूमिका को रेखांकित करती है।

आम की खेती क्षेत्र में मुकेश अंबानी का प्रवेश यह सविस्तार बताता है कि बड़े-बड़े कॉर्पोरेट आर्थिक ग्रोथ को पोषित करते हुये पर्यावरण सम्बन्धी चुनौतियों के समाधान के मामले में अपने संसाधनों का उपयोग किस प्रकार कर सकते हैं।

धीरु भाई अंबानी लाखीबाग भावना को मूर्त रूप देती है, बल्कि कृषि-निर्यात के क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व तथा स्थाई महत्व के प्रति उसकी भावना की एक बार फिर से पुष्टि करती है।

बारामूला में विस्फोट, चार लोगों की मौत

श्रीनगर, 29 जुलाई। जम्मू कश्मीर के बारामूला जिले में विस्फोट की घटना सामने आई है। आधिकारिक सूत्रों का कहना है कि बारामूला के सोपोर इलाके में अचानक हुए विस्फोट में चार लोगों की जान चली गई। इस घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है। सेना और पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई है और इलाके की छानबीन की जा रही है। अभी धमाके के पीछे की वजह सामने नहीं आई है।

- इस घटना के पीछे आतंकियों का हाथ होने के संदेह के कारण मौका स्थल पर सेना और पुलिस ने मोर्चा संभाल लिया है। विस्फोट के कारणों का पता नहीं चल पाया है।

जानकारी के अनुसार, विस्फोट

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

धीरज सारे आनंदों और शक्तियों का मूल है। –फ्रैंकलिन

प्रसारण सेवा विनियम विधेयक- अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर नियंत्रण की तैयारी

लोकसभा चुनाव 2014 एवं विशेष कर 2019 में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी ने सोशल मीडिया का बहुत प्रभावित प्रयोग किया। लगभग प्रतिदिन मतदाताओं को भाजपा की विचारधारा के समर्थन में सोशल मीडिया में एक प्रकार से वैचारिक बमबारी देखने को मिली। इसके कारण, मतदाताओं की सोच पूरी तरह प्रभावित हुई। सोशल मीडिया के विभिन्न माध्यमों जैसे व्हाट्सएप, यूट्यूब, इंस्टाग्राम आदि पर भाजपा ने न केवल अपने नेताओं के पक्ष में प्रभावी संदेश मतदाताओं तक पहुंचाया अपितु उसने स्वतंत्रता संठाम के अनेक सेनानियों जैसे महात्मा गांधी और जवाहरलाल नेहरू से संबंधित कई व्यक्तिगत आक्षेप वाले वीडियो भी जारी किए और उन्हें बड़ी संख्या में लोगों तक पहुंचाया।

इसी का परिणाम था कि 2019 में प्रधानमंत्री मोदी को अद्वितीय सफलता प्राप्त हुई एवं भारी बहुमत वाली सरकार बनी। 2019 के बाद भी सोशल मीडिया के प्रभावी उपयोग के कारण प्रधानमंत्री मोदी की छवि एक अपराजेय नेता के रूप में बना दी गई। न केवल यह, उन्हें विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय नेताओं में से एक घोषित कर दिया ।

2019 के पश्चात, विशेष कर कोरोना के दौरान, सरकार की असफलताओं के बहुत सारे उदाहरण कुछ प्रबुद्ध पत्रकारों एवं युटयुबर्स द्वारा जनता के सामने लाए गए।कई निष्पक्ष और स्वतंत्र पत्रकारों जैसे अभिसार शर्मा, अजीत अंजुम, रवीश कुमार ने प्रमुख राष्ट्रीय समाचार चैनलों को छोड़कर अपने यूट्यूब चैनल बना लिए। इनके अतिरिक्त ध्रुव राठी जैसे व्यक्ति जो पहले से ही अपने शैक्षणिक एवं यात्रा वीडियो के कारण बहुत लोकप्रिय थे उन्होंने भी समसामयिक विषयों पर अपने वीडियो बनाकर पोस्ट करने शुरू कर दिए। इन्होंने कई ऐसे तथ्य की जनता के सामने रखने प्रारंभ किए जिससे सरकार की छवि पर विपरीत प्रभाव पड़ा। इन लोगों ने शोध करके प्रधानमंत्री मोदी के 2014 और 2019 के चुनाव प्रचार के दौरान दिए गए भाषणों की क्लिपिंग एकत्र की और उनकी तुलना वास्तविक धरातल की स्थिति से की और यह सिद्ध करने का प्रयास किया कि सरकार के अधिकांश वादे पूरे नहीं हुए हैं। कई कमियां जो पहले सामने नहीं आ पाती थीं, वे अब सामने आने लगीं ।

विपक्षी दलों, विशेषकर कांग्रेस ने अपने सोशल मीडिया प्रकोष्ठ का प्रभावी प्रयोग करना प्रारंभ कर दिया। विपक्षी दलों द्वारा सोशल मीडिया के प्रभावी प्रयोग का ही परिणाम था कि लोकसभा चुनाव 2024 के परिणाम अलग तरह के रहे। मोदी जहां अति आत्मविश्वास में लोकसभा में '400 पार' का नारा दे रहे थे, वहीं जब 2024 के परिणाम आए तो भारतीय जनता पार्टी को 400 तो दूर की बात है अपने स्वयं के स्तर पर बहुमत के आंकड़े अर्थात 272 से भी 30 सीटें कब मिलीं ।

सरकार की आलोचना के लिए सोशल मीडिया का उपयोग इतना अधिक होने लगा कि नवंबर 2023 में सरकार ने केवल एवं टीवी नेटवर्क कानून 1995 के स्थान पर प्रसारण सेवाएं विनियमन 2023 का प्रारूप जनता के सामने प्रस्तुत किया। यह बात लोकसभा चुनाव से ठीक पहले की थी। अत: इसे विधेयक के रूप में लोकसभा में प्रस्तुत नहीं किया गया एवं अब चुनाव पूरा होने के पश्चात अप्रैल 2024 में इसी विधेयक का संशोधित प्रारूप तैयार किया गया है। इसे कैबिनेट के समक्ष शीघ्र रखा जाकर पारित कराया जाएगा एवं उसके पश्चात इसे संसद में अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किया जाएगा।

यदि संसद में भी यह पारित हो गया तो फिर यह प्रसार सेवा विनियम कानून का रूप ले लेगा और पूरे देश में लागू हो जाएगा। इस कानून की पृष्ठभूमि ही यह है कि सरकार ने यह अनुभव किया कि सरकार की कड़ी आलोचना का मुख्य माध्यम अब राष्ट्रीय चैनल नहीं रहकर यूट्यूब, इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप आदि बन गए हैं, अत: इन पर नकेल कसे बिना काम चलने वाला नहीं है।

यह दिलचस्प है के प्रसारण सेवाएं विनियमन विधेयक का प्रारूप अभी तक सार्वजनिक नहीं किया गया है। कहा जा रहा है कि इसका प्रारूप कुछ ओटीपी प्लेटफार्म के मालिकों, राष्ट्रीय चैनलों के मालिकों एवं अन्य संबंधित व्यक्तियों के साथ साझा किया गया एवं उसी के आधार पर नया संशोधित प्रारूप बनाया गया है। अधिकांश यूट्यूब कंटेंट क्रिएटर का कहना है कि उनसे किसी प्रकार की कोई राय नहीं ली गई। जो व्यक्ति, इस प्रस्तावित कानून से सबसे अधिक प्रभावित होंगे, उनकी कोई भूमिका इस कानून के बनाने में नहीं होगी। यह वैसी ही स्थिति होगी जैसी किसानों के संबंध में तीन कानून बनाते समय हुई थी। उस समय भी किसानों से राय नहीं ली गई थी। संसद में भी उस पर बहस नहीं हो पाई थी और अपने भारी बहुमत के आधार पर शोर शराबे में पारित करा लिया गया था । अंतत:, किसानों के कड़े विरोध और 700 किसानों की आंदोलन में हुई मृत्यु के पश्चात, सरकार को वे तीनों कानून वापस लेने पड़े। जिस प्रकार से प्रसारण सेवाओं को नियंत्रित करने का यह कानून बनाया जा रहा है उससे आशंका यही उत्पन्न होती है कि कहीं इनका भी वही हश्र नहीं हो जो किसानों के कानून का हुआ था।

सरकार की आलोचना के लिए सोशल मीडिया का उपयोग इतना अधिक होने लगा कि नवंबर 2023 में सरकार ने केवल एवं टीवी नेटवर्क कानून 1995 के स्थान पर प्रसारण सेवाएं विनियमन 2023 का प्रारूप जनता के सामने प्रस्तुत किया। यह बात लोकसभा चुनाव से ठीक पहले की थी।

आई अब हम इस कानून के प्रमुख प्रावधान एवं उसके प्रभाव का उल्लेखकर लें ।

यह कानून सभी ब्रॉडकास्टर्स पर लागू होगा। ब्रॉडकास्टर की परिभाषा बड़ी विस्तृत एवं वृहद रखी गई है । जहां एक और ओटीटी प्लेटफॉर्म एवं यूट्यूब चैनल इसमें सम्मिलित होंगे ही, वहीं कोई नागरिक भी यदि किसी समाचार या किसी रिपोर्ट पर अपने टिप्पणी दे देता है और उसका प्रसार एक निश्चित संख्या से अधिक हो जाता है, तो वह भी ब्रॉडकास्टर की श्रेणी में लाया जा सकता है। एक बार कोई भी व्यक्ति या संस्था ब्रॉडकास्टर की श्रेणी में आ गई तो उस पर इस कानून के सभी प्रावधान लागू हो जाएंगे। उसे एक समिति बनानी होगी जो प्रसारित होने वाले विषय वस्तु का मूल्यांकन करेगी, एक ग्रीवेंस रिड्रेसल अधिकारी बनाना होगा जो विषय वस्तु से संबंधित प्राप्त शिकायत का निराकरण करेगी । कल्पना कीजिए, कोई साधारण व्यक्ति यदि कथित सरकार विरोधी टिप्पणी कर देता है तो वह भी इस कानून के अंतर्गत कार्रवाई का भागीदार हो जाएगा। इस कानून के अंतर्गत, यदि सरकार द्वारा कोई भी विषय वस्तु किसी की भावना को ठेस पहुंचाने वाली अथवा देश हित के विरुद्ध मानी गई तो उसे हटाने का निर्णय सरकार ले सकेगी। इस अधिनियम की पालना न करने पर संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध कार्रवाई की जाकर उसे 2 साल की सजा और उस पर 10 लाख तक का जुर्माना लगाया जा सकेगा । न्यायालय के आदेश के बिना, सरकार को यदि लगता है की कोई विषय वस्तु आपत्तिजनक है तो उसे हटाने का आदेश दिया जा सकेगा एवं उसे संदेश को रोका भी जा सकेगा। विषय वस्तु से संबंधित किसी भी शिकायत के बारे में अंतिम निर्णय ब्रॉडकास्ट अपील अधिकरण के द्वारा लिया जाएगा । इस ब्रॉडकास्ट अपील अधिकरण का गठन भी सरकार ही करेगी, जिसमें स्वाभाविक है सरकार की मनपसंद के लोग होंगे ।

कुल मिलाकर इस कानून के आने के बाद आशंका यही है कि हम एक प्रकार के 'डिजिटल तानाशाही' के युग में प्रवेश कर जाएंगे जहां न तो नागरिकों की कोई निजता बचेगी एवं न ही कोई यूट्यूब पर या पोस्ट द्वारा सरकार की नीतियों की आलोचना कर पाएगा। सरकार यदि चाहे तो ऐसे ब्रॉडकास्टर के द्वारा उपयोग में लिए जा रहे सभी डिजिटल उपकरण जैसे मोबाइल फोन, लैपटॉप, कंप्यूटर, पेन ड्राइव, हार्ड डिस्क आदि जप्त कर सकेगी। इसके लिए किसी भी प्रकार के न्यायिक आदेश की आवश्यकता नहीं होगी । कल्पना कीजिए, एक साधारण नागरिक द्वारा यूट्यूब पर डाले गए किसी वीडियो से नाराज होकर यदि उसके उपकरण जप्त कर लिए गए तो उसके लिए यह वित्तीय हानि इतनी अधिक होगी कि वह इस काम को करने की दोबारा सोचेगा भी नहीं। कोई वीडियो राजनीतिक प्रवृत्ति का नहीं भी है किंतु यदि उसमें परोक्ष रूप से भी महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार जैसे शब्दों का प्रयोग कर किया गया तो उसे सरकार – विरोधी मानकर, उसे भी इस कानून के अंतर्गत दोषी माना जा सकेगा।

संभवतया, सरकार इस कानून के अंतर्गत किसी के विरुद्ध औपचारिक कार्रवाई न भी करे, किंतु सरकार का उद्देश्य पूरा हो जाएगा यदि डर के मारे कोई भी व्यक्ति या संस्था सरकार के विरुद्ध किसी प्रकार का कोई भी विषय वस्तु अपने माध्यम से प्रचारित प्रसारित नहीं करेगा। कानून में यह भी स्पष्ट नहीं है कि इसमें शिकायत कैसे होगी और इस कानून के अंतर्गत प्रावधानों की पालना किस प्रकार कराई जाएगी? किसी भी परिभाषा को अस्पष्ट रखने का उद्देश्य ही यह होता है कि सरकारी अधिकारी मनमाने तौर पर उसकी परिभाषा बना सकें और जिसके विरुद्ध चाहे, उसके विरुद्ध कानून कारवाई कर सकें ।

हालांकि अभी तक इस प्रस्तावित कानून का कोई प्रारूप सामने नहीं आया है किंतु जो बातें समाचार पत्रों और अन्य माध्यमों से सामने आई है उसके आधार पर यह आलेख लिखा गया है। सरकार को यह चाहिए कि तत्काल विधेयक के प्रारूप को सार्वजनिक करे एवं नागरिकों से इस पर अपने सुझाव आमंत्रित करे। इसके बाद, इसे संसद में रखकर गहन चर्चा के बाद सर्वसम्मति से पारित करने की कार्यवाही करे। यदि सरकार ने इसे बिना किसी चर्चा के, केवल अपनी आलोचना से बचने की आड़ में, बहुमत के आधार पर संसद से पारित करा भी लिया तो न्यायालय में इसका टिकना कठिन है, किंतु कुछ समय भी यदि यह कानून अस्तित्व में रहा, तो संभव है, सरकार कई प्रतिष्ठित, निष्पक्ष, स्वतंत्र और साहसी पत्रकारों को जेल में डाल देगी, ऐसी आशंका करना गलत नहीं होगा।

फिलहाल तो हम यही प्रार्थना कर सकते हैं कि सरकार को सद्बुद्धि आए और इस प्रकार के किसी भी दमनकारी कानून से बचे ताकि संविधान प्रदत्त नागरिकों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर किसी प्रकार की आंच ना आए। आगे आगे देखिए, होता है क्या?

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

जैविक पशुपालन शोध और उद्यमिता विकास पर जोर दें विश्वविद्यालय : राज्यपाल मिश्र

बीकानेर के पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह आयोजित

बीकानेर, (निसं)। राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा कि पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा जैविक पशुपालन, शोध और अनुसंधान के साथ प्रसंस्करण व उद्यमिता में कौशल विकास से जुड़े कार्य प्रारम्भ किए जाएं। राज्यपाल मिश्र सोमवार को बीकानेर के पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित विश्वविद्यालय के सातवें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे।

बीकानेर के वेटनरी विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में राज्यपाल कलराज मिश्र ने स्वर्ण पदक व उपाधियां प्रदान की।

- समारोह में 665 उपाधियों और 29 पदकों से विद्यार्थियों को अलंकृत किया

राज्यपाल ने कहा कि बढ़ती जनसंख्या घटती कृषि जोत पानी तथा अन्य प्राकृतिक संसाधनों की कमी मनुष्य के लिए एक बड़ी चुनौती है। ऐसे में पशुधन और पशु उत्पाद ही पोषण सुरक्षा की दृष्टि से वरदान साबित हो सकते हैं। इसके लिए खाद्य और दुग्ध उद्योग में छोटे और मध्यम उद्यमों को बढ़ावा देने की आवश्यकता है। राज्यपाल मिश्र ने कहा कि राजुवास तीन संघटक पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालयों एक डेयरी एवं खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय आठ सम्बद्ध महाविद्यालयों तथा 101 डिप्लोमा संस्थानों के माध्यम से प्रदेश में पशु चिकित्सा शिक्षा अनुसंधान एवं प्रसार के क्षेत्र में सराहनीय कार्य कर रहा है। ऐसे में विश्वविद्यालय प्रसार शिक्षण के तहत पशुधन संरक्षण प्रसंस्करण की आधुनिक तकनीक के बारे में पशुपालकों से जानकारियां साझा करें। मिश्र ने कहा कि कृषि एवं पशुपालन की हमारी संस्कृति रही है। खेती-बाड़ी आय अर्जन के साथ पोषण सुरक्षा का भी माध्यम है। मिश्र ने आव्हान किया कि नवीन प्रौद्योगिकी के माध्यम से पशु सम्पदा रोग निदान और उपचार के साथ-साथ उनकी उत्पादक क्षमता बढ़ाने के प्रयास करने होंगे। राज्यपाल मिश्र ने पदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को दीक्षांत समारोह की बधाई दी।

राज्यपाल मिश्र ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के अन्तर्गत एक विद्यार्थी-एक पेड़ की संकल्पना में हर विद्यार्थी को भागीदारी का आव्हान किया। कुलपति प्रो. सतीश गर्ग ने स्वागत उद्बोधन दिया और विश्वविद्यालय का प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र और शेर ए कश्मीर कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नज़ीर अहमद गनई ने दीक्षांत भाषण दिया।

समारोह में बीकानेर पूर्व विधानसभा विधायक सिद्धी कुमारी, स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अरूण कुमार, महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मनोज दीक्षित, राज्यपाल के विशेषाधिकारी गोविंद जायसवाल, जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि, पुलिस अधीक्षक तेजस्विनी गौतम आदि मौजूद रहे। कुलसचिव बिन्दु खत्री ने आभार जताया। राज्यपाल ने समारोह के दौरान 538 छात्र-छात्राओं को स्नातक 106 को स्नातकोत्तर एवं 21 को विद्यावाचस्पति की उपाधियां प्रदान की। इस दौरान राज्यपाल ने विश्वविद्यालय के विभिन्न प्रकाशनों का विमोचन किया।

संस्कृति संध्या मल्हार-2024 में नृत्य नाटिकाओं द्वारा ऋतुओं को जीवंत किया

भीलवाड़ा, (निसं)। स्थानीय रमा कत्थक संस्थान एवं एल.एन.जे. समूह के सहयोग से वर्षा एवं सुख स्मृद्धि की कामना के लिए शास्त्रीय एवं उपशास्त्रीय नृत्यों की संस्कृति संध्या मल्हार-2024 का आयोजन स्थानीय महाराणा प्रताप सभागार (टाउन हॉल) में किया गया।

जानकारी देते हुए संस्थान के अध्यक्ष कैलाश पालिया ने बताया कि चार से छह वर्ष आयु के बच्चों के नीनाद समूह ने "राधे कृष्ण" की ज्योति अलौकिक एवं "ऊंची ऊंची ढोरियों से बांधू मैं गगर को" कृष्ण वन्दना प्रस्तुत कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। नुपूर समूह ने गरबा नृत्य "कान्हा रे थोड़ा सा प्यार दे" स्वरा समूह ने "मेघ मल्हार" पर आधारित "गरज-गरज आज मेघ घनन घनन छायोरी", की प्रस्तुति से सम्पूर्ण वातावरण को सावन महिने के एहसास से भर दिया। श्रुति समूह ने "आ जा रे मोरे रसिया ये मौसम मिलने का है" रागिनि समूह ने "बूंदन-बूंदन बरसे मेघा" एवं सकल बन फूल रही सरसों की प्रस्तुति से कार्यक्रम की ऊंचाईयां प्रस्तुत की। महाराज बिन्दादीन की प्राचीन अष्ठपदी निरतन ढंग से किरत किरत समूह ने भगवान नटवर के रूपों के साथ कत्थक के तकनीकी पक्ष तोड़े, टुकड़े, गत, फरद आदि की सुन्दर व्याख्या की। मनसवी पचिसियां एवं हर्षिता पुरोहित के युगल नृत्य "इठलाती बलखाती चमकत है, दामिनीयां" जो कि स्वर्गीय पंडित बिरजू महाराज के मन भीतर के अन्तर्गत था की मन मोहक प्रस्तुति से सभी का मन मोह लिया।

महाराणा प्रताप सभागार (टाउन हॉल) में संस्कृति संध्या मल्हार-2024 में कलाकारों ने कार्यक्रम पेश किये।

कार्यक्रम में किंकणी समूह के द्वारा रामायण पर आधारित नृत्य नाटिका का प्रस्तुतिकरण बहुत ही सुन्दर रूप से किया गया। पल्लवी समूह पिया बावरी पर सुन्दर प्रस्तुतिकरण दिया। बाल कलाकार ओनिक जैन ने भी वर्षा ऋतु पर गायन की सुन्दर प्रस्तुति दी। अंकिता राणावत एवं कविता ओझा को कत्थक के क्षेत्र में एवं औनिक जैन को गायन में उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु सम्मानित किया गया। खचाखच भरे टाउनहॉल में दर्शकों ने भरपूर आनंद लिया। संस्थान के सचिव रमा पचिसिया के अनुसार कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पद्मश्री जानकीलाल भांड, रजनीश वर्मा, आरसीएम समूह के टीसी छाबड़ा, ओस्तवाल समूह की नीतू ओस्तवाल, समाजसेवी पूजा गलुन्दिया, संगीत गुरू विद्याशंकर किन्नरीया ने कत्थक नृत्य के प्रति बच्चों का इतना सम्पर्ण देखकर संस्थान के उद्देश्यों एवं गुरूजनों को शुभकामनाएं दी। कत्थक गुरू रमा पचिसिया के मार्ग निर्देशन में मनसवी, हर्षिता, प्रेरणा, स्तुति, अदिति, युक्ति ने नृत्य निर्देशन किया। कार्यक्रम में शहर के वरिष्ठ कलाकार संगीतज्ञ एवं 500 से ज्यादा कला प्रेमियों की उपस्थिति रही।

सावन के दूसरे सोमवार को शिव मंदिरों में उमड़ा आस्था का सैलाब

मंदिरों में सहस्त्रधारा, रुद्राभिषेक व जलाभिषेक के कार्यक्रम हुये

अजमेर, (कासं)। सनातन संस्कृति में श्रावण मास में भगवान भोले नाथ की अराधना के रूप में मनाया जाता है। सावन माह के दूसरे सोमवार को शहर सहित जिलेभर के मंदिरों में आस्था का सैलाब उमड़ रहा है। कांवड़िए पुष्कर सरोवर से जल भरकर अपने गंतव्य मंदिरों तक जा रहे हैं तो वहीं मंदिरों में सहस्त्रधारा, रुद्राभिषेक व जलाभिषेक सहित धार्मिक आयोजन हो रहे हैं और बम-बम भोले के जयघोष गुंजायमान हो गए। श्रद्धालु अपने आस्था के अनुरूप भगवान भालेनाथ के गर्भग्रह में शिवलिंग पर जल, बिल्वपत्र, घी, शहद आदि से अभिषेक कर रहे हैं।

वैशाली नगर सागर विहार कॉलोनी स्थित बड़कालेश्वर मंदिर में सहस्त्रधारा का आयोजन हुआ। संयोजक डॉ.बीना चौधरी ने बताया कि पांच पंडित द्वारा रुद्रपाठ किया गया। सात जोड़ों द्वारा विधिवत पूजा अर्चना कराई गई। शिव परिवार सहित श्रीकृष्ण राधा, राम दरबार, दुर्गा मां की प्रतिमाओं का नयनाभिराम श्रृंगार किया। मंदिर की भी विशेष सजावट गई। आरती के पश्चात श्रद्धालुओं को प्रसाद का वितरण किया गया। अखिल भारतीय प्रजापति युवा संगठन की ओर से कुम्हार मोहल्ला आर्य नगर स्थित कुम्हारेश्वर महादेव मंदिर में विधि-विधान से शिव परिवार की प्राण प्रतिष्ठा हुई। शिव शक्ति नगर से शोभायात्रा निकाली गई। पंडित पीयूष दाधीच ने विधि-विधान से भगवान शिव परिवार की प्रतिमाओं की प्राण प्रतिष्ठा संपन्न कराई। इस अवसर पर हवन यज्ञ हुआ। वहीं शहर सहित ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में कांवड़िए पुष्कर सरोवर से जल लेने पहुंच रहे हैं। श्रद्धालु पुष्कर सहित आसपास के पवित्र सरोवर से जल लेकर अपने-अपने क्षेत्रों में स्थित मंदिरों पर पहुंच रहे हैं, इसके साथ रुद्रीपाठ के बीच सहस्त्रधाराएं हो रही है। ब्रह्माकुमारीज द्वारा शिव दर्शन आध्यात्मिक प्रदर्शनी:- प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय शास्त्री नगर की ओर से पलटन बाजार विजयवर्गीय धर्मशाला में आयोजित शिव दर्शन आध्यात्मिक प्रदर्शनी को देखने के लिए श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। श्रद्धालुओं ने शिवलिंग के दर्शन कर पूजा-अर्चना की

अजमेर में सावन के दूसरे सोमवार को महिलाओं ने मंदिरों में शिवजी की पूजा-अर्चना की।

ब्रह्माकुमारी आशा बहन ने कहा कि सर्व आत्माओं के पिता परमात्मा शिव ज्योति बिंदु स्वरूप हैं। ज्ञान के सागर हैं। गुणों के भंडार हैं। आनंद के सागर हैं। कार्यक्रम में कीर्ति बहन, भाई ओमप्रकाश, हरिराम आदि मौजूद रहे। श्री पर्वतेश्वर महादेव मंदिर पर मंगलवार को सहस्त्रधारा का आयोजन होगा। सुबह नौ बजे पंडितों द्वारा विधि-विधान से शिव पूजन, दोपहर एक बजे मंत्रोच्चारण के साथ भगवान शिव का जलाभिषेक (सहस्त्र धारा) पांच बजे तक तत्पश्चात भगवान शिव का विशेष श्रृंगार, महाआरती व प्रसाद का वितरण होगा।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

मंगलवार 30 जुलाई, 2024

सावन मास, कृष्ण पक्ष, दशमी तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2081, कृत्तिका नक्षत्र दिन 10:23 तक, वृद्धि योग दिन 3:56 तक, विष्टि करण सायं 4:45 तक, चन्द्रमा आज वृष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कर्क, चन्द्रमा-वृष, मंगल-वृष, बुध-सिंह, गुरू-वृष, शुक्र-कर्क, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग सूर्योदय से दिन 10:23 तक है। कुमार योग दिन 10:23 से आरम्भ होगा। भद्रा सायं 4:45 तक रहेगी। आज मंगला गौरी पूजा है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:14 से 10:53 तक, लाभ-अमृत 10:53 से 2:13 तक, शुभ 3:53 से 5:32 तक।

राहूकाल: 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 5:54, सूर्यास्त 7:12

मेष
आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

वृष
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

मिथुन
आर्थिक मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। धन हानि हो सकती है। व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है।

कर्क
आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

कन्या
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। व्यावसायिक परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। नवीन कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं।

वृश्चिक
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

धनु
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

मकर
व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

कुंभ
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

करणपुर धाम पदयात्रा 10 सितम्बर को

गंगापुर सिटी (निस) । मां गुमानो बीजासणी देवी सेवा समिति की आमसभा किरण पैलेस मैरिज होम में संपन्न हुई। समिति अध्यक्ष महेश शर्मा ने समिति की गतिविधियो पर प्रकाश डाला। वहीं महामंत्री गोपाल सोनी ने पिछली आमसभा की कार्रवाही पढ़ कर सुनाई। कोषाध्यक्ष श्याम गुप्ता ने आय-व्यय का ब्यौरा पेश किया। आमसभा की शुरूआत मां गुमानो बीजासणी के चित्र पट्ट के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर की गई। आमसभा में सर्व सम्मति से 10 सितम्बर भादवा सूदी सप्तमी को गंगापुर सिटी से करणपुर धाम के लिए पदयात्रा ले जाने का निर्णय हुआ। आमसभा में दर्जनो वक्ताओ ने अपने अपने विचार रख पदयात्रा को भव्य बनाने के सुझाव दिए। आमसभा में पदयात्रा की व्यवस्थाओ पर चर्चा की गई। आमसभा में मंत्री नरेन्द्र शर्मा, उपाध्यक्ष ब्रहमानंद, ब्रहमप्रकाश शर्मा, रमेश सैन, पूर्व अध्यक्ष कमलेश शर्मा, दिनेश धौलेटा, कैलाश गुप्ता, शिवचरण एलआई, पंडित शिवजी लाल शर्मा, मोहन मण्डावरा, श्रीलाल गुप्ता, किन्दुरी लाल गुप्ता, योगेश शर्मा, मोहन लाल गुप्ता, गोपाल गुप्ता, गोपाल लाल शर्मा कुडगांव, जगदीश करणपुर, चन्द्रमोहन गुप्ता, धीरेन्द्र शर्मा, कैलाश माली, डा विजेन्द्र गुप्ता, गिर्राज सैन सहित सैकडो की संख्या में माता रानी के भक्त मोजूद थे।

क्रमोन्नत अस्पताल को यथावत रखने की मांग, लोगों ने किया प्रदर्शन

गंगापुर सिटी (निस) । टोडाभीम कस्बे के लोगों ने सोमवार को नव क्रमोन्नत अस्पताल को कस्बे से 4 किमी दूर बाहर रखने का विरोध जताया।

लोगों ने गंगापुर सिटी कलेक्ट्रेट पर नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। इस मामले में कस्बेवासियों ने कलेक्टर डॉ. गौरव सैनी को ज्ञापन देकर नव क्रमोन्नत

- **टोडाभीम कस्बे के लोगों ने नव क्रमोन्नत अस्पताल को कस्बे से 4 किमी दूर बाहर रखने पर विरोध जताया, कलेक्टर डॉ. गौरव सैनी को ज्ञापन सौंपा**

अस्पताल को यथावत रखने की मांग की है। कस्बेवासियों ने बताया कि टोडाभीम कस्बे में टोडाभीम की स्थापना के समय से ही अस्पताल संचालित है। अस्पताल को हाल ही बजट में राजस्थान सरकार द्वारा उप जिला अस्पताल में क्रमोन्नत किया गया है, लेकिन इस अस्पताल को कुछ लोगों के द्वारा अपने निजी हितों के कारण यथास्थान पर जगह का अभाव बताकर टोडाभीम शहर से 4 किमी दूर स्थापित करने की फिराक में है। जिससे कस्बेवासियों में भारी आक्रोश है। उन्होंने बताया कि कस्बेवासियों ने 27 जुलाई को संपूर्ण कस्बे के प्रतिष्ठान बंद रख कर इस मामले में विरोध प्रदर्शन किया था। साथ ही ज्ञापन भी सौंपा था। उन्होंने बताया कि वर्तमान में जहां अस्पताल संचालित है, वहां पर उप जिला अस्पताल के लिए पर्याप्त भूमि उपलब्ध है।

साथ ही उक्त भूमि का पट्टा (आवंटन पत्र) भी अस्पताल प्रशासन के नाम से जारी हो चुका है और यथास्थान पर भूमि का कोई भी अभाव नहीं है। इस परिसर से लगते हुए सरकारी भूमि उपलब्ध है। जो अस्पताल के काम में आ सकती है। उन्होंने कलेक्टर से कस्बे वासियों की जायज मांग पर सुनवाई करते हुए उप जिला अस्पताल के स्थान को यथावत रखने के आदेश देने की मांग की है।

नव क्रमोन्नत अस्पताल को कस्बे से किलोमीटर दूर बनाने पर लोगों ने गंगापुर सिटी कलेक्ट्रेट पर नारेबाजी की।

साहित्यकार मनोज मनु सम्मानित

डीग (निस)। उत्तर भारत की श्रेष्ठ साहित्यिक संस्था श्री हिंदी पुस्तकालय समिति डीग के द्वारा आयोजित अखिल भारतीय साहित्यिक प्रतियोगिता में डीग के युवा कवि और साहित्यकार मनोज मनु को शकुंतला बंसल ब्रजभाषा यात्रा वृतांत पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस दौरान पाराशर का पुरस्कार के अंतर्गत शॉल, श्रीफल, प्रशस्ति पत्र और 5100 की नकद राशि प्रदान की गई।

अरुण सभागार में आयोजित इस समारोह में कवि मनोज मनु पूर्व में भी कई सम्मानों से सम्मानित हो चुके हैं। सन 2011 में एक साथ पांच पुरस्कार जीतने का भी कीर्तिमान उनके नाम है। पुरस्कार मिलने पर शहर वासियों ने मनोज मनु को शुभकामनाएं दी है।

अंडर-19 क्रिकेट टीम क्वार्टर फाइनल में पहुंची

भरतपुर (निस)। राजस्थान क्रिकेट संघ के तत्वाधान में जयपुर में आयोजित की जा रही अंडर-19 राज्यस्तरीय डूंगरपुर शील्ड क्रिकेट प्रतियोगिता के सुपर लीग राउंड में भरतपुर की टीम ने अंतिम मैच मे जोधपुर को दो विकेट से हराते हुए जीत हासिल करते हुए अंडर-19 राजस्थान के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। जिला क्रिकेट संघ भरतपुर के सचिव शत्रुधन तिवारी ने बताया कि भरतपुर की टीम ने 10 साल बाद यह उपलब्धि हासिल करते हुए राजस्थान की अंडर-19 क्रिकेट प्रतियोगिता के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया है सचिव ने यह भी बताया कि जयपुर के नारायणन क्रिकेट मैदान पर खेले गए मुकाबले में जोधपुर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया निर्धारित 50 ओवर में 140 रन बनाए जिसमें भरतपुर की तरफ से चेतन शर्मा और आर्यन बघेल ने चार-चार विकेट लिए तथा अवदेश खटाना ने दो विकेट लिए जवाब में भरतपुर की टीम को 140 से बनाने में अपने 8 बल्लेबाज खो दिये थे। भरतपुर की तरफ से सर्वाधिक 75 रन तनय थानवी ने बनाए। भरतपुर की टीम ने यह मैच 2 विकेट से जीत लिया।

भरतपुर की टीम अब राजस्थान का क्वार्टर फाइनल अलवर से 31 जुलाई को हुकम सिंह ग्राउंड पर खेलेगी इस मौके पर जिला क्रिकेट संघ के अध्यक्ष अरुण सिंह एवं सचिव शत्रुधन तिवारी और टीम मैनेजर रूपेंद्र मोहन सिंह, संघ के सदस्य अंकित पांचाल खिलाड़ियों के उत्साह वर्धन के लिए टीम साथ में जयपुर में मौजूद थे।

सार-समाचार

नारियल पानी से भोले का अभिषेक

भरतपुर (निस)। खिरनी घाट स्थित अग्रेश्वर महादेव मंदिर पर श्रावण मास के दूसरे सोमवार को अग्रवाल भवन समिति के तत्वावधान में रूद्राभिषेक, फल रस अभिषेक एवं पंचामृत अभिषेक हुआ। मं्त्री विष्णु लोहिया एवं मंदिर संयोजक शशि कुमार गुप्ता बजाज ने बताया कि सुवह 8.15 बजे से मंदिर प्रांगण सिथत शिव परिवार का अभिषेक विधि विधान से वेद मंत्रोचार से रूद्राभिषेक फल रस अनार, गन्ना एवं नारियल पानी एवं पंचामृत अभिषेक दूध, दही, घी, शहद, बूरा, केशर एवं विभिन्न औषधियों से पं प्रेमी शर्मा द्वारा अंतर्राष्ट्रीय वैश्य समाज के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं जिला अग्रवाल महासभा के पूर्व अध्यक्ष अनुराग गर्ग के मुख्य आतिथ्य एवं समाजसेवी महेश गोयल सर्राफ के विशिष्ट आतिथ्य तथा उपस्थित गणमान्य भक्तों की उपस्थिति में शिव परिवार का 11 किलो पंचामृत एवं 5 किलो फल रसों से अभिषेक किया। शुद्ध जल से स्नान कराकर एवं इत्र, रोली, मलियागिरी चंदन लगाकर जनेऊ धारण कराया गया। बेलपत्र, शमी पत्र आक धतूरा, पुष्पहार अर्पण कर फल, मिष्ठान, मेवा अर्पण कर भोग लगाया गया। महाआरती के बाद सभी भक्तों को फल रस, पंचामृत एवं मिष्ठान, मेवा, फल की प्रसादी वितरित की गयी। मंदिर में आकर्षित गुब्बारों की सजावट कराई गई। पूरा मंदिर प्रांगण भोले बाबा के जयकारों से गूंज उठा। इस मौके पर सुरेश बंसल, मोहन मित्तल, विनोद सिंघल, महेशचंद सिंघल, भगवानदास बंसल, परषोत्तम डीगिया, गोपालचंद सिंधल सर्वेअर, वेद प्रकाश मित्तल, पूर्व पार्षद दिनेश डीगिया, पूर्व पार्षद कन्हैयालाल, हरीकिशन विसायती, कैलाश मित्तल, आलोक बंसल, कन्हैया भगत, अशोक जिंदल, विष्णु सिंघल, प्रहलाद गोयनका, विनय चौधरी, मदनलाल विसायती आदि मौजूद थे।

भजन लाल शर्मा का आभार व्यक्त

भरतपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा आज विधानसभा में बजट भाषण रिप्लाई के दौरान की गई घोषणाओं में भरतपुर नगर विकास न्यास को भरतपुर विकास प्राधिकरण में क्रमोन्नत किए जाने पर भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता शैलेश कौशिक ने मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा का आभार व्यक्त किया है और कहा है कि जिस तरीके से पहले बजट के दौरान और उसके बाद बजट भाषण रिप्लाई में मुख्यमंत्री महोदय द्वारा भरतपुर के विकास में जो ऐतिहासिक घोषणा की गई है वह निश्चित रूप से भरतपुर के विकास में मील का पत्थर साबित होंगी। शैलेश कौशिक ने कहा है कि भरतपुर विकास न्यास के भरतपुर विकास प्राधिकरण में पदोन्नित होने से न केवल आधारभूत विकास की दृष्टि से बल्कि पर्यटन के क्षेत्र में भी ऐतिहासिक काम होंगे और आसपास के क्षेत्र में निरंतर विकास की गंगा बहेगी, भरतपुर विकास प्राधिकरण बनने से अतिरिक्त बजट के साथ-साथ उच्च स्तर के अधिकारियों का विकास प्राधिकरण पदस्थापन होगा जिससे भरतपुर के विकास के नए आयाम स्थापित होंगे।

सम्मान समारोह आज

भरतपुर (निस)। जाट समाज कल्याण परिषद के तत्वावधान में 30 जुलाई मंगलवार को सारस चौराहे के निकट स्थित होटल सन इन स्टार में जाट सम्मान प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया जा रहा है। परिषद के जिला महामंत्री यदुवीर सिनसिनी के अनुसार इस कार्यक्रम में जाट समाज की विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिभाओं का सम्मान किया जायेगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि परिषद के प्रदेश अध्यक्ष नैम सिंह फौजदार होंगे। दोपहर 12 बजे से शुरू होने वाले कार्यक्रम के लिये संयोजक तेज सिंह फौजदार को बनाया गया है। इस मौके पर समाज के अनेक प्रतिष्ठित लोग मौजूद रहेंगे।

आए दिन चोरियां होने से आमजन दहशत में

गंगापुर सिटी (निस) । शहर में आए दिन हो रही चोरियां व लूटपाट से आमजन में भारी दहशत है वहीं असामाजिक तत्वों की पौ बारह हो रही है। शहर में चोरी की वारदात बढने से लोगों में दहशत भी है।

नया बाजार में रविवार रात को चोरो ने एक परचुनी की दुकान का शटर तोड कर चोर हजारों की नकदी व किराने का सामान ले गए। जिसकी रिपोर्ट मदनमोहन गुप्ता ने थानाधिकारी को सौपी है। वहीं दूसरी वारदात खानपुर बडौदा बाईपास करौली रोड पर हुई जहां रविवार रात 8 बजे कबाड की दुकान करने वाले उस्मान से 4 बाइक सवारों ने मारपीट कर 2 लाख 18 हजार रूपए छीन लिए एवं घायल उस्मान का राजकीय चिकित्सालय में उपचार जारी है।

सोमवार को दिन दहाडे शहर के नया बाजार में चोरों ने एक मकान की छत पर चढ़ कर प्रवेश कर लाखों रूपए की नकदी पर हाथ साफ कर दिया। पीडित राधामोहन गुप्ता ने बताया कि दिन में पत्नी पास के मकान में चली गई एवं बेटा बाहर दुकान पर बैठा था।

छत के रास्ते अज्ञात जने मकान की छत से नीचे उतरे ओर कमरों के ताले तोड कर थैला व आलमारी में रखे करीब 2.5 लाख रूपए नकद सहित अन्य सामान चुरा ले गए।

पीड़ित के पुत्र को जब अन्दर खटापटी की आवाज आई तो वह अंदर गया जिस पर दो जने कमरे की आलमारी को तोड रहे थे। इस पर उसने एक जने को पकड लिया लेकिन दोनो ने धक्का मुक्की कर रूपयो व सामान को लेकर फरार हो गए। पीड़ित ने हल्ला किया लेकिन चोर पकड में नहीं आ सके ।

विचार रखे

भरतपुर (निस)। राज्य विधान सभा में पूर्व मंत्री व राष्ट्रीय लोक दल के विधायक डॉ. सुभाष गर्ग ने वित्तीय प्रबंधन एवम् सुशासन को लेकर कहा कि प्रदेश में राजस्थान गारंटेड सर्विसेस डिलेवरी बिल विचाराधीन है अगर राज्य सरकार इस बिल को लेकर आये तो आमजन को समयबद्ध सीमान्तर्गत सर्विस डिलीवरी का लाभ मिल सकेगा। डॉ. गर्ग ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के बजट की सराहना करते हुये भरतपुर के लिये बजट में सौगातें देने पर मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया और कहा कि गुड गवर्नेंस और आम जन की आकांक्षाओं पर उतरने के लिये विकास की गति को बढाना होगा।

उन्होंने कहा कि राजस्व व्यय का पूंजीगत व्यय के रूप में गलत तरीके से प्रकटीकरण किया जाता है। जो नियमों के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि राजस्व की मूल प्राप्ति के बिना राजस्व प्राप्ति में वृद्धि को दिखाया जाता है जो पूर्णता गलत है। उस पर सरकार को विचार करना होगा।

अंतिम तिथि 30 जुलाई

भरतपुर (निस)। रामेश्वरी देवी राजकीय कन्या महाविद्यालय में स्नातक प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश हेतु प्रमाण पत्रों का सत्यापन एवं ई मित्र पर फीस जमा कराने की अंतिम तिथि 30 जुलाई 2024 तक कर दी गई है। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ सुजाता चौहान ने बताया कि आयुक्तालय, कॉलेज शिक्षा, जयपुर के दिशा निर्देशानुसार सत्र 2024 2025 के लिये स्नातक प्रथम वर्ष मे ंकला, विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय के प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश हेतु आवेदन कर चुकी छात्रायें महाविद्यालय में प्रमाण पत्रों का सत्यापन कराकर फीस 30 जुलाई तक ई मित्र पर जमा करावें।

महाविद्यालय में स्नातक प्रथम वर्ष प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश लेने की इच्छुक छात्रायें प्रमाण पत्रों का सत्यापन कराकर ई मित्र पर निर्धारित तिथि तक अपनी फीस जमा करा देवें। स्नातक ऑनलाईन प्रवेश प्रभारी डॉ लाला शंकर गयावाल ने बताया कि स्नातक स्तर पर प्रथम वर्ष प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश हेतु अन्तरिम वरीयता व प्रतीक्षा सूची का प्रकाशन कर दिया गया है।

छात्रायें महाविद्यालय में प्रवेश समिति के समक्ष उपस्थित होकर अपने मूल प्रमाण पत्रों की जांच कराकर निर्धारित शुल्क 30 जुलाई तक ई-मित्र पर जमा करावें। प्रवेशित विद्यार्थियों की प्रथम सूची का प्रकाशन 31 जुलाई को होगा तथा 2 अगस्त से प्रथम सेमेस्टर की कक्षायें आरम्भ हो जायेगी।

स्नातक द्वितीय सेमेस्टर की छात्राओं को द्वितीय वर्ष अर्थात् तृतीय सेमेस्टर में तथा स्नातक द्वितीय वर्ष की छात्राओं को तृतीय वर्ष में एवं स्नातकोत्तर संस्कृत, हिन्दी एवं समाजशास्त्र की पूर्वार्द्ध की छात्राओं को स्नातकोत्तर उत्तरार्द्ध में प्रमोट कर दिया गया है ।

सभी छात्रायें अपने प्रवेश पत्र के माध्यम से ई-मित्र पर जाकर अपना प्रवेश फीस 20 अगस्त 2024 तक आवश्यक रूप से जमा करायें।

लहरिया महोत्सव 11 को

गंगापुर सिटी (निस) । सर्व ब्राह्मण महासभा महिला प्रकोष्ठ जिला गंगापुर सिटी की एक बैठक सर्व ब्राह्मण महासभा महिला प्रकोष्ठ की वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष डॉक्टर शैल शास्त्री की अध्यक्षता में शास्त्री नर्सिंग होम पर संपन्न हुई। जिला महामंत्री सपना शर्मा ने बताया कि बैठक में 11 अगस्त 2024 रविवार को होने वाले विजय पैलेस में ब्राह्मण समाज लहरिया महोत्सव कार्यक्रम पर चर्चा की गई। बैठक में लहरिया महोत्सव के लिए सर्व ब्राह्मण महासभा महिला प्रकोष्ठ की पदाधिकारी को जिम्मेदारी तय की गई।

बैठक में जिला महामंत्री संगीता शर्मा ने बताया कि लहरिया महोत्सव को सफल बनाने के लिए गंगापुर सिटी से अलग-अलग स्थान से संयोजक एवं सहसंयोजक बनाई गई। नसिया कॉलोनी से अनीता व्यास, संध्या शर्मा, नीतू शर्मा को चुली गेट, अर्चना शर्मा और अंजली शर्मा गणेश नगर से संगीता शर्मा, सुशील शर्मा, राजेश शर्मा, मूर्ति मोहल्ला से राधा दीक्षित पिस्ता शर्मा अनीता शर्मा शीतला माता रोड से पारो जैमिनी ममता कटरा दयाल नगर से रजनी उपाध्याय नर्सिंग कॉलोनी से मीना शर्मा आशा शर्मा नहर रोड से आरती शर्मा रेनू भारद्वाज सूरसागर से निशा शर्मा अनुराधा शर्मा कल्याण जी मंदिर से सुशील शर्मा कृष्ण को शर्मा जैन मंदिर से रीना भारद्वाज एवं कोमल शर्मा सलोदा से ममता अमर गढिया प्रेम शर्मा दीपिका तिवारी कर्मचारी कॉलोनी से शोभा दिक्षित अंजली दुबे नीरज दीक्षित सैनिक नगर से ममता उपाध्याय कोमल पाराशर मीनाक्षी उपाध्याय को जिम्मेदारी तय की गई। इन सब से कहा कि लहरिया मौसम में आप ज्यादा से ज्यादा महिलाएं एवं बच्चों को एकत्रित कर लहरिया महोत्सव को सफल बनाएं लहरिया मौसम में सावन की गीतों पर जो भी ब्राह्मण समाज की महिला एवं बच्चियों भाग लेना चाहे वह इन मोबाइल नंबरों पर 8 अगस्त तक अपना नाम लिखवा सकती हैं कल्पना शुक्ला 9529315157 सपना शर्मा 8239521169 अर्चना शर्मा 9772242796 संगीता शर्मा 968०845727 जो भी समाज की महिलाएं एवं बच्चियों भाग लेने चाहे वह इन नंबरों पर नाम लिखवा सकती हैं। बैठक में प्रदेश सचिव कल्पना शुक्ला संरक्षक सावित्री शर्मा, जिला महामंत्री सपना शर्मा और और भी समाज की पदाधिकारी मौजूद थी।

कॉलेज में अव्यवस्थाएं, को लेकर सौंपा ज्ञापन

भरतपुर (निस)। महारानी श्री जया महाविद्यालय में चल रही समस्याओं के समाधान के लिए एनएसयूआई संघठन के पूर्व प्रदेश महासचिव हरजीत सिंह सांखला व अध्यक्ष छात्रनेता कौशल फौजदार के नेतृत्व मे प्राचार्य को ज्ञापन सौंपा। कौशल फौजदार ने कहा कि महाविद्यालय मे नियमित कक्षाएं चालू करवाई जायें तथा कक्षाओं में फर्नीचर की मरम्मत कराई जाये। महाविद्यालय मे प्रथम वर्ष के प्रवेश प्रारम्भ हो चुके हैं। कॉमर्स डिपार्टमेन्ट की कक्षाओं में पर्याप्त मात्रा में फर्नीचर की व्यवस्था नही है। कक्षाओं के पंखे खराब हो रखे हैं। ऐसा लगता है कि काफी दिनों से कक्षाओं की सफाई नही हुई है। हरजीत सांखला ने कहा कि भरतपुर संभाग का सबसे बड़ा कॉलेज होने के नाते महाविद्यालय यह स्थिति है जबकि राजस्थान सरकार के मुखिया भजनलाल शर्मा भी इसी महाविद्यालय के छात्र रहे हैं एनएसयूआई संघठन उम्मीद करता है कि मुख्यमंत्री इस ओर ध्यान दें और जल्द से जल्द कॉलेज प्रशासन इन समस्याओं का समाधान करे अन्यथा आने वाले समय में विशाल विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। इस मौके पर अतुल सिंह जघीना, मोनु गुर्जर, कपिल, सचिन, मनीष फौजदार, आदि मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना का पंजीकरण 31 जुलाई तक

भरतपुर (निस)। राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना का अगस्त माह से लाभ लेने के लिए पंजीयन करवाने के लिए अब अंतिम 2 दिन शेष है। इस माह 31 जुलाई तक पंजीकरण नहीं करवाने वाले परिवारों को योजना का लाभ लेने के लिए तीन माह का इंतजार करना पड़ेगा। योजना में जिले के सभी वंचित परिवार स्वयं की एसएसओ आईडी या ई-मित्र के माध्यम से अपना पंजीकरण करवा सकते हैं, ताकि 1 अगस्त 2024 से योजना का लाभ मिल सके।

सीएमएचओ डॉ. गौरव कपूर ने बताया सरकार की मंशा है कि अधिकाधिक आमजन इस योजना में पंजीयन करवा कर आगामी दिनों में इलाज के भारी-भरकम खर्च और चिंताओं से मुक्त हो। पंजीयन करवाने के बाद उन्हें व परिवारजनों को निशुल्क इलाज मिल सकेगा। साथ ही दुर्घटना बीमा भी निशुल्क मिलेगा। उन्होंने ने बताया कि योजना में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा, सामाजिक आर्थिक जाति जनगणना-2011, लघु एवं सीमांत किसान, संविदा कर्मियों तथा कोविड-19 अनुग्रह राशि प्राप्त करने वाले निराश्रित एवं असहाय परिवारों के लिए बीमा का प्रीमियम सरकार वहन कर रही है। इसके अलावा आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों (वार्षिक आय 8 लाख से कम) के लिए बीमा का प्रीमियम भी सरकार द्वारा वहन किया जा रहा है। ऐसे सभी परिवारों का पंजीकरण स्वत ही हो रहा है। इसके अतिरिक्त, अन्य सभी परिवार मात्र 850 रुपए प्रीमियम जमा करवाकर इस योजना का लाभ ले सकते हैं। ऐसे परिवारों को 31 जुलाई तक पंजीकरण करवा लेना चाहिए ताकि 1 अगस्त से लाभ मिल सके, क्योंकि इसके बाद नियमानुसार तीन माह बाद यानी 1 नवंबर से लाभ मिल सकेगा। उन्होंने बताया कि कई बार परिवार का पंजीकरण नहीं होने और बीमारी या दुर्घटना होने की स्थिति से परिवार निशुल्क उपचार से वंचित हो जाते हैं और बड़ा आर्थिक नुकसान होता है, इसलिए जरूरी है कि पंजीकरण करवाया जाए।

पुलिस ने विशेष अभियान के तहत 100 से अधिक मोबाइल बरामद किए

गंगापुर सिटी (निस) । पुलिस ने विशेष अभियान के तहत 100 से अधिक गुमशुदा मोबाइल बरामद किए हैं। मोबाइलों की अनुमानित कीमत करीब 15 लाख रुपए है। पुलिस ने सोमवार को 62 मोबाइल उनके मालिकों को सौंपे। पुलिस इससे पहले 38 मोबाइल उनके मालिकों को सौंप चुकी है। एसपी सुजीत शंकर के निर्देशन में गुमशुदा, छीने हुए मोबाइल फोन की बरामदगी क लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

- **पुलिस ने 62 मोबाइल उनके मालिकों को सौंपे। पुलिस इससे पहले 38 मोबाइल उनके मालिकों को सौंप चुकी है।**

गंगापर सिटी पुलिस आपके साथ, आपका मोबाइल आपके हाथ के तहत जिला स्तर पर स्थापित साइबर सेल द्वारा कार्रवाई करते हुए केंद्र सरकार के दूरसंचार विभाग द्वारा सी-डॉट के साथ मिलकर काम किया। गंगापुर सिटी में 15 सितंबर 2०23 से संचालित सीईआईआर पोर्टल पर दर्ज कुल 323 शिकायतों पर कार्रवाई करते हुए कुल 100०० गुमशुदा मोबाइल फोन को बरामद किया गया है। साइबर सेल प्रभारी विजय सिंह मीना ने बताया कि भारत सरकार के दूरसंचार विभाग द्वारा सी-डॉट के साथ मिलकर आम नागरिकों हेतु अपने खोए हुए मोबाइल फोन को ढूंढने और उसे ब्लॉक, अनब्लॉक करने के लिए सीईआईआर पोर्टल बनाया है, जो 17 मई 2०23 से अस्तित्व में है। कोई भी व्यक्ति वेबसाइट पर जाकर अपने खोए हुए या चोरी हुए मोबाइल को ढूंढने और उसे ब्लॉक, अन ब्लॉक कर सकता है। जिला गंगापुर सिटी में सीईआईआर पोर्टल पर मोबाइल गुमशुदगी की दर्ज 323 शिकायतों को संज्ञान में लेकर पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने पिछले 1० महीने में गुमशुदा ऐसे मोबाइल को बरामद करने के लिए साइबर सेल को निर्देश देकर जिले में एक विशेष अभियान चलाया। अभियान के दौरान साइबर सेल द्वारा अब तक 100०० गुमशुदा मोबाइल फोन बरामद किए जा चुके हैं। बरामद 100०० मोबाइल फोन की कीमत लगभग 15 लाख रुपए से अधिक है। बरामद किए गए 100०० मोबाइल फोन में से 38 मोबाइल पूर्व में उनके मालिकों को सौंप चुके हैं। शेष 62 मोबाइल फोन सोमवार उनके मालिकों को सुर्पुद किए गए। टीम में हेड कॉन्स्टेबल विजय सिंह, टीकाराम, शिवप्रसाद, पवन कुमार, महिपाल, जीतेन्द्र कुमार शामिल थे।

पुलिस ने सोमवार को 62 मोबाइल उनके मालिकों को सौंपे।

जलदाय विभाग के निजीकरण का विरोध

भरतपुर (निस)। कृष्णानगर स्थित कार्यालय अतिरिक्त मुख्य अभियन्ता, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, क्षेत्र-भरतपुर पर संयुक्त संघर्ष समिति-भरतपुर के द्वारा संयुक्त संघर्ष समिति, राजस्थान, जयपुर एवं विभाग के सचिव समित शर्मा के मध्य हुये समझौता पत्र की होली जलायी गयी। जलदाय विभाग राजस्थान की जनता को आवश्यक सेवा प्रदान करता है। जलदाय विभाग का निजीकरण करने से पानी के बिलों में अत्यधिक बढ़ोत्तरी होगी। वर्तमान में जनता दो माह में 40,000 लीटर का बिल 193 रू. विभाग को भुगतान करती है। वहीं दूसरी ओर यह सरकार विभाग का निजीकरण कर पानी की कीमतों में बेतहाशा बढ़ोत्तरी करवा कर आमजन की कमर तोडने की कोशिश कर रही है। साथ ही सरकार द्वारा जलदाय विभाग के निजीकरण के बाद अधिकारियों एवं कर्मचारियों के भविष्य पर भी खतरा मंडराने लग गया है। यदि सरकार ने जलदाय विभाग निजीकरण के अपने आदेश को वापस नहीं लेती है तो विभाग के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उग्र आंदोलन करने पर विवश होना पडेगा। वर्तमान में जलदायकर्मीयों ने आम जनता की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पानी सप्लाई को निरंतर बनाए रखा है। समस्त जलदायकर्मी जनहित में काम करते आये हैं और अपने आंदोलन के साथ-साथ जनहित के कार्य करते रहेंगे और पेयजल सप्लाई सुचारू रखेंगे। इस दौरान अभियन्ता वर्ग से अधिशाषी अभियन्ता अशोक अग्रवाल, नीलेश कुमार, संयोजक सहायक अभियन्ता मनोज पाराशर, हरीश गुप्ता, अजय सिंह, केशवदेव पाण्डेय, अभिषेक मिश्रा, राजवीर सिंह, कुलदीप सिंह, कनिष्ठ अभियन्ता विष्णु फौजदार, निकिता शर्मा, प्रियंका, कंचन अरोडा, अनसुईया शर्मा, अरूणा जैन, मंत्रालयिक संवर्ग से प्रशासनिक अधिकारी पूरन मीणा, सहाबसिंह, अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी रविन्द्र सिंह, चन्द्रकान्त शर्मा, सहायक प्रशासनिक अधिकारी संदीप चौहान, सतीश चन्द, महेश कुन्तल, राकेश कुमार, मनोज कुमार, जितेन्द्र मीणा, वरिष्ठ सहायक राजेन्द्र सिंह, मनोज शर्मा, दलीप फौजदार, घनश्याम सैनी, मनोज सैनी, बृजेन्द्र सिंह, सुमित खण्डेलवाल, अंजू कटारा, यतेन्द्र, विक्रम सिंह कनिष्ठ सहायक प्रेमपाल, नरेन्द्र फौजदार, अंकित सिंह, पवन कुमार, दीपक फौजदार, दीपक सैनी राजेश सैनी, महेन्द्र सिंह, मुरारीलाल सैनी, प्रणयवीर सिंह, राहुल गुर्जर एवं तकनीकी वर्ग से दीनदयाल वर्मा, कमलसिंह गडासिया, गिरीश कुमार शर्मा, उत्तमसिंह, सुधीर कुमार, हरिओम, शिवदयाल शर्मा, लीलाधर सैनी, प्रकाश चन्द शर्मा, उमेशसिंह, सुन्दरसिंह, संजय अग्रवाल, उदयसिंह, राजेन्द्र सिंह, सुदेश तिवारी, चन्द्रशेखर शर्मा, रामकिशन गुर्जर, मदनमोहन, बलराम, श्रीलाल गुप्ता, हेमलता, गायत्री, रेखा मौजूद रहे।

शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

गंगापुर सिटी । विश्व की सबसे बडी समाजसेवी संस्था लायंस क्लब के प्रान्त 3233ई-1 का दो दिवसीय शपथ ग्रहण समारोह कार्यक्रम राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर, जयपुर में पूर्व अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष लायन डॉ नरेश अग्रवाल के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। प्रांत के अंतर्गत रीजन 14 में आने वाले गंगापुर सिटी, सवाई माधोपुर तथा बौंली लायंस क्लब के समस्त पदाधिकारी रीजन चेयरपर्सन लायन डॉ आशीष कुमार शर्मा के नेतृत्व में जयपुर कार्यक्रम में शामिल हुए।

कार्यक्रम के दौरान पूर्व इंटरनेशनल डायरेक्टर लायन जे पी सिंह द्वारा प्रांतीय कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारीयों को शपथ दिलाई गई और आने वाले लायन वर्ष में सभी को अभूतपूर्व कार्य करने के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यालय नगर निगम, भरतपुर

क्रमांक : न.नि.भ./स्कीम/2024-25/6224 — दिनांक : 29.07.2024

सार्वजनिक सूचना

रणजीत नगर योजना भरतपुर में आवासीय भूखण्ड संख्या (क्वार्टर) E-384 श्री प्रीतमदास पुत्र श्री मिर्चूमल जाति सिन्धी निवासी - रणजीत नगर, भरतपुर के नाम 99 वर्षीय लीज होल्ड पर आवासीय भूखण्ड आवंटन/नीलामी में नगर सुधार न्यास, भरतपुर द्वारा विक्रय किया गया था। जिसका क्षेत्रफल 50 वर्गगज है। श्री प्रीतमदास पुत्र श्री मिर्चूमल ने उक्त भूखण्ड जरिये अपंजीकृत इकरारनामा दिनांक 19.12.1987 के द्वारा श्रीमती शान्ती देवी पत्नी श्री ओमप्रकाश को विक्रय कर दिया। विक्रय होने के पश्चात् उक्त भूखण्ड की लीजडीड नगर सुधार न्यास, भरतपुर के पत्रांक 3086 दिनांक 21.05.2013 के द्वारा श्रीमती शान्ती देवी पत्नी श्री ओमप्रकाश के नाम पूर्व में जारी की जा चुकी है। श्रीमती शान्ती देवी की मृत्यु दिनांक 04.04.2015 को हो चुकी है। श्रीमती शान्ती देवी की मृत्यु उक्त भूखण्ड का नाम परिवर्तन नगर निगम, भरतपुर के पत्रांक 250-251 दिनांक 05.03.2020 के द्वारा रजिस्टर्ड रिलीजडीड दिनांक 28.12.2015 के आधार पर श्री राजेश खत्री पुत्र श्री ओमप्रकाश के नाम पूर्व में हो चुका है। श्री राजेश खत्री पुत्र श्री ओमप्रकाश खत्री ने उक्त भूखण्ड जरिये रजिस्टर्ड बयनामा दिनांक 03.11.2020 के द्वारा श्रीमती मनोरमा देवी पत्नी श्री शम्भूशरण प्रसाद को विक्रय कर दिया। आवेदिका श्रीमती मनोरमा देवी पत्नी श्री शम्भूशरण प्रसाद जाति राजपूत निवासी - क्वार्टर संख्या E-384, रणजीत नगर, भरतपुर ने उक्त भूखण्ड का नाम परिवर्तन कराने हेतु आवेदन पत्र इस कार्यालय में प्रस्तुत किया है। उक्त भूखण्ड का नाम परिवर्तन करने की कार्यवाही इस कार्यालय द्वारा की जानी है।

इस सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो अन्दर अवधि सात दिवस में कार्यालय नगर निगम, भरतपुर में अपनी आपत्ति दर्ज करावें अन्यथा गुजरने म्याद आवासीय भूखण्ड संख्या (क्वार्टर) E-384, रणजीत नगर, भरतपुर का नाम परिवर्तन करने की कार्यवाही कर दी जावेगी एवं कोई आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी।

प्रभारी अधिकारी
स्कीम शाखा
नगर निगम, भरतपुर

कार्यालय प्रमुख चिकित्सा अधिकारी, सामान्य चिकित्सालय, करौली

क्रमांकः- लेखा/भण्डार / नीलामी / 2024/175 — दिनांक :- 22.07.2024

नीलामी सूचना

दिनांक 2 अगस्त 2024 को इस कार्यालय को प्राप्त स्वीकृति के अध्याधीन नकारा सामान की निलामी प्रात 10:00 बजे से प्रारम्भ होनी है। जिसका पुस्तकिय मुल्य 522147 (पांच लाख वाईस हजार एक सौ सैतालीस) प्रातः 10:00 बजे से 2:00 बजे तक निलामी योग्य सामान का अवलोकन किया जायेगा एवं नीलामी में बोली लगाने वाले प्रतिभागी का कमेटी के समक्ष नियमानुसार पंजीकरण किया जायेगा तथा अधिकृत बोलीदाताओ द्वारा 2:00 बजे से 4:00 बजे तक बोली लगाई जायेगी, अंतिम बिजेता द्वारा 5:00 बजे तक बोली लगाई गई राशि जमा करानी होगी समस्त प्रक्रिया अधिकृत कमेटी की निगरानी में संपादित होगी और कमेटी का निर्णय सर्वमान्य होगा।

UBN-MHS2425450B01719

DIPR/C/6562/2024

प्रमुख चिकित्सा अधिकारी
सामान्य चिकित्सालय, करौली

विवाहिता ने दो बच्चों के साथ कुएं में कूदकर आत्महत्या की

सालरा गांव में पति से पारिवारिक कलह के चलते विवाहिता ने आत्महत्या का कदम उठाया

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के सुभाष नगर थाना क्षेत्र के सालरा गांव में पति से पारिवारिक कलह के चलते विवाहिता ने नौ माह के नवजात बेटे और सात साल की मासूम बेटी के साथ कुएं में कूदकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने अथक प्रयास के बाद ग्रामीणों के सहयोग से मां-बेटे के शवों को कुएं से निकलवा लिया।

■ **महिला ने 7 साल की बेटी कविता व नौ माह के बेटे को लेकर कुएं में छलांग लगा दी**

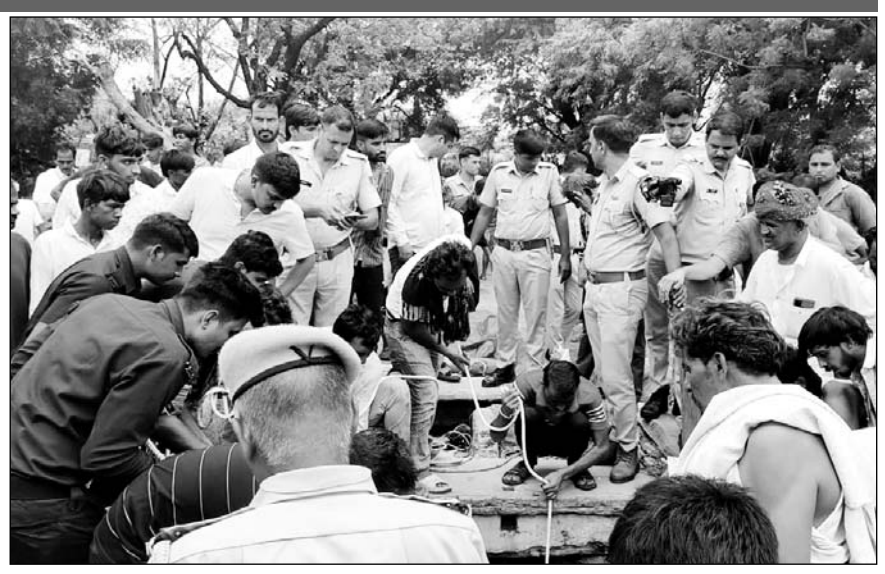

सुभाषनगर थाना प्रभारी शिवराज गुर्जर ने बताया कि सालरा निवासी राजू देवी गाडरी (30) व उसके पति उदयलाल गाडरी के बीच पारिवारिक कलह चल रहा था। इसी के चलते सोमवार सुबह करीब पांच बजे राजू देवी, अपनी सात साल की बेटी कविता व नौ माह के बेटे हनुमंत को लेकर घर से निकल गई। राजू देवी, अपने घर से करीब आधा किलोमीटर दूर स्थित अपने ही कुएं पर पहुंची और बेटे-बेटी सहित कुएं में छलांग लगा दी।

उधर, राजू देवी के घर से निकलने के बाद परिजन उसकी तलाश में निकले तब इस घटना का पता चला। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। सुभाषनगर थाना प्रभारी गुर्जर मय जाप्ता मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों की मदद से कुएं में गिरी महिला व उसके बेटे-बेटी की तलाश शुरु की। अथक प्रयास के बाद मां-बेटे के शवों को कुएं से निकाल लिया गया। कड़ी मशक्कत के बाद बच्ची का शव भी कुए से बाहर निकाल लिया गया।

पुलिस ने ग्रामीणों के सहयोग से तीनों के शवों को कुएं से निकलवाया।

राज्य में स्कूलों के लिये वार्षिक कैलेंडर जारी

साल के 365 दिनों में स्कूल महज 213 दिन ही संचालित होंगे

बीकानेर, (निसं)। शिक्षा विभाग ने राज्य के सरकारी व प्राइवेट स्कूलों के लिए सेशन 2024-25 के लिए वार्षिक कैलेंडर जारी कर दिया है। साल के 365 दिनों में स्कूल महज 213 दिन ही संचालित होंगे, जबकि 152 दिन स्कूलों में अलग-अलग कारणों से अवकाश रहेगा। इसमें रविवार का अवकाश भी शामिल है।

शिक्षा निदेशक आशीष मोदी की ओर से जारी कैलेंडर के अनुसार इस बार मध्यावधि अवकाश यानी दीपावली के अवकाश 27 अक्टूबर से शुरू होंगे और सात नवम्बर तक रहेंगे। इसी तरह सर्दियों की छुट्टियां हर बार की तरह 25 दिसम्बर से शुरू हो जाएगी और पांच जनवरी तक रहेगी। स्कूलों में प्रथम परख 21 अगस्त से 23 अगस्त तक होंगे। वहीं द्वितीय परख14 अक्टूबर से 16 अक्टूबर तक होंगे। इस बार अर्द्धवार्षिक परीक्षायें 12 दिसम्बर से 24 दिसम्बर तक आयोजित होंगी। वार्षिक परीक्षा 24 अप्रैल से 8 मई तक आयोजित होंगी। परीक्षा परिणाम 16 मई को घोषित होगा।

शिक्षा विभाग ने इस बार भी हर महीने के दूसरे व चौथे शनिवार को "नो बेग डे" घोषित किया है। इस दिन स्कूलों में अलग-अलग गतिविधियां आयोजित होगी, जिसमें बच्चों को

■ **152 दिन स्कूलों में अलग-अलग कारणों से अवकाश रहेगा इसमें रविवार का अवकाश भी शामिल है**

■ **स्कूलों में प्रथम परख 21 अगस्त से 23 अगस्त तक होंगे। वहीं द्वितीय परख14 अक्टूबर से 16 अक्टूबर तक होंगे**

स्टेज पर आने का अवसर दिया जाएगा। शिक्षा विभाग से जुड़े सरकारी व प्राइवेट स्कूलों में नया सेशन एक जुलाई 2025 से शुरू होगा। इससे पहले रिजल्ट घोषित होने के साथ ही स्कूलों में छुट्टियां घोषित हो जाएगी। आमतौर पर प्राइवेट स्कूल एक अप्रैल से ही सेशन शुरू कर देते हैं लेकिन सरकारी स्कूल में सेशन एक जुलाई से ही शुरू हो रहा है। इस बार जिला स्तरीय शैक्षिक सम्मेलन 25 व 26 अक्टूबर को घोषित होगा, वहीं राज्य स्तरीय शैक्षिक सम्मेलन 17 व 18 जनवरी को घोषित होगा। इन चार दिनों में सरकारी स्कूल में अवकाश रहेगा।

VARDHMAN MAHAVEER OPEN UNIVERSITY, KOTA
(Rawathbhata Road, Kota -324021) (Estate Cell)

NOTICE INVITING E-TENDER (NIB 13/2024-25)

E-Bid is invited for "ARC for hiring of Computer Machines along with trained personnel" (UBN: VMU2425SLRC00012). Further details may be obtained from http://www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in & www.vmou.ac.in w.e.f. 29/07/2024.

Raj.Samwad/C/24/2937 OIC Estate

AJMER VIDYUT VITRAN NIGAM LIMITED
Corporate Identification Number (CIN) – U40109RJ2000SGC016482
Registerd Office: VidyutBhawan, Panchsheel Nagar, Makarwali Road, Ajmer-305004
Office of The Superintending Engineer (Civil)
Email-secivilavvnl@gmail.com ; http ://energy.rajasthan.gov.in/avvnl

No. : AVVNL/SE/CIVIL/AJM/FC: D : 807 Date : 26/07/2024

ई-निविदा सूचना संख्या 03 (2024-25)

केन्द्र/राज्य सरकार के विभागों में 'ए' व 'एए' श्रेणी तथा अ.वि.वि.नि.लि. के उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत, अनुभवी तथा माल एवं सेवाकर विभाग से पंजीकृत निविदाकारों से अधिशाषी अभियंता (सिविल/सिविल-QC), अजमेर/उदयपुर/सीकर/चितौडगढ के अधीन सिविल कार्यों के लिए निविदाऐं UBN No. AVV2425WSOB00146, AVV2425WSOB00147, AVV2425WSOB00149 to AVV2425WSOB00161, AVV2425WSOB00163 to AVV2425WSOB00172, AVV2425WSOB00174 to AVV2425WSOB00194, AVV2425WSOB00196 to AVV2425WSOB00205 आमन्त्रित की जाती है। निविदा सम्बन्धित समस्त विवरण वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.gov.in व http://energy.rajasthan.gov.in/avvnl पर उपलब्ध है।

राज.संवाद/सी/24/2929 अधीक्षण अभियन्ता (सिविल)

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सार्वजनिक निर्माण विभाग विद्युत खण्ड भरतपुर

निविदा सूचना सं. 04/2024-25

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से निम्नांकित विद्युत कार्यों के लिए उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं के.लो.नि.वि. डाक, दूरसंचार, रेलवे, से.अ.से., अन्य राज्य सरकारों / केन्द्रीय सरकार के उपक्रमों/ सगठनों के पास सूचीबद्ध ठेकेदार, जो राजस्थान के वर्ग कक और क के समतुल्य है, निर्धारित प्रपत्र में ई-टेन्डरिंग प्रक्रिया द्वारा ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विवरण इन्टरनेट साईट www.pwd.rajasthan.gov.in, www.dipr.rajasthan.gov.in पर एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर भी उपलब्ध है।

S.No.	NIB No.	UBN No.
1.	PWD2425A0890	PWD2425WSOB03370
2.	PWD2425A0890	PWD2425WSOB03371
3.	PWD2425A0890	PWD2425WSOB03372
4.	PWD2425A0890	PWD2425WSOB03373
5.	PWD2425A0890	PWD2425WSOB03374

DIPR/C/6664/2024 अधिशाषी अभियंता, सानिवि विद्युत खंड, भरतपुर

कार्यालय नगरपालिका मण्डल, सांभर लेक जिला जयपुर ग्रामीण

क्रमांकः- न.पा.सा./2024/79 दिनांकः- 26.07.2024

ई-निविदा सूचना संख्या 04/2024

नगर पालिका सांभर लेक द्वारा निम्न कार्य कराये जाने हेतु सेवायें में ईच्छुक एंव अनुभवी संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूमेन्ट प्रक्रिया हेतु आनलाईन निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। निविदा फार्म आनलाईन वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in डाउनलोड एवं अपलोड व http://sppp.rajasthan.gov.in पर डाउनलोड किये जा सकते है:-

S. No.	Particulars	Detail
1	Unique Bid Number	DLB2425SSOB04246, DLB2425SSOB04249, DLB2425SSOB04251, DLB2425SSOB04252, DLB2425SSOB04254
2	Number of Work:-	05
3	Estimate Cost of Tender	80.00 लाख
4	Earnest money (EMD) 2%	1.60 लाख
5	Cost of tender document (non-refundable) In favor of Municipal Corporation Jaipur Heritage Payable at Jaipur.	निविदा में अंकित कार्य के सम्मुख तालिका अनुसार
6	RISL Processing Fees (non-refundable) In favor of MD RISL Payable at Jaipur.	निविदा में अंकित कार्य के सम्मुख तालिका अनुसार
7	Tender Publication on official web site http;//eproc.rajasthan.gov.in	26.07.2024
8	Tender download start date	26.07.2024
9	Bid Submission start date & Time	26.07.2024
10	Bid Submission End date & Time	05.08.2024
11	Technical bid opening date & Time	07.08.2024
12	Financial bid opening date & Time	Will be Intimated latter to the Technically qualified Bidders

अध्यक्ष नगर पालिका मण्डल सांभर लेक — अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका मण्डल सांभर लेक

राज.संवाद/सी/24/2985

खेलने गए चार बच्चों की तालाब में डूबने से मौत

सभी बच्चे नहाने के लिए तालाब में उतरे थे, किसी को भी तैरना नहीं आता था

परबतसर, (निसं)। निकटवर्ती ग्राम कैराप में घर से बाहर खेलने गए चार बच्चों की गांव के तालाब में डूबने से दर्दनाक मौत हो गई। सभी नहाने के लिए तालाब में उतरे थे। किसी को भी तैरना नहीं आता था। तलाश कर रहे परिजनों और ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस-प्रशासन ने तालाब में सर्च ऑपरेशन चलाया। इसके बाद चारों बच्चों के शव तालाब में गहरे दलदल में फंसे हुए मिले।

मामला डीडवाना-कुचामन जिले के कैराप गांव का है। घटना रविवार शाम पांच बजे हुई। खुनखुना एसएचओ देवीलाल ने बताया कि कैराप गांव के भूपेश (13) पुत्र काशीराम लोहार, साहिल खान (14) पुत्र संजय खान, शिवराज (14) पुत्र गिरधारी लोहार, विशाल ढाका (14) पुत्र बलदेव राम जाट रविवार शाम एक साथ घर से बाहर खेलने के लिए निकले थे। चारों बच्चे देर शाम तक घर नहीं लौटे तो परिजनों को चिंता हुई। आसपास बच्चों की तलाश की गई। जानकारी मिली कि बच्चे तालाब किनारे खेलने गए थे।

इस पर रात को तालाब किनारे पहुंचे तो वहां चारों बच्चों की चप्पलें तालाब के किनारे पड़ी मिली। बच्चे कहीं नजर नहीं आए। दो बच्चों के शव ग्रामीणों ने निकाले। खुनखुना थानाधिकारी देवीलाल बिश्नोई ने बताया कि रात करीब 9.20 बजे ग्रामीणों ने हादसे की सूचना दी थी। इस पर पुलिस जाप्ते के साथ मौके पर पहुंचे। दो बच्चों के शवों को ग्रामीणों ने खुद के स्तर पर दलदल से निकाल लिए थे। अतिरिक्त जिला पुलिस अधीक्षक हिमांशु भी मौके पर पहुंचे। सूचना पर कलेक्टर बालमुकुंद असावा ने एसडीआरएफ की टीम के साथ तहसीलदार और एएसपी हिमांशु शर्मा को रात 10 बजे मौके पर भेजा। चार घंटे के सर्च के बाद एस डी आर एफ की टीम ने रात करीब दो बजे दो अन्य बच्चों के शवों को भी तालाब से बाहर निकाला, जिन्हें डीडवाना के राजकीय बांगड़ जिला अस्पताल लाया गया। शवों का पोस्टमॉर्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिए गए हैं। मामले की जांच की जा रही है। एक साथ चार बच्चों की मौत से गांव में गमगीन माहौल है।

भूपेश लोहार।

साहिल खान।

शिवराज लोहार।

विशाल ढाका।

'सामाजिक सुरक्षा पेंशन भुगतान की लंबित अवधि एक महीना की'

जयपुर, (वि.सं.)) विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान आज विधायक अमृतलाल मीणा के प्रश्न पर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने सोमवार को विधानसभा में कहा कि राज्य सरकार के प्रयासों से वर्तमान में सामाजिक सुरक्षा पेंशन भुगतान की लंबित अवधि एक महीना कर दी गई है। गहलोत ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के समय यह अवधि तीन महीने से अधिक थी। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा पेंशन राशि में 15 प्रतिशत की वृद्धि कर इसे 1000 रुपये से 1150 रूपये किया गया है। वर्तमान में पेंशनर्स को गत एक अप्रैल से बढ़ी हुई पेंशन राशि का भुगतान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा 89 लाख पेंशनर्स के खातों में 1037 करोड़ रूपये की राशि का भुगतान डीबीटी के माध्यम से किया गया है।

आकाशीय बिजली गिरने से दो बच्चों की मौत

डूंगरपुर, (निसं)। आकाशीय बिजली गिरने से खेरवाड़ा तहसील के कागदर गांव में दो बच्चों की मौत हो गई। दोनों बच्चे पहाड़ी पर बकरी चराने के लिए गए थे। खेरवाड़ा तहसील के गांव निवासी गोपाल पुत्र सुरेंद्र कलासुआ तथा लक्की पुत्र अनिल कलासुआ दोनों बच्चे गांव में ही बकरी चरा रहे थे। इस दौरान बिजली गिरने से दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों बच्चों को पहले खेरवाड़ा फिर डूंगरपुर रेफर किया गया। जहां डॉक्टरों ने जांच के दोनों बच्चों को मृत घोषित कर दिया है।

वहीं डूंगरपुर जिले के पाल देवल गांव में सोफ स्टोन माइंस काम करे मजदूरों भी आकाशीय बिजली गिरने से घायल हो गए। घायलों में अधिकांश महिलाएं शामिल है। सभी लोगों देवल गांव में सॉफ स्टोन की माइंस पर काम करते थे। बिजली गिरने से एक महिला के हाथ पैर झुलस गए। महिला को गंभीर हालात में रैफर कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार देवल गांव सोमवार को मजदूर सॉप स्टोन की माइंस पर काम कर रहे थे। तभी बारिश शुरू हो गई बारिश से बचने के लिए सभी मजदूर माइंस पर खड़े डंपर के सहारे छुप गए। इस दौरान आसमान से आकाशीय बिजली गिर गई। जिसे आस पास में अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना एंबुलेंस की दी। इस पर 108 के पायलट दिनेश रोत और ईएमटी रेखा गायरी मौके पर पहुंचे और घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती करवाया। जहां सभी घायलों का इलाज चल रहा है।

लोहार्गल में कांवड़ियों के बीच घुसे शरारती तत्वों ने सूर्य कुंड पर हंगामा किया

शरारती तत्वों ने धक्का मारकर पुलिसकर्मी को कुंड में गिराया

नवलगढ़, (निसं)। तीर्थराज लोहार्गल धाम के सूर्य कुंड पर रविवार रात्रि को हुई घटना से पुलिस प्रशासन और सूर्य कुंड पर पवित्र स्नान के लिए जाने वाले भक्तों की प्रतिष्ठा पर प्रश्न चिह्न लग गया। रविवार-सोमवार की मध्य रात्रि के बाद सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने लगा, जिसमें लोहार्गल सूर्य कुंड पर रात्रि करीब 11.15 बजे स्नान कर रहे लोगों को पुलिस जवान डंडे मारकर खदेड़ते नजर आ रहे हैं। वीडियो चारों तरफ आग की तरह फैल गया। लोगों में अनेक प्रकार की चर्चाएं भी शुरू हो गई, लेकिन सूर्य कुंड के चारों ओर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज देखने पर पता चला कि घटना का दूसरा पहलू भी है।

■ **शरारती तत्वों को काबू करने के लिए पुलिस ने हल्का बल प्रयोग किया**

फुटेज में स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि गौमुख के पास महिलाएं कांवड़ पात्र में पवित्र जल भर रही थी। इस दौरान महिलाओं की तरफ आ रहे शरारती तत्वों को पुलिस जवानों ने टोका और दूसरी तरफ जाने के लिए कहा। कुंड के पास लगे माइक पर भी बार-बार अनाउंसमेंट किया गया। इसके बाद रात्रि 11.15 बजे कांवड़ियों की भीड़ में छिपे असामाजिक तत्व ने एक पुलिस जवान को धक्का मारकर कुंड में गिरा दिया, जिसके बाद पुलिस के जवानों ने कुंड में काफी देर से नहा रहे शरारती लोगों को बाहर निकालने के लिए डंडे फटकारे और 1-2 जने को डंडे भी लगे। इसके बाद 11.20 पर इन शरारती लोगों ने मिलकर पुलिस जवान को जमकर पीटा। कुंड पर हुड़दंग बढ़ता देख कांवड़िए पवित्र जल लेकर अपने-अपने गंतव्य की ओर निकल गए। हुड़दंग करने वाले शरारती लोग भी लाइट नहीं होने की वजह से अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से भाग गए। मामले में गोठड़ा थाने में प्रकरण भी दर्ज हुआ है।

घटना की जानकारी लेने व कुंड पर पुलिस की व्यवस्था व अन्य व्यवस्थाओं को लेकर नवलगढ़ पुलिस उप अधीक्षक मनोज कुमार गुप्ता व गोठड़ा थानाधिकारी कमलेश चौधरी सोमवार दोपहर लोहार्गल पहुंचे। डीवाईएसपी मनोज कुमार गुप्ता ने लोहार्गल पंचायत कार्यालय में सरपंच जगमोहनसिंह शेखावत, लोहार्गल सूर्य मंदिर पीठाधीश्वर अवधेशाचार्य महाराज, लोहार्गल के ग्राम विकास अधिकारी अनिल कुमार, सूर्य कुंड के आसपास के दुकानदारों व ग्रामीणों के साथ बैठक की। जिसमें लोगों से भविष्य में इस प्रकार की अप्रिय घटना न हो इसके लिए सुझाव मांगे। सरपंच जगमोहनसिंह, अवधेशाचार्य महाराज ने शनिवार से सोमवार सुबह तक कुंड पर कम से कम 40 पुलिस जवानों की तैनाती करने की मांग की। साथ ही मौजूद लोगों ने सूर्य कुंड पर जाने वाले श्रद्धालुओं का मार्ग दूसरे रास्ते से करने की मांग भी उठी। सरपंच जगमोहनसिंह व महंत अवधेशाचार्य ने सूर्य कुंड पर व्यवस्थाओं के लिए पुलिस टीम के साथ अपने कार्यकर्ता लगाने का भरोसा दिया।

जगदगुरू अवधेशाचार्य महाराज, पीठाधीश्वर सूर्य मंदिर लोहार्गल का कहना है कि धरती के पहले तीर्थ लोहार्गल धाम के सूर्य कुंड पर असामाजिक तत्वों द्वारा की गई घटना निंदनीय हैं। शिवभक्त कांवड़िए सूर्य कुंड पर हुड़दंग नहीं कर सकते। यह लोग तो कांवड़ियों को बदनाम करने व कांवड़ यात्रा को बंद करवाने के षड़यंत्र के तहत कांवड़ियों के बीच भेष बदलकर घुस गए। घटना के समय महिला कांवड़ यात्री गौमुख के पास कांवड़ पात्र में जल भर रही थी। उसी समय सारा घटनाक्रम शुरू हुआ। मौके पर पुलिस जवानों की संख्या बहुत कम थी। इसलिए मैं प्रशासन से मांग करता हूं कि कांवड़ियों के साथ आने वाले डीजे लगे वाहनों को गोल्याणा चौराहे पर ही रोका जाए और दूसरे वाहनों की भी गोल्याणा चौराहे से लोहार्गल कुंड के बीच 3-4 स्थानों पर जांच की जाए, इन वाहनों को भी कुंड से दूर रोका जाए, साथ ही संभव हो सके तो रात के समय शराब व अन्य प्रकार के नशे करके कांवड़ियों के जत्थों में घुसकर कुंड पर आने वाले असामाजिक तत्वों की जांच की जाए। पूरे श्रावण मास में शनिवार से सोमवार तक अतिरिक्त पुलिस बल लगाए जाए।

जगमोहनसिंह शेखावत, सरपंच, लोहार्गल का कहना है कि रविवार-सोमवार की मध्य रात्रि की घटना निंदनीय हैं। कांवड़ियों के भेष में कुछ असामाजिक तत्व सूर्य कुंड पर आ गए और हुड़दंग फैलाया तथा पुलिस के साथ भी इनकी कहासुनी हुई। घटना के समय सूर्य कुंड पर सैंकड़ों की संख्या में कांवड़िए मौजूद थे, लेकिन उन्होंने कुछ नहीं किया। घटना के समय लोहार्गल में बिजली कटौती चल रही थी। यहां पर विद्युत कटौती की बड़ी समस्या है। इसलिए विद्युत निगम के अधिकारियों को रात्रि के समय बिना कटौती बिजली सप्लाई देनी चाहिए और ग्राम पंचायत की ओर से शुक्रवार से रविवार रात्रि तक विशेष पुलिस बल तैनात करने की मांग की गई है।

मनोज कुमार गुप्ता, पुलिस उप अधीक्षक, नवलगढ़ का कहना है कि रात्रि को अचानक भीड़ बढ़ जाने से कुछ देर के लिए अव्यवस्था हुई। कांवड़ियों के साथ आए डीजे लगे वाहनों को लोहार्गल में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। साथ ही कांवड़ियों के साथ मोटरसाइकिलों के साइलेंसर हटाकर तेज आवाज करने वाले चालकों व बाइकों को जब्त किया जाएगा। कुंड पर आने वाले श्रद्धालुओं व कांवड़ियों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं हो इसके लिए सरपंच, मंदिरों के पुजारियों व ग्रामीणों को साथ लेकर तथा पुलिस जाब्ता बढ़ाकर व्यवस्थाओं को सुगम व सुरक्षित किया जाएगा। जिससे रविवार रात्रि को हुई घटना जैसी पुनरावृत्ति नहीं हो।

तीर्थराज लोहार्गल धाम के सूर्य कुंड पर अव्यवस्थायें फैली हुई हैं।

राजस्थान राज्य पाठ्यपुस्तक मण्डल
2-2,ए झालाना डूंगरी,जयपुर फोन 0141-2711237, 2703657, 2700540 फैक्स : 0141-2710362 email: secretary.rstb@rajasthan.gov.in

खुली बोली प्रतियोगिता से दर अनुबंध

निविदा सूचना संख्या 334

मण्डल कार्यालय में सेवाप्रदाता एजेन्सी के माध्यम से मण्डल कार्यालय उपयोग हेतु कम्प्यूटर, लैपटॉप एवं लेजर प्रिन्टर क्रय हेतु फर्मो से सीलबंद बोलियों दिनांक 06.08.2024 दोपहर 12.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। बोली की अनुमानित लागत 25.00 लाख रूपये है।

बोली से संबंधित विवरण एवं शर्तें वैबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in, https://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी एवं डाउन लोड की जा सकती है।

UBN No. : TBB2425GLOB00022

राज.संवाद/सी/24/2981 सचिव

कार्यालय नगर परिषद बून्दी

क्रमांकः- 1773 दिनांकः- 26.07.2024

-:: निविदा सूचना ::-

नगर परिषद बून्दी द्वारा जारी निविदा संः निर्माण/2024-25/1767 दिनांक 26/07/2024 की निविदा दिनांक 26/07/2024 से दिनांक 05/08/2024 शायः 6.00 बजे तक ऑनलाईन विक्रय की जावेगी। निविदा दिनांक 06/08/2024 को 3.00 बजे तक प्राप्त की जावेगी तथा निविदा दिनांक 06/08/2024 को 04.00 बजे ऑनलाईन खोली जावेगी। विस्तृत शर्तें व विवरण निविदा sppp.rajasthan.gov.in/eproc.rajasthan.gov.in पर DLB2425WSOB04196, तथा कार्यालय समय मे किसी भी कार्यदिवस को नगर परिषद मे देखा जा सकता है।

आयुक्त नगर परिषद, बून्दी

राज.संवाद/सी/24/2955

कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति नदबई जिला भरतपुर (राज0)
E-mail - Kums.nadbai@rajasthan.gov.in

क्रमांक :- 9298378 दिनांक :- 26.07.2024

बोली आमंत्रण सूचना संख्या-03/2024-25

NIB-DAM 2425A0240

ईच्छुक बोलीदाताओं से लैब ऑपरेटर ठेका, बागवानी व्यवस्था ठेका, प्रकाश व्यवस्था मय मोटर पम्प चालक ठेका, डाटा इन्टरनेट ठेका, प्याऊ पर पानी पिलाने का कार्य हेतु बोली /निविदा दिनांक 06.08.2024 सांय 04:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा के सबंध मे अन्य विवरण राजस्थान राज्य की उपापन पोर्टल https://sppp.rajasthan.gov.in पर और विभागीय वेबसाईट www.agriculture.rajasthan.gov.in/dam पर देखे जा सकते है।

क्रमशः UBN-DAM2425SSOB00551, DAM2425SSOB00552, DAM2425SSOB00553, DAM2425SSOB00554, DAM2425SSOB00555

राज.संवाद/सी/24/3016 प्रशासक सचिव

कार्यालय नगर निगम, अजमेर
पृथ्वीराज मार्ग, अजमेर

क्रमांक :स्टोर (प्रशा.)/17 दिनांक :- 27.07.2024

ई-निविदा सूचना

एक वर्ष के लिए इस कार्यालय में जॉब वर्क आधार पर कम्प्यूटर सिस्टम मय प्रशिक्षित कार्मिक (मशीन विद मैन) दर अनुबंध पर सेवा उपलब्ध करवाने हेतु विनिर्दिष्टत पंजीकृत बोलीदाता/संवेदक जो की राजस्थान अनुबंधित श्रमिक (नियमन एवं उन्मूलन) अधिनियम 1970, कर्मचारी भविष्य निधि अधिनियम 1952, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948, वस्तु एवं सेवा कर (GST) आय कर (पैन नम्बर) एवं राजस्थान दुकान एवं वाणिज्यिक संस्थान अधिनियम 1958, या इण्डियन पार्टनरषिप एक्ट 1932 के अन्तर्गत या इण्डियन कम्पनीज एक्ट 1956 अन्तर्गत पंजीकृत हो, से निम्नलिखित प्रकार से खुली बोली आमंत्रित की जाती है:-

क्रम	विवरण	कार्य की अनुमानित लागत	बोली प्रतिभूति राशि	बोली प्रपत्र शुल्क/आरआईएसएल प्रोसेसिंग फीस	ऑनलाईन बोली प्रपत्र भरने की अन्तिम तिथि व समय	ऑनलाईन तकनीकी बोली खोलने की तिथि व समय
1.	65 कम्प्यूटर सिस्टम मय प्रशिक्षित कार्मिक(मैन विद मशीन)	91.00 लाख रूपये	1.82 लाख	2000/- 1500/- प्रोसेसिंग फीस	06.08.2024 को मध्यान्ह 12 बजे तक	06.08.2024 को दोपहर 1 बजे

1. खुली बोली आमंत्रण सूचना विस्तृत आमंत्रण सूचना मय बोली दस्तावेज राजस्थान राज्य लोक उपापन पोर्टल http://sppp.rajasthan.gov.in, eproc.rajastan.gov.in पर भी देखा जा सकता है।
2. बोली प्रतिभूति, बोली प्रपत्र शुल्क, प्रोसेसिंग फीस राशि निगम द्वारा उपलब्ध कराई बैंक खातों में जमा करानी होगी।
3. किसी भी बोली को स्वीकार/अस्वीकार करने या किसी बोली को निरस्त करने का उपापन समिति का अधिकार सुरक्षित हैं।

NIB :- ANN2425A0073
UBN:- ANN2425SSLOB00089

उपायुक्त नगर निगम, अजमेर

राज.संवाद/सी/24/3010

राजस्थान सरकार

कार्यालय खनि अभियन्ता, खान एवं भूविज्ञान विभाग, जयपुर

पंचम तल, खनिज भवन, तिलक मार्ग, सी स्कीम जयपुर 302 005
दूरभाष नं. 0141-2227404 Email: me.jaipur@rajasthan.gov.in

क्रमांक: खअ/जय/निविदा-05/2025/853 दिनांक : 24.07.2024

नीलामी सूचना प्रकाशन 05/2024-25

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि जयपुर जिले के विभिन्न राजस्व ग्रामों के खातेदारी/सरकारी खसरों में अवैध खनन/निर्गमन चैकिंग के दौरान एमएमसीआर 2017 के नियम 54 व 60 के तहत जब्तशुदा खनिज चेजा पत्थर/क्वार्टज खनिज जैसी भी, जितनी भी, जहां भी है, उसी स्थिति में नीलामी हेतु दरें सीलबंद लिफाफे में आमंत्रित की जाती है। जिनका विवरण निम्न तालिका व विभागीय बेवसाईट www.mines.rajasthan.gov.in, Portal https://sppp.rajasthan.gov.in एवं कार्यालय नोटिस बोर्ड पर उपलब्ध है। उक्त नीलामी में भाग लेने हेतु नीलामी प्रपत्र 1,000/- रु का डी.डी./बैंकर्स चैक खनि अभियंता जयपुर (MINING ENGINEER JAIPUR) के नाम से जमा कराकर किसी भी कार्यदिवस में दिनांक 13 अगस्त 2024 (दोपहर 3.00 बजे) तक कार्यालय खनि अभियंता, पंचम तल, खनिज भवन, तिलक मार्ग, सी स्कीम जयपुर से प्राप्त किये जा सकते है।

नीलामी हेतु खनिज चेजा पत्थर समूहों का संक्षिप्त विवरण-

क्र. सं.	तहसील, राजस्व ग्राम एवं खसरा नंबर जहाँ खनिज पढ़ा हुआ है	खनिज का नाम	खनिज की अनुमानित मात्रा	बयाना / अमानता राशि	न्यूनतम बोली राशि (रु.)/ (प्रति टन)
1	बस्सी, घाटा खसरा संख्या 216	चेजा पत्थर	1110	9768.00	440.00
2	बस्सी, दयारामपुरा खसरा संख्या 110/1	चेजा पत्थर	1293	11378.00	440.00
3	बस्सी, दयारामपुरा खसरा संख्या 119	चेजा पत्थर	6643.62	5864.00	440.00
4	बस्सी, दयारामपुरा खसरा संख्या 116,120 व 200 / 39	चेजा पत्थर	7800	68640.00	440.00
5	बस्सी, दयारामपुरा खसरा संख्या 103	चेजा पत्थर	960	8448.00	440.00
6	बस्सी, दयारामपुरा खसरा संख्या 10	चेजा पत्थर	450	3960.00	440.00

नीलामी हेतु खनिज क्वार्टज समूहों का संक्षिप्त विवरण-

क्र. सं.	तहसील, राजस्व ग्राम एवं खसरा नंबर जहाँ खनिज पढ़ा हुआ है	खनिज का नाम	खनिज की अनुमानित मात्रा	बयाना / अमानता राशि	न्यूनतम बोली राशि (रु.)/ (प्रति टन)
1	बस्सी, घाटा खसरा संख्या 216	क्वार्टज	150	4050.00	1350.00
2	बस्सी, दयारामपुरा खसरा संख्या 10	क्वार्टज	50	1350.00	1350.00

आठ समूहों (खातेदारी/सरकारी खसरे) में पड़े जब्तशुदा चेजा पत्थर/क्वार्टज की प्रत्येक समूह के लिए अलग-अलग बोली दरें सीलबंद लिफाफे में दिनांक 13 अगस्त 2024 (सायंकाल 5.00 बजे) तक प्राप्त की जायेगी। निर्धारित समय तक प्राप्त सीलबंद लिफाफे कमेटी द्वारा दिनांक 14 अगस्त 2024 को प्रातः 11.00 बजे उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष खोले जायेगे। नीलामी की शर्ते एवं विस्तृत जानकारी विभागीय बेवसाईट www.mines.rajasthan.gov.in एवं पोर्टल http:s://sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध रहेगी व किसी भी कार्यदिवस में कार्यालय समय में नोटिस बोर्ड पर देखी जा सकती है।

UBN - MIN2425GLOB00018

DIPR/C/6603/2024 खनि. अभियंता जयपुर

भजनलाल शर्मा ने प्रदेशवासियों को दी कई सौगातें

भरतपुर व बीकानेर यू.आई.टी. होंगे विकास प्राधिकरण, चतुर्थ श्रेणी के पदों पर होगी भर्ती

- **वित्त एवं विनियोग विधेयक पर चर्चा का जवाब दिया मुख्यमंत्री ने**
- **एन.एफ.एस.ए. के लाभार्थियों को 450 रुपये में गैस सिलेण्डर**
- **1 सितंबर 2024 से लागू होंगी वेतन विसंगति संबंधी सिफारिशें**
- **बार काउंसिल को एक बारीय सहायता के रूप में 7 करोड़ 50 लाख रुपये**
- **द्रव्यवती नदी के विकास के लिए नवीन योजना बनाई जाएगी**

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि 450 रुपये में एलपीजी सिलेण्डर की योजना का दायरा बढ़ाते हुए अब प्रदेश में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के सभी लाभार्थियों को 450 रुपये में एलपीजी सिलेण्डर दिया जाएगा। अब तक प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना एवं बीपीएल श्रेणी के परिवारों को इसका लाभ मिल रहा था।

मुख्यमंत्री ने सोमवार को राजस्थान विनियोग एवं वित्त विधेयक पर चर्चा के प्रत्युत्तर के दौरान गत सरकार में गठित कर्मचारी वेतन विसंगति परीक्षण समिति की सिफारिशों को लागू करने, पुलिस, आरएसी, जेल प्रहरी, वन रक्षक में अग्निवीर युवाओं को नियुक्ति का प्रावधान, भरतपुर एवं बीकानेर में विकास प्राधिकरण सहित कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गरीब, पिछड़ा एवं अंतिम छोर में बैठे व्यक्ति के उत्थान के लिए 24 गुणा 7 कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने भी सर्वजनहिताय की सोच वाला, समाज के सभी वर्गों-युवा, किसान, महिला, मजदूर, गरीब, असहाय, उपेक्षित और अंतिम छोर पर खडे.व्यक्ति के चेहरे पर मुस्कान लाने वाला बजट दिया है। इस बजट के 10 संकल्पों से हम प्रदेशवासियों की खुशहाली के साथ विकसित राजस्थान का निर्माण करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 25 जून 1975 भारत के लोकतंत्र में काला दिवस था। उस दिन पूर्व प्रधानमंत्री स्व. इंदिरा गांधी ने अपना पद बचाने के लिए लोकतंत्र की हत्या की। नेताओं को मीसा कानून के तहत जेल में डाला, न्यायालय के अधिकारों पर कुठाराघात किया और मीडिया पर सेंसरशिप लागू की। साथ ही 1953 से 2014 के बीच 50 बार से अधिक राज्यों में चुनी हुई सरकारों को बर्खास्त किया। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार लोकतांत्रिक मूल्यों पर विश्वास करती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार जनहित का काम करती है, नाम बदलने का राजनीति नहीं। पूर्ववर्ती सरकार ने अटल सेवा केन्द्र का नाम राजीव गांधी सेवा केन्द्र करने एवं अन्नपूर्णा रसोई योजना का नाम बदलकर इंदिरा रसोई योजना करने का कार्य किया गया।

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ठोस कार्य करने की नीति के साथ आगे बढ़ रही है, वहीं पूर्ववर्ती सरकार के समय में केवल थोथी घोषणाएं हुईं। पशुधन बीमा योजना में पशुपालकों का रजिस्ट्रेशन किया लेकिन एक भी पशु का बीमा नहीं किया गया। वहीं प्रतापगढ़, जालौर एवं राजसमंद में मेडिकल कॉलेज खोलने, फिरोजपुर फीडर की मरम्मत के कार्य, जयपुर में विश्वकर्मा एमएसएमई, केन्द्रीय बस स्टैंड-सिंधी कैम्प को मल्टी मॉडल इंटीग्रेटेड आईएसबीटी हब के रूप में विकसित करने सहित कई घोषणाओं की क्रियान्विति नहीं हुई।

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने अल्प अवधि में 45 हजार से अधिक पदों के लिए भर्तियों के विज्ञापन प्रकाशित किये हैं। लगभग 20 हजार युवाओं को सरकारी नौकरी भी प्राप्त हो चुकी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के समय में ईआरसीपी (पूर्वी राजस्थान कैनाल प्रोजेक्ट) के लिए भी कोई एमओयू नहीं किया गया। साथ ही, यमुना जल समझौते के लिए एक मांग पत्र भी नहीं लिखा गया। वहीं हमनें प्रदेशहित में इन योजनाओं पर कार्य प्रारंभ किया।

इस दौरान शर्मा ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना 4.0 के अंतर्गत प्रदेश की ढाई हजार से अधिक ग्रामीण बसावटों को सड़क से जोड़ने का प्रावधान करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार प्रकट किया। उन्होंने प्रदेश में सड़कों के निर्माण एवं उन्नयन संबंधी कार्यों के लिए 1 हजार 100 करोड़ रुपये के अधिक की राशि के कार्यों की घोषणा की। उन्होंने कहा कि 2 वर्षों में 1 हजार करोड़ रुपये व्यय कर 10 हजार से अधिक आबादी वाले ग्रामीण क्षेत्रों में सीमेंट कंक्रीट के अटल प्रगति पथ निर्मित किए जाएंगे। उन्होंने बड़े शहरों में सार्वजनिक परिवहन के लिए 500 के स्थान पर 1000 ई-बस उपलब्ध करवाये जाने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भरतपुर एवं बीकानेर यूआईटी का उन्नयन कर वहां विकास प्राधिकरण का गठन करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि नगरीय निकायों में जन सुविधा के कार्य समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण सम्पादित करने के उद्देश्य से जिला स्तर पर जिला नगरीय आयुक्त की नियुक्ति की जाएगी। उन्होंने कहा कि द्रव्यवती नदी के विकास के लिए नवीन योजना बनाई जाएगी। उन्होंने 10 हजार से अधिक आबादी वाले कस्बों एवं निकटवर्ती गांवों को शामिल करते हुए 100 कलस्टरों में चरणबद्ध रूप से फेकल स्लज मैनेजमेंट के कार्य एवं दौसा शहर में सीवरेज मास्टर प्लान, सूरजगढ़ (झुंझुनूं), सांगोद (कोटा) में सीवरेज लाईन के कार्य, चेचट एवं खैराबाद कस्बों में क्षतिग्रस्त नालों की सफाई एवं पुनर्निर्माण कार्यों की घोषणा भी की।

शर्मा ने प्रदेश में पेयजल सुविधा हेतु बीसलपुर पेयजल योजना में अजमेर (फेज-3)-जयपुर (फेज-2) के लिए कॉमन इंटेक वैल मय ट्रांसमिशन लाइन के निर्माण सहित पेयजल संबंधी 9 कार्य 540 करोड़ रुपये की लागत से करवाये जाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि पेयजल की गुणवत्ता एवं स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए वाटर टेस्टिंग लैब्स को राष्ट्रीय स्तर का बनाकर एनएबीएल से मान्यता प्राप्त करने हेतु 15 करोड़ 50 लाख रुपये व्यय किए जाएंगे। साथ ही, वाटर टेस्टिंग सेंपल्स को जीओ टेगिंग कर ऑनलाइन किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश को ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक और कदम बढ़ाते हुए एससीआईएल और गेल से एमओयू करते हुए 4100 मेगावाट क्षमता का सृजन किया जाएगा। उन्होंने किसानों के खेत पर कुसुम परियोजना/हैम मॉडल के माध्यम से 1000 मेगावाट अतिरिक्त ऊर्जा उत्पादन किए जाने की घोषणा की। साथ ही, प्रदेश में हैम मॉडल पर बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली के माध्यम से चरणबद्ध रूप से 2000 मेगावाट विद्युत उत्पादन क्षमता सृजित की जाएगी। उन्होंने ऊर्जा उत्पादन में निजी क्षेत्र को प्रोत्साहन देने के लिए कैप्टिव पावर उत्पादन की सीमा 100 प्रतिशत से बढ़ाकर 200 प्रतिशत करने एवं विभिन्न क्षमता के 4 जीएसएस स्थापित किए जाने की घोषणा भी की।

शर्मा ने युवा उद्यमिता प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत 6 प्रतिशत ब्याज पुनर्भरण हेतु ऋण की सीमा बढ़ाकर 2 करोड़ रुपये किए जाने, पीएम विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत दस्ताकारों को दिये जा रहे 5 प्रतिशत की दर पर ऋण हेतु 2 प्रतिशत अतिरिक्त ब्याज अनुदान दिये जाने, खुशियारा (बारां) एवं पण्डेर (जहाजपुर)-शाहपुरा में औद्योगिक पार्क एवं अजमेर में आईटी पार्क स्थापित किये जाने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं की स्किलिंग एवं अप्रेंटिसशिप के लिए पीएम पेकेज के अंतर्गत प्रदेश के ढाई लाख से अधिक युवाओं को लाभान्वित किया जाएगा। उन्होंने भर्तियों में लगने वाले समय को कम करने के उद्देश्य से दस्तावेज सत्यापन विभागीय स्तर पर कराये जाने एवं विज्ञप्ति उपरांत रिक्तियों की संख्या में 50 प्रतिशत वृद्धि के प्रावधान को बढ़ाकर 100 प्रतिशत किये जाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि चतुर्थ श्रेणी की भर्ती के नियमों में परिवर्तन किया जाकर इन पदों पर भर्ती की जाएगी। उन्होंने सीईटी के प्रावधानों में बदलाव करते हुए क्वालीफिकेशन हेतु सभी श्रेणियों के लिए न्यूनतम अंक 40 प्रतिशत एवं एससी-एसटी के लिए 35 प्रतिशत अंक किये जाने की घोषणा की। उन्होंने कालवाड़, बनीपार्क (जयपुर) सहित 6 नवीन महाविद्यालयों, 3 नवीन कन्या महाविद्यालयों, बालाहेड़ा (महवा-दौसा) में कृषि महाविद्यालय, 2 पॉलिटेक्निक एवं एक महिला पॉलिटेक्निक सहित शिक्षा के विस्तार की दृष्टि से कई महत्वूपर्ण घोषणाएं भी की।

शर्मा ने कहा कि आरयूएचएस का उन्नयन करते हुए एम्स दिल्ली की तर्ज पर राजस्थान इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज की स्थापना की जाएगी। उन्होंने प्रदेश में राजस्थान इलेक्ट्रोपैथी चिकित्सा पद्धति अधिनियम-2018 के अंतर्गत इलेक्ट्रोपैथी बोर्ड का गठन किये जाने की भी घोषणा की। उन्होंने श्रीगंगानगर एवं मेडिकल कॉलेज कोटा में कैंसर मरीजों के लिए लीनियर एक्सलरेटर मशीनें उपलब्ध करवाने सहित विभिन्न चिकित्सा संस्थानों की स्थापना एवं क्रमोन्नयन की घोषणा भी की।

मुख्यमंत्री ने राजस्थानी साहित्य को बढ़ावा देने के लिए प्रतिवर्ष विजयदान देथा साहित्य उत्सव मनाने सहित विभिन्न आस्था केन्द्रों, पेनोरमा एवं बावड़ी संबंधी विकास कार्यों के लिए भी घोषणाएं की। उन्होंने कहा कि जयपुर एवं जोधपुर में राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के नवीन क्षेत्रीय कार्यालय शुरू किए जाएंगे। उन्होंने एक हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि से 2 लाख 50 हजार हैक्टेयर क्षेत्रफल को सिंचित किए जाने के लिए विभिन्न सिंचाई संबंधी कार्यों करवाये जाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि किसानों को फसल, फसली रोग एवं विपणन संबंधी जानकारी ऑनलाइन उपलब्ध करवाने के लिए 40 करोड़ रुपये का प्रावधान कर राज किसान साथी प्लेटफॉर्म विकसित किया जाएगा। उन्होंने पंजीकृत गौशालाओं को देय अनुदान में 10 प्रतिशत की वृद्धि, 2 हजार दुग्ध संकलन केन्द्र खोलने, पशु चिकित्सा संस्थानों की स्थापना एवं क्रमोन्नयन, परबतसर (डीडवाना-कुचामन), सेड़वा (चौहटन) एवं भाड़ोती (सवाईमाधोपुर) में कृषि मंडी खोलने तथा 150 बीज बैंकों की स्थापना सहित विभिन्न घोषणाएं की।

शर्मा ने केन्द्रीय सशस्त्र बलों की तर्ज पर अग्निवीर युवाओं को पुलिस, आरएसी, जेल प्रहरी, वन रक्षक में नियुक्ति दिए जाने का प्रावधान करने की घोषणा की। उन्होंने प्रदेश में 100 सीटर राज्य स्तरीय अभय कमांड सेंटर की स्थापना करने, तिजारा (खैरथल) में बॉर्डर होमगार्डस की एक कंपनी तैनात किए जाने, अजमेर/जयपुर स्थित राजस्व मंडल एवं कर बोर्ड का एकीकरण किये जाने, डीड राइटर्स की संख्या दोगुनी कर 5 हजार किये जाने, विभिन्न प्रशासनिक, पुलिस इकाईयों एवं न्यायालयों की स्थापना एवं क्रमोन्नयन सहित अन्य महत्वपूर्ण घोषणाएं भी की। उन्होंने बार काउंसिल को एक बारीय सहायता के रूप में 7 करोड़ 50 लाख रुपये प्रदान करने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने गत सरकार द्वारा गठित कर्मचारी वेतन विसंगति परीक्षण समिति की वेतन सुधार, वेतन विसंगति संबंधी शेष सिफारिशों को 1 सितंबर, 2024 से लागू करने, राजस्थान कॉन्ट्रेक्चुअल हॉयरिंग टू सिविल पोस्ट्स रूल्स-2022 के अंतर्गत सृजित पदों के नियमित पदों में परिवर्तित किये जाने पर नियुक्ति हेतु 5 वर्ष के अनुभव की निर्धारित पात्रता अवधि में वर्ष 2024-25 में 2 वर्ष की छूट प्रदान किये जाने की घोषणा की। उन्होंने पेंशनर्स को राहत प्रदान करते हुए 70 से 75 वर्ष के पेंशनर्स के लिए 5 प्रतिशत अतिरिक्त भत्ता दिए जाने की घोषणा की।

बोनस अंक नहीं देने पर मांगा जवाब

जयपुर। हाईकोर्ट ने फार्मासिस्ट भर्ती-2023 में अभ्यर्थी को बोनस अंक नहीं देने पर प्रमुख चिकित्सा सचिव और स्वास्थ्य निदेशक सहित स्थानीय सीएमएचओ से जवाब तलब किया है। जस्टिस महेन्द्र गोयल की एकलपीठ ने यह आदेश रजनीश भारती की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता रामप्रताप सैनी ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता ने प्लेसमेंट एजेंसी के जरिए काम किया था। उसके पास करोना काल और उसके बाद का अनुभव प्रमाण पत्र है। इसके बावजूद भी उसे अनुभव के बोनस अंकों का लाभ नहीं दिया गया और दस्तावेज सत्यापन के बाद उसे चयन प्रक्रिया से बाहर कर दिया गया।

पांच जिलों में चांदीपुरा वायरस के लिए अलर्ट

जयपुर । गुजरात से सटे जिलों में इन दिनों चांदीपुरा वायरस का खतरा बढ़ गया है। पिछले कुछ दिनों से डूंगरपुर, उदयपुर के एरिया में पॉजिटिव केस मिलने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने 5 जिलों के सीएमएचओ को अलर्ट भेजकर संदिग्ध एरिया में मॉनिटरिंग व सर्वे करवाने के निर्देश दिए हैं।

वहीं, एसएमएस मेडिकल कॉलेज में भी इसकी जांच शुरू हो गई है। जयपुर में अब तक इसके चार संदिग्ध मरीजों की जांच की जा चुकी है, लेकिन अच्छी बात ये है कि इन सभी की रिपोर्ट नेगेटिव आई है। स्वास्थ्य विभाग के निदेशक डॉ. रवि प्रकाश शर्मा ने बताया कि इस महीने चांदीपुरा वायरस के पॉजिटिव केस मिलने के बाद से अब तक 13 संदिग्ध मरीजों के सैंपल सीमावर्ती जिलों से पुणे भिजवाएं है। जिनमें से 1 की रिपोर्ट रविवार को पॉजिटिव आई थी। पॉजिटिव आया 3 साल का ये बच्चा अभी डूंगरपुर मेडिकल कॉलेज के हॉस्पिटल में भर्ती है। उसकी तबीयत अब ठीक है। वहीं, 8 संदिग्धों की रिपोर्ट नेगेटिव आ चुकी है। शेष की रिपोर्ट आना अभी बाकी है। डॉ. शर्मा ने बताया कि डूंगरपुर, बांसवाड़ा, उदयपुर, जालोर, सिरोही जिलों के सीएमएचओ को विशेष रूप से एक्टिव रहने के निर्देश दिए हैं। इन जिलों में ही सबसे ज्यादा इस वायरस के फैलने की आशंका है। जयपुर एसएमएस मेडिकल कॉलेज में पीडियाट्रिक डिपार्टमेंट के एसोसिएट प्रोफेसर डॉक्टर प्रियांशु माथुर ने बताया कि ये वायरस सबसे ज्यादा मच्छर और मच्छी के काटने से फैलता है। अभी इसका खतरा फिलहाल गुजरात से लगते जिलों में है। इस बीमारी में बच्चे के एकदम से तेज बुखार तो आता ही है साथ में उल्टी-दस्त की शिकायत रहती है। इसके अलावा बच्चों में अचानक बेहोश होने और दौरे पड़ने की भी स्थिति आती है। डॉ. माथुर ने बताया कि इस वायरस की मोर्टलिटी रेट भी 20 से 40 फीसदी के बीच है, जो बहुत ज्यादा है। जयपुर में इस तरह के लक्षण वाले बच्चों जो जे.के. लोन हॉस्पिटल में आ रहे है। उनकी डॉक्टर मॉनिटरिंग कर रहे है। ऐसे संदिग्ध मरीजों के सैंपल लेकर उनकी टेस्टिंग भी करवा रहे है। राजधानी जयपुर में इस तरह के चार संदिग्ध मरीजों के सैंपल जांच के लिए एसएमएस मेडिकल कॉलेज आ चुके है। इन सभी की रिपोर्ट नेगेटिव आई है। माइक्रोबायोलॉजी डिपार्टमेंट की सीनियर प्रोफेसर डॉ. भारती मल्होत्रा ने बताया कि ये सैंपल जयपुर के जे. के. लोन से आए थे।

नव नियुक्त राज्यपाल कल शपथ लेंगे

जयपुर। राजस्थान के नव नियुक्त राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे 31 जुलाई को राजभवन में आयोजित समारोह में शपथ ग्रहण करेंगे। राज्यपाल बागडे को मुख्य न्यायाधिपति मनिन्द्र मोहन श्रीवास्तव शपथ ग्रहण करवाएंगे। राज्यपाल के सचिव गौरव गोयल ने बताया कि शपथ ग्रहण समारोह राजभवन में सांय 4 बजे आयोजित होगा।

खिलाड़ी लाल बैरवा ने भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दिया

जयपुर। लोकसभा चुनाव के दौरान बड़ी संख्या में कांग्रेस नेताओं ने भाजपा का दामन थामा था। हजारों की संख्या में कांग्रेस से भाजपा में शामिल हुए नेता और कार्यकर्ताओं का अब 4 महीने के भीतर ही भाजपा से मोहभंग होने लगा है। कई कार्यकर्ताओं के बाद अब बड़े नेताओं ने भी भाजपा से अपना नाता तोड़ लिया है।

इसी कड़ी में पूर्व सांसद खिलाड़ी लाल बैरवा ने भाजपा की प्राथमिक सदस्य से इस्तीफा दे दिया है। बैरवा ने अपना इस्तीफा नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ के नाम पत्र लिखकर दिया, जिसमें उन्होंने अपने कार्यकर्ताओं के लगातार भाजपा से दूरी का हवाला देते हुए अपना इस्तीफा दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की विचारधारा छोड़ भाजपा की विचारधारा से नहीं जुड़ पा रहा हूं। खिलाड़ी लाल बैरवा ने अपने इस्तीफे में भाजपा के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ को संबोधित करते हुए कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री (कांग्रेस) की ओर से अपने चौथी बार मुख्यमंत्री बनने की लालसा में कांग्रेस के दिग्गज नेताओं को कांग्रेस से बाहर करने का विफल प्रयास किया। सचिन पायलट के गुट के लोगों के फोन टेप करवाए, जिसका लोकेश शर्मा (ओ.एस.डी., पूर्व मुख्यमंत्री) सविस्तार बता चुके है। इनमें मेरा भी फोन टेप करवाया गया, जो कि जांच का विषय है। योजनाबद्ध तरीके के साथ मुझे भी पार्टी से निकाला गया, कुछ खास चापलूसों की सिफारिश पर राजस्थान के इतने टुकड़े-टुकड़े कर दिए। बैरवा ने कहा कि पंचायत समिति स्तर के क्षेत्रफल वालों को जिले बना दिए, समाज के टुकड़े कर इतने सामाजिक बोर्ड बना दिए, जिनका स्वयं को भी पता नहीं। 18 फीसदी अनुसूचित जाति के लोगों के लिए आयोग को वैधानिक दर्जे की बात की तो क्या गुनाह कर दिया। पूर्व मुख्यमंत्री के इस तरह के फैसलों की वजह से कांग्रेस छोड़ भाजपा में शामिल हुए, लेकिन काफी प्रयास के बाद भी मैं भाजपा की विचारधारा से खुद को जोड़ नहीं पा रहा। मैंने 33 वर्ष कांग्रेस में सक्रिय राजनीति की है, यह मेरे खून में है।

खुले में मांस बेचने पर 5 दुकान सीज

जयपुर । हैरिटेज निगम की पशु प्रबंधन शाखा ने सोमवार को बिना लाइसेंस व खुले में मीट बेचने वाली दुकानों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 5 दुकानें सीज की है। हैरिटेज निगम के पशु प्रबंधन शाखा उपायुक्त राकेश कुमार शर्मा ने बताया कि हैरिटेज निगम की ओर से बिना लाइसेंस और खुले में मांस बेचने पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। सोमवार को निगम टीम ने गुर्जर की थड़ी, न्यू सांगानेर रोड पर औचक निरीक्षण किया। इस दौरान कई दुकानों पर खुले में मीट बेचा जा रहा था । जिस पर कार्रवाई करते हुए मीट की पांच अवैध दुकानों को सीज किया।

सलूम्बर में दलित शिक्षक और सीकर में दलित छात्र की हत्या का मुद्दा विधानसभा में गूंजा

कांग्रेस विधायकों ने वैल में उतरकर करीब साढ़े 3 घंटे तक हंगामा और नारेबाजी की, हालात इतने बिगड़े कि सदन की कार्यवाही भी 3 बार स्थगित करनी पड़ी

- **विपक्ष का कहना था कि, ''उदयपुर में कन्हैयालाल हत्याकांड के बाद उसके परिजनों को 1 करोड़ रु. मुआवजा और नौकरी दी गई थी, जबकि इस प्रकरण में पीड़ित परिवार को मात्र 21 लाख रु. दिये गए हैं, जो कि भेदभाव है।''**
- **सदन में यह प्रकरण बढ़ता देखकर स्पीकर देवनानी ने व्यवस्था दी कि, ''राज्य सरकार, मंगलवार को इन मुद्दों पर शून्यकाल के बाद जवाब देगी। इसके बाद हंगामा शांत हुआ और सदन की कार्यवाही सुचारु चली।''**

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर । सलूम्बर में दलित शिक्षक और सीकर में दलित छात्र की हत्या का मुद्दा सोमवार को विधानसभा में गूंजा। कांग्रेस विधायकों ने वैल में उतरकर करीब साढ़े 3 घंटे तक हंगामा और नारेबाजी की। हालात इतने बिगड़े की सदन की कार्यवाही 3 बार स्थगित करनी पड़ी। मामला बढ़ता देखकर स्पीकर वासुदेव देवनानी ने व्यवस्था दी कि, ''राज्य सरकार, मंगलवार को इन मुद्दों पर शून्यकाल के बाद जवाब देगी। इसके बाद हंगामा शांत हुआ और सदन की कार्यवाही सुचारु चली।''

दरअसल शून्यकाल में विधायक थावरचंद ने स्थगन प्रस्ताव के तहत, संलबूर में दलित शिक्षक की हत्या का मामला उठाया और कहा कि इस मामले में पीड़ित परिवार को मात्र 21 लाख रुपए का मुआवजा दिया गया हैं, जो कि बहुत कम है। थावरचंद ने कहा कि उदयपुर में कन्हैयालाल हत्याकांड के बाद राज्य सरकार ने उसके परिजनों को एक करोड़ रुपए का मुआवजा एवं एक आश्रित को नौकरी दी थी, जबकि इस मामले में सरकार ने भेदभाव किया है। इस मामले में भी पीड़ित परिवार को 1 करोड़ रुपए का मुआवजा दिया जाये।

इस दौरान नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली सहित विपक्ष के सदस्य भी खड़े हो गए और बोलने लगे, इससे सदन में शोरगुल हुआ। विपक्ष के सदस्य इस मामले को लेकर वेल की तरफ बढने लगे और सदन में हंगामा होने लगा। इस दौरान स्थगन प्रस्ताव के जरिए विधायक पितराम सिंह काला ने सीकर में दलित छात्र की हत्या का मामला उठाया। इसके बाद विपक्ष के सभी सदस्य, दलितों पर अत्याचार के मुद्दे को लेकर सदन की वैल में आ गए और नारेबाजी करने लगे, जिससे सदन में हंगामा बढ़ गया।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने हंगामा कर रहे सदस्यों को टोका लेकिन विपक्ष के सदस्य नारेबाजी करते रहे। देवनानी ने हंगामा कर रहे विपक्ष के सदस्यों से कहा कि संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल जवाब दे रहे हैं, सभी सदस्य अपनी जगह पर जाये लेकिन विपक्ष के सदस्य वैल में डटे रहे और हंगामा करते रहे। इस पर अध्यक्ष ने कहा कि विपक्ष के सदस्य जवाब सुनना नहीं चाहते हैं, ये सदन में हंगामा मचाना चाहे रहे है।

इस दौरान जोगाराम पटेल जवाब देने के लिए खड़े हुए लेकिन कांग्रेस विधायकों के हंगामे के कारण वापस बैठ गए। हंगामा कम नहीं होता देख जोगाराम पटेल फिर उठे और उन्होंने कहा कि सीकर में छात्र की हत्या के मामले की जांच कराकर 1-2 दिन में इस मामले की पूरी रिपोर्ट सदन को बता दी जायेगी। इसके बाद भी विपक्ष का हंगामा चलता रहा। इसी बीच पर्ची के माध्यम से विधायक गणेशराम बंसल, आदूराम मेघवाल, रामसहाय वर्मा और हरलाल सिंह सहारण ने अपनी बात रखी, लेकिन हंगामे के कारण उनकी कोई भी बात स्पष्ट रुप से सुनाई नहीं दी।

दलित अत्याचार का यह हंगामा बढ़ता देखकर स्पीकर देवनानी ने सदन की कार्यवाही 12:45 बजे (भोजन अवकाश से 15 मिनट पहले) ही 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। दोपहर 2 बजे जैसे ही सदन की कार्यवाही फिर शुरु होने लगी तो कांग्रेस विधायक वैल में हंगामा करते रहे, इसके चलते सभापति संदीप शर्मा ने 2:06 बजे सदन की कार्यवाही 30 मिनट के लिए स्थगित कर दी। वापस सदन शुरू होने के बाद भी गतिरोध बरकरार रहा तो पुनः 30 मिनट के लिए सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी गई।

बाद में दोपहर 3 बजकर 6 मिनट पर सदन की कार्यवाही को शुरू करवाते हुए स्पीकर वासुदेव देवनानी ने व्यवस्था दी कि, राज्य सरकार इस प्रकरण पर मंगलवार को शून्यकाल के बाद जवाब देगी। इसके बाद सदन में हंगामा शांत हुआ और कार्यवाही सुचारु चली।

आई.एन.ए. सोलर का कॉर्पोरेट ऑफिस जयपुर में शुरू हुआ

जयपुर । क्लीन व ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देने में भारत की प्रतिष्ठित सोलर पैनल मैन्युफैक्चरिंग कंपनी ''इन्सोलेशन एनर्जी लिमिटेड'' (आई.एन.ए. सोलर) ने 28 जुलाई 2024 को न्यू आतिश मार्केट एक्सटेंशन स्थित अपने कॉर्पोरेट ऑफिस ''फ्लुइडकॉन हाउस'' का उद्घाटन किया। दफ्तर का उद्घाटन जयपुर शहर सांसद मंजू शर्मा, पूर्व सांसद रामचरण बोहरा, आई.एन.ए. सोलर के चेयरमैन मनीष गुप्ता व एम.डी. विकास जैन ने किया। कंपनी चेयरमैन मनीष गुप्ता और प्रबंध निदेशक विकास जैन ने बताया कि अब जयपुर स्थित इस कार्यालय पर कंपनी के सभी डिपार्टमेंट के 100 से अधिक कर्मचारी एक साथ बैठ सकेंगे। उन्होंने कहा कि यह नया कार्यालय हमारे व्यापार के विस्तार का हिस्सा है और इसका उद्देश्य हमारे ग्राहकों को उच्च गुणवत्ता की सेवाएं प्रदान करना और हमारे कर्मचारियों को बेहतर सुविधाएं और सेवाएं प्रदान करेगा।

सरकारी योजनाओं व कैशलेस इलाज में फ़र्ज़ीवाड़े का आरोप

जयपुर । चिकित्सक की अनुपस्थिति में चिकित्सक के डॉक्यूमेंट विभाग में लगाकर सरकारी योजनाओं में मरीज़ों के इलाज के नाम पर फर्जीवाड़ा कर खिलवाड़ किया जा रहा है।

प्राईवेट हॉस्पिटल्स एंड नर्सिंग होम्स सोसायटी के प्रेसिडेंट डॉ विजय कपूर ने बताया कि यह अत्यंत गंभीर मामला है। ये कैसे और क्यों हो रहा है और कौन कर रहा है, यह जांच का विषय है। उन्होंने बताया कि ऐसे प्रकरण उनके संज्ञान में लाए गए हैं, जो ज़्यादातर अप्रशिक्षित या झोलाछाप व्यक्तियों द्वारा किए जा रहे हैं। डॉ. कपूर ने कहा कि सरकार की नाक के नीचे खुलेआम धड़ल्ले से सरकारी योजनाओं में ये गोरखधंधा चल रहा है। ऐसे में कैसे कोई नैतिकता से काम करने वाले चिकित्सक, अस्पताल सम्मान जनक और सही तरीक़े से इन योजनाओं में काम कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि सरकारी अधिकारी जानते हुए भी ऐसे प्रकरणों में कार्रवाई क्यों नहीं करते, यह समझ से परे है।

सरकार ने राजस्थान के हक और अधिकार दिल्ली में गिरवी रख दिए : नेता प्रतिपक्ष

जयपुर। विधानसभा में बजट पर चर्चा के दौरान नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार ने कांग्रेस सरकार के बजट को नया कवर चढ़ाकर पेश किया है। उन्होंने बजट को निराशाजनक बताते हुए कहा कि, सरकार ने राजस्थान के हक और अधिकार दिल्ली में गिरवी रख दिए हैं।

टीकाराम जूली ने कहा कि हमारी सरकार जरूरतमंद परिवारों को 500 रुपए में गैस सिलेंडर दे रही थी। आपने 450 रुपए कर दिए। आपने जनवरी से आज तक इंदिरा रसोई का अनुदान नहीं दिया। हमने बजट में जयपुर मेट्रो फेज-2 की घोषणा की थी। आपने भी वापस यही घोषणा कर दी। ईआरसीपी के लिए हमने 13,500 करोड़ की घोषणा की थी। आपने उसी घोषणा को टुकड़ों में कर दी। नेता प्रतिपक्ष टीमाराम जूली ने कहा कि केंद्रीय बजट से बहुत उम्मीदें थी दो बार राजस्थान ने 25 सांसद भाजपा को दिए इस बार भी 14 सांसद दिए लेकिन केंद्रीय बजट में कुछ नहीं मिला। सरकार बचाने के लिए केंद्र का सारा बजट आंध्र और बिहार ले गए। उन्होंने कहा, डॉक्ट्र किरोडी लाल मीणा ने मंत्री ने इस्तीफा दे दिया, लेकिन वह मंजूर नहीं हुआ। किरोड़ीजी अधिकारी के पास गए। क्या प्रोटोकॉल रहा, सरकार जवाब दे। वहां किरोड़ीलाल मीणा नहीं बल्कि पूरी सरकार गई है। जूली ने कहा कि पीएम ने राजस्थान जैसे शांत प्रदेश की तुलना जलते हुए मध्यप्रदेश से की थी। आज की वित्त मंत्री ने तब दिल्ली में महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने धरना दिया था। आज प्रदेश में महिला अपराध और दलित उत्पीड़न के मामले बढ़े हैं। वित्त मंत्री कब बोलेंगी? सांभरलेक थाने में पुलिस ने कावड़ियो को पीटा, सरकार ने एक कांस्टेबल को हटाकर इतिश्री कर ली गई। जिम्मेदार सभी अफसरों पर कार्रवाई की जानी चाहिए।

कोचिंग संस्थानों की रिपोर्ट मांगी

जयपुर । जयपुर पुलिस कमिश्नरेट ने सभी थानाधिकारियों को शहर में संचालित सभी कोचिंग संस्थानों की बिल्डिंग व बैसमेंट में जल भराव एवं अग्नि संबंधी आपदा से संबंधित नियमानुसार सुरक्षा प्रमाण पत्र की जांच कर रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए है। इस संबंध में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, कानून-व्यवस्था कुंवर राष्ट्रदीप ने सभी थानाधिकारियों को निर्देश जारी कर दो दिन में रिपोर्ट सौंपने को कहा है। उन्होंने कहा कि जयपुर में रहने वाल सभी अभिभावक एवं छात्र व छात्राएँ भी अपने कोचिंग संस्थानों में सुरक्षा संबंधित समस्या से जयपुर पुलिस को सूचना देकर अवगत करवा सकते है। इसके लिए पुलिस नियंत्रण कक्ष, जयपुर के टोल फ्री नम्बर 100, 112 पर कॉल कर सकते है।

डॉक्टर्स म्यूजिक प्रीमियम लीग संपन्न

जयपुर (कासं)। राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर जयपुर में 28 जुलाई को डॉक्टर्स की 3 दिवसीय गायन प्रतियोगिता एस.बी.आई. डॉक्टर्स म्यूजिक प्रीमियम लीग सीज़न- 3 ग्रैंड फिनाले के साथ संपन्न हुई। प्रतियोगिता के चैयरमेन डॉ. संजीव गुप्ता ने बताया कि विजेताओं को कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एसबीआई बैंक के डीजीएम व सीडीओ कल्याण गजवेली, गेस्ट ऑफ़ ऑनर एमिटी यूनिवर्सिटी के वीसी डॉ. अमित जैन व बॉलीवुड सिंगर रविंद्र उपाध्याय ने ट्रॉफ़ी प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर दर्शकों की मांग पर उपाध्याय ने अपनी प्रस्तुति दी। लीग के आयोजन सचिव डॉ. अनिल यादव ने बताया कि इस वर्ष प्रतियोगिता में कुल आठ टीमों के 64 गायकों ने 3 दिनों तक प्रतिस्पर्धा करते हुए एक से बढ़कर एक दमदार प्रस्तुतियां दीं। लीग संयोजक डॉ. संदीप निझावन ने बताया कि फाइनल मुकाबले में प्रथम स्थान पाकर टीम आँगन मेडिनोवा ने बाज़ी मारी।

आग लगाने का आरोपी गिरफ्तार

करौली(नि.स.)। करौली सदर थाना पुलिस ने घर में आग लगाने के आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस आरोपी मुनीराज से पूछताछ कर रही है। आरोपी ने घर में आग लगाकर घरेलू सामान को जला दिया था। करौली सदर थानाधिकारी योगेंद्र शर्मा ने बताया कि भरतपुर रेंज आईजी के निर्देश पर जिला पुलिस द्वारा अपराधियों की धरपकड के लिए अभियान चलाया जा रहा है। अभियान का नेतृत्व पुलिस अधीक्षक बृजेश ज्योति उपाध्याय,सुपरविजन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शंकरलाल और पुलिस उपाधीक्षक अनुज शुभम कर रहे हैं। अभियान में स्थाई वारंटी,हार्डकोर अपराधी,आदतन अपराधी,वांटेड अपराधी,आर्म्स एक्ट के अपराधी,इनामी अपराधी, आर्म्स एक्ट में कार्रवाई की है।

पुलिस ने आरोपी मुनीराम 47 पुत्र ठण्डीराम निवासी धूगढ थाना सदर करौली को पकडा है। पुलिस ने आरोपी को गुनेसरा मोड से डिटेन कर पूछताछ की।

पूछताछ में आरोपी ने जुर्म कबूल करने के बाद उसे गिरफ्तार किया है। आरोपी ने गत 11 जुलाई को पीड़िता रेशमा देवी 54 पत्नी राम सिंह निवासी धूगढ थाना सदर करौली के घर में घुसकर गाली गलौज कि और घर को आग लगा दी जिसके कारण पीड़िता का घरेलू सामान जलकर राख हो गया।

यातायात प्रभारी ने वाहन चालकों के खिलाफ कार्यवाही की

करौली(नि.स.)। करौली शहर में नियमो के तहत वाहन चलाने डग्गेमार वाहनों के खिलाफ कार्यवाही और ऑटो टेंपो में क्षमता से अधिक सवारियां नहीं बैठाने को लेकर यातायात प्रभारी ने वाहन चालकों कि क्लास ली।

करौली यातायात प्रभारी महावीर प्रसाद ने बताया कि जिला पुलिस अधीक्षक बृजेश ज्योति उपाध्याय के निर्देशन में शहर कि यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने एवं आमजन को राहत पहुंचाने कि दृष्टि से यातायात व्यवस्था में सुधार के प्रयास किए जा रहे हैं

इसी कड़ी में यातायात प्रभारी महावीर प्रसाद के नेतृत्व में यातायात पुलिस के जवानों ने शहर के गुलाब बाग, रोडवेज बस स्टैंड सड़क मार्ग, कलेक्ट्रेट सर्किल, शिकारगंज क्षेत्र सहित कई अन्य स्थानों पर ऑटो टेंपो, जीप निजी बस चालक एवं मालिकों से समझाईस करते हुए यातायात नियमों के तहत ही वाहन चलाने की बात कही। उन्होंने ऑटो चालकों की क्लास लेते हुए कहा कि ऑटो चालक अपने ऑटो टेंपो में क्षमता से अधिक सवारीया ना बैठाएं अन्यथा चालान की कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि निजी विद्यालयों में अध्यनरत बच्चों को लाने ले जाने में लगे ऑटो चालक छोटे बच्चों का विशेष ध्यान रखें एवं क्षमता से अधिक और

यातायात प्रभारी ने वाहन चालको को नियमो के तहत वाहन चलाने को लेकर समझाईस की।

अपनी आगे की ओर बच्चों को नहीं बैठाए। इसके अलावा उन्होंने निजी बसों एवं डग्गेमार वाहनो के चालक और मालिकों से समझाईस करते हुए कहा कि निर्धारित रूट पर ही वाहन चलाएं इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और यातायात नियमों के तहत सख्ती से कार्यवाही करेंगे। यातायात प्रभारी महावीर प्रसाद ने बताया कि शहर के गुलाब बाग से हिंडौन गेट कि सड़क पर अवस्थित रूप से लगे फल,सब्जी के ठेले संचालकों से भी समझाईस करते हुए सड़क पर ठेले नहीं लगाने की बात कही है।

उन्होंने कहा की करौली शहर की यातायात व्यवस्था में बेहतर से बेहतर सुधार के पूरे प्रयास किए जा रहे हैं वहीं जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार नियमों का पालन नहीं करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध भी लगातार चालानी कार्यवाही कि जा रही है।

कलेक्टर को ज्ञापन दिया

करौली। करौली विकास मंच के पदाधिकारीयो ने मुख्यमंत्री के नाम का अतिरिक्त जिला कलेक्टर को ज्ञापन पेश कर करौली जिला मुख्यालय सहित जिले के विभिन्न महत्वपूर्ण धार्मिक, प्राकृतिक, ऐतिहासिक, पुरातात्विक स्थलों को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की मांग की है। करौली विकास मंच के संयोजक बबलू शुक्ला के नेतृत्व में मंत्री धर्मेंद्र शर्मा, ललित हरदैनिया,समाजसेवी नरेंद्र सिंह बैसला,पूर्व सरपंच अनिल शर्मा, अंबेश पाल सहित कई लोगों ने मुख्यमंत्री के नाम सौपे ज्ञापन में बताया कि केंद्र सरकार के आशान्वित जिलों कि सूची में करौली जिले का नाम दर्ज है अर्थात करौली जिला पिछड़ा हुआ जिला है।

सुनहरे अतीत में देखें तो आराध्य देव भगवान मदन मोहन जी कि नगरी करौली धार्मिक,प्राकृतिक,ऐतिहासिक पुरातात्विक धरोहरों से सुसज्जित एवं सांस्कृतिक सभ्यता से ओत-प्रोत पवित्र पावन नगरी के रूप में जानी जाती है। उन्होंने बताया कि करौली जिला प्रदेश एवं देश के मानचित्र पर उभर कर आ सके इस हेतु एक मात्र माध्यम धार्मिक एवं सांस्कृतिक पर्यटन है जिले में पर्यटन स्थल विकसित होने से रोजगार बढ़ने कि प्रबल संभावना होने से धंधे की तलाश में बाहर जाने वाले स्थानीय लोगों का पलायन रुकेगा वर्तमान में पुरानी सुनहरी करौली के दर्शन घोर अंधेरे जैसे हो गए हैं।

सार-समाचार

जिला पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा

करौली (नि.स.)। करौली में मुस्लिम समाज के लोगों द्वारा भाजपा नेता अशोक पाठक के विरुद्ध सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने कि शिकायत करते हुए जिला पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंप कर मुकदमा दर्ज करने की मांग की है। करौली मुस्लिम समाज के लोगों ने जिला पुलिस अधीक्षक बृजेश ज्योति उपाध्याय को ज्ञापन पेश करते हुए बताया कि अशोक पाठक पुत्र रामेश्वर प्रसाद निवासी हिंडौन सिटी अपनी फेसबुक आईडी के जरिए आए दिन मुसलमानो के धर्म के प्रति घिनौनी प्रतिक्रियाएं करता रहता है तथा एक धर्म विशेष को टारगेट करके आए दिन उल्टी सीधी पोस्ट डालकर सांप्रदायिक माहौल को बिगाड़ना चाहता है। उन्होंने कहा कि करौली में हिंदू/ मुस्लिम समाज में भाईचारे की मिसाल रही है परंतु अशोक पाठक पूर्व में हिंडौन में इसी तरह की सांप्रदायिक सौहार्दता को बिगाड़ने पर इसके विरुद्ध हिंडौन सिटी थाने में कई मुकदमे दर्ज हो चुके हैं कुछ दिन पूर्व भी अशोक पाठक ने मुसलमानो के पवित्र स्थल काबा शरीफ को एक काला चौकोर बताकर मुसलमानो कि धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाकर सांप्रदायिक सौहार्द को बिगाड़ने कि कोशिश की है। उन्होंने ज्ञापन के माध्यम से मांग की है कि शीघ्र अशोक पाठक के विरुद्ध थाने पर मुकदमा दर्ज कर उसके खिलाफ कानूनी कार्यवाही कि जाए।

सड़क दुर्घटना में चार घायल

भुसावर (निस)। थाना भुसावर क्षेत्र में दो अलग अलग सडक मार्गो पर हुई सडक दुर्घटनाओं में चार से अधिक लोग घायल हो गये। जिन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर भर्ती कराया गया। मिली जानकारी के अनुसार कस्बा भुसावर के इटामडा सडक मार्ग पर दो बाइकों की हुई आमने सामने भिडन्त के बाद बचाने के प्रयास में पास से गुजर रहा ट्रेक्टर चालक अनियंत्रित हो गया और ट्रॉली सडक पर पलट गयी। इस घटना में घायल गॉव इटामडा निवासी हरकेश पुत्र देवी जाति गुर्जर एवं राजसिंह पुत्र धर्मसिंह जाति गुर्जर के साथ साथ अन्य घायलों को भी एम्बूलेंस एवं निजी वाहनों की मदद से भुसावर के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर भर्ती करवाया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने गंभीर अवस्था में भरतपुर रैफर कर दिया। सूचना मिलते ही भुसावर थाना पुलिस मौके पर पहुॅची और घटना को लेकर जानकारी ली। वहीं दूसरी ओर सरकारी बाग के पास आवारा जानवर को बचाने के प्रयास में बजरी से भरी ट्रैक्टूर ट्रॉली सडक किनारे पलट गयी। जिसमें ट्रेक्टर पर सवार गॉव तरगवां निवासी रामकिशन पुत्र कन्हैया जाति माली गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे भुसावर के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर भर्ती करवाया गया।

चौहान की अध्यक्षता में मीटिंग संपन्न

भरतपुर (निस)। प्रदेश व्यापी सफाई कर्मचारी भर्ती को लेकर चल रहे आन्दोलन को लेकर नगर निगम प्रांगण में समाज के वयोवृद्ध नेता जगदीश चौहान की अध्यक्षता में मीटिंग की गई। जिसमें सफाई कर्मचारी भर्ती में आरक्षण समाप्त कर बाल्मीकि समाज को ही भर्ती किया जाये। नगर निगम में कार्यरत गैर बाल्मीकि सफाई कर्मचारियों को अलग जोन पर लगाकर सफाई कार्य ही लिया जाये। मस्टरोल पर भर्ती कर एक वर्ष सफाई कार्य करने वालों को ही स्थायी नियुक्ति दी जाये आदि मांगों को लेकर समाज के विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों, युनियन के वक्ताओं ने एक स्वर में कहा कि जब तक हमारी मांगों पर सरकार द्वारा निर्णय नहीं लिया जाता है, तब तक नगर निगम भरतपुर के समस्त बाल्मीकि सफाई कर्मचारी अनिश्चितकालीन सामूहिक अवकाश पर रहेंगे। इसके साथ बैठक में उपस्थित लायन्स कम्पनी में लगे सफाई मजदूरों ने भी सामूहिक अवकाश पर रहकर हडताल करने की घोषणा की तथा इस आन्दोलन को सफल बनाने के लिए संगठित होकर भाग लेने का वादा किया। मीटिंग में बाल्मीकि एकता जिंदाबाद, बोल मजदूरा हल्ला बोल कर्मचारी यूनियन जिंदाबाद आदि के नारे लगाकर माहौल को गरमा दिया। इस मौके पर संभागीय अध्यक्ष अनिल लाहौरा, जिलाध्यक्ष प्रताप चौहान, शहर अध्यक्ष महेश रसलीन, कैलाश सारवान, मुकेश मौर्य, गोपाल चौहान, पवन जादो, हरदेव वैनवाल, बंटी सनगत, रूपगिरि, महेश बाल्मीकि, अनिल सारवान, संजीव डोरवाल, इन्द्रा जमादार, हेमा आदि के अलावा सैंकडों समाज के महिला-पुरूष मौजूद थे।

एरिया डॉमीनेशन अभियान चलाया

भरतपुर (निस)। जिला पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा के द्वारा एरिया डोमिनेशन अभियान चलाकर 146 अपराधियों के खिलाफ कार्यवाही की गई। इस कार्यवाही में जिले के अधिकारियों व पुलिस कर्मियों की 70 टीमों द्वारा लगभग 240 स्थानों पर दबिश दी गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक स्तर से लेकर कानिस्टेबल स्तर के कुल 287 पुलिस अधिकारी कर्मी विशेष अभियान में शामिल हुए। पुलिस टीमों ने हार्डकोर, हिस्ट्रीशीटर, आदतन अपराधी, ईनामी, वांरटी, स्थाई वांरटी एवं मुकदमों में वाछित चल रहे 73 बदमाशों को गिरफतार कियज्ञ। अवैध शराब में 5 जनों को गिरफतार कर 311 पव्वा अवैध देशी शराब जब्त किये। एनडीपीएस एक्ट में 1 जने को गिरफ्तार कर 6 किलो .70 ग्राम अवैध गांजा जब्त किया। ऑपरेशन अरावली के तहत अवैध खनन में 2 प्रकरण दर्ज कर 1 जने को गिरफ्तार कर अवैध खनन सहित 4 टैक्टर-ट्रौली व 3 एनएनटी मशीनों को जब्त किया। अन्य एक्ट की कार्यवाही में 7 प्रकरणों को दर्ज कर 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया। शान्तिभंग में 60 जनों को धारा 170 बीएनएसएस में, सार्वजनिक स्थान पर शराब पीने पर 12 जनों तथा 4 जने को शराब पीकर वाहन चलाने में गिरफ्तार किया।

ट्रेनिंग का आयोजन

भरतपुर (निस)। लायंस क्लब इंटरनेशनल जिला 3233 ई 1 का जिला इंस्टॉलेशन, अध्यक्ष सेक्रेटरी कोषाध्यक्ष ट्रेनिंग और कैबिनेट मीटिंग 27 व 28 जुलाई को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर जयपुर में आयोजित होने पर भरतपुर के रीजन चेयर पर्सन लाइन प्रवीण फौजदार के नेतृत्व में भरतपुर के अन्य क्लबों के साथ लायंस क्लब भरतपुर फ्रेंड्स के सदस्य लाइन ओ पी भटनागर, लाइन सुधीर कुमार सिंगल, लाइन अनिल अग्रवाल, लाइन नरेंद्र कुमार गुप्ता, लाइन राजेश गर्ग व लाइन योगेश गोयल ने भाग लिया।

स्मैक की तस्करी का एक ओर आरोपी गिरफ्तार

करौली (नि.स.)। लांगरा थाना पुलिस ने स्मैक की तस्करी के एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। आरोपी के दो साथियों की पूर्व में गिरफ्तारी हो चुकी है। आरोपी अपने साथियों के साथ बारां, झालावाड़ आदि स्थानों से स्मैक खरीद कर क्षेत्र के गंगापुर, श्रीमहावीरजी, हिंडौन, मासलपुर करौली,धौलपुर में बेचता है।

लांगरा थाना अधिकारी बासुदेव बसवाल ने बताया कि पूर्व में गिरफ्तार किए दो स्मैक तस्करों से पूछताछ के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार किया है।

एक आरोपी की निशानदेही पर 5 ग्राम से अधिक स्मैक भी बरामद की थी। थानाधिकारी ने बताया कि पुलिस अधीक्षक करौली द्वारा असामाजिक तत्वों कि धरपकड़ के लिए क्षेत्र में अभियान चलाया जा रहा है। थानाधिकारी और उनकी टीम ने एनडीपीएस एक्ट में वांटेड समय सिंह 28 पुत्र मोहर सिंह मीना निवासी भावली थाना मासलपुर को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने आरोपी को करौली के हाथी घटा क्षेत्र से दस्तयाब कर जांच के बाद गिरफ्तार किया है।आरोपी अपने साथी दूल्हे राम निवासी मासलपुर व शिवराज मीना निवासी बारां से स्मैक कि खरीद फरोख्त कर जिले में सप्लाई करता है।

दूल्हे राम और शिवराज को पुलिस पूर्व में गिरफ्तार कर चुकी है। आरोपी से बड़ी मात्रा में स्मैक बरामद होने की संभावना है। आरोपी समय सिंह कि दूसरे स्मैक तस्करों के साथ कॉल डिटेल और ऑनलाइन ट्रांजेक्शन डिटेल भी सामने आई हैं।

राजकीय कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया

भरतपुर (निस)। राज्य सरकार के निर्देशानुसार राजकीय कार्यालयों में कार्यरत अधिकारी व कर्मचारियों में समय की पाबन्दी सुनिश्चित करने के लिये जिला कलक्टर डॉ. अमित यादव के निर्देशन में सोमवार को जिले के प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा भरतपुर जिला मुख्यालय पर स्थित राजकीय कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया गया। अतिरिक्त जिला कलक्टर नीरज कुमार मीणा द्वारा जिला कलक्ट्रेट कार्यालय, अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट शहर कार्यालय, जिला रसद अधिकारी कार्यालय एवं जिला परिषद ग्रामीण विकास प्रकोष्ठ कार्यालयों का औचक निरीक्षण कर उपस्थिति पंजिका की जांच की गई जिसमें 8 अधिकारी व कर्मचारी अनुपस्थित पाये गये। अतिरिक्त जिला

कलक्टर शहर श्वेता यादव द्वारा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय का औचक निरीक्षण किया गया जिसमें सभी कर्मचारी उपस्थित पाये गये। सहायक निदेशक लोकसेवाऐं भारती भारद्वाज द्वारा तहसील कार्यालय भरतपुर में किये गये औचक निरीक्षण में 11 एवं जिला परिषद पंचायतीराज प्रकोष्ठ कार्यालय में 6 कर्मचारी अनुपस्थित पाये गये। जिला कलक्टर द्वारा अनुपस्थित पाये गये सभी अधिकारी एवं कार्मिकों को नोटिस जारी कर अनुशासनात्मक कार्यवाही प्रारम्भ करने के निर्देश दिये गये हैं।

समिति की बैठक संपन्न

करौली(नि.स.)। भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष बृजलाल डिकोलिया के निर्देशानुसार जमालपुर खेड़ा मण्डल कि वृहद् मण्डल कार्यसमिति बैठक गांव रीठौली में आयोजित की गई जिसमें मुख्य अतिथि ललित शर्मा जिला उपाध्यक्ष रहे एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता गीता चौधरी मण्डल अध्यक्ष ने की। बैठक में प्रधानमन्त्री के लगातार तीसरे कार्यकाल एवं राजस्थान सरकार के ऐतिहासिक बजट को लेकर प्रस्ताव पारित हुए। बैठक में प्रमोद शर्मा एडवोकेट मण्डल महामन्त्री ने राजस्थान सरकार के बजट के बारे में विस्तार से बताया। इस अवसर पर बैठक में वरिष्ठ उपाध्यक्ष रमेश पाठक,सत्येन्द्र चौधरी,अल्पसंख्यक मोर्चा के मण्डल अध्यक्ष सलीम अली, शक्तिकेन्द्र संयोजक सुरेश सैनी, कंकेश, शाहिद, सलमान, तेजसिंह, राकेश,लखन प्रताप, रोहित, प्रेमचंद उपस्थित रहे।

चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन

भरतपुर (निस)। लोहागढ विकास परिषद् के तत्वावधान में डॉ.दाऊदयाल गुप्ता स्मृति चित्रकला की फोलोअप स्पर्धा के तहत लाला ओमप्रकाश गर्ग स्मृति ट्रस्ट द्वारा चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। भरतपुर स्थापना दिवस कार्यक्रम संयोजक एवं ट्रस्ट अध्यक्ष अनुराग गर्ग ने बताया कि यह प्रतियोगिता प्रधानमंत्री के मन की बात प्रोग्राम से चर्चा में आए कमल मीणा के लोहागढ ऑर्गनिक फार्म हाउस पना में उपखण्ड अधिकारी उच्चैन के विष्णु बंसल के मुख्य आतिथ्य, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नीतिराज सिंह शेखावत के विशिष्ट आतिथ्य एवं ट्रस्ट संरक्षिका सरोज गर्ग की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। लाला ओमप्रकाश गर्ग की पुण्य तिथि पर उपस्थित परिवारी जनों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। महेश गर्ग, त्रिलोक चंद एवं अन्य वक्ताओं ने उनके जीवन पर प्रकाश डालते हुए उन्हें समाज का सच्चा हितैषी, मृदुभाषी एवं परिवार का मार्गदर्शक बताकर उनके द्वारा प्रशस्त मार्ग को अनुकरणीय बताया। चित्रकला प्रतियोगिता संयोजक प्रोफेसर डॉ अशोक कुमार गुप्ता ने बताया कि चित्रकला दो वर्गों में आयोजित की गई। जिसमें कुल सत्रह बच्चों ने भाग लिया। प्रतियोगिता से पूर्व प्रतिभागियों को जैविक फार्म हाउस का भ्रमण करा कर आर्गेनिक कृषि की विस्तृत जानकारी प्रदान कर फार्म हाउस से संबंधित ही चित्र बनाने के लिए निर्देशित किया। सह-संयोजक नरेन्द्र निर्मल ने बताया कि सीनियर वर्ग में वंश प्रथम, नकुल शर्मा द्वितीय एवं अनुष्का अग्रवाल तृतीय स्थान पर रहीं। वहीं जूनियर वर्ग में रुद्रांश प्रथम, प्रणिका द्वितीय एवं खुशी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। संचालन कर रहे लोहागढ विकास परिषद् जिला समन्वयक योगेश शर्मा ने परिषद् द्वारा भरतपुर स्थापना दिवस के सात दिवसीय कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी देकर स्मारिका का वितरण किया। मौम्स क्लब अध्यक्षा ऋतु गर्ग ने सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र एवं फार्म हाउस में निर्मित दीपक एवं स्मृति चिह्न प्रदान किये तो वहीं विजेताओं को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र अतिथियों द्वारा प्रदान किये गये। इस अवसर पर ब्रजेश अग्रवाल, डॉ रविन्द्र कुंतल आदि गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

आरोपी गिरफ्तार

नदबई (निस)। लखनपुर थाना क्षेत्र के गांव परसवारा में शादी के छह दिन बाद ही अपने पति सहित ससुरालजनों को खाने में बेहोशी की दवा देकर करीब डेढ लाख रूपये नगदी सहित सोने-चांदी के आभूषण लेकर दुल्हन को फरार होने के मामलें में लखनपुर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए लुटेरी दुल्हन के भाई सहित एक अन्य आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। जहां से दोनों आरोपियों को पुलिस रिमाण्ड पर भेज दिया गया। पुलिस सूत्रों के अनुसार यूपी बदायू उझानी थाना क्षेत्र के गांव भवानीपुर निवासी नवीन जाटव पुत्र गंगाशरण व नई दिल्ली भलस्वा थाना क्षेत्र के गांव मुकुन्दपुर बुढवारी निवासी शहनाबाज पुत्र मौहम्मद रजा को आगरा जयपुर राजमार्ग पर स्थित बांसी बस स्टेण्ड से हिरासत में लिया।

सफाई कर्मचारियों की भर्ती को समझौता अनुसार कराने की मांग

करौली(नि.स.)। अखिल राजस्थान सफाई मजदूर कांग्रेस करौली के पदाधिकारीयो ने नगर परिषद आयुक्त के नाम का अतिरिक्त जिला कलेक्टर को ज्ञापन पेश कर गत 15 मार्च को हुए समझौते के अनुसार सफाई कर्मचारियों कि भर्ती करवाने कि मांग की है।

सफाई मजदूर कांग्रेस के ट्विंकल,सोनू,राजू,दिलीप, लक्ष्मी, संतोष, माया, सरोज आदि लोगों ने अतिरिक्त जिला कलेक्टर को ज्ञापन पेश कर बताया कि बाल्मिक सफाई कर्मचारी श्रमिक संघ की न्यायोचित मांगों का समर्थन करते हुए हम सफाई कर्मचारी नगर परिषद करौली के सामूहिक अवकाश पर चलते हुए कार्य का बहिष्कार कर रहे हैं एवं सफाई कर्मचारी भर्ती 15 मार्च 2024 को हुए समझौते के अनुसार सफाई कर्मचारियों कि भर्ती की मांग कर रहे हैं।

उन्होंने बताया कि संयुक्त बाल्मीकि सफाई श्रमिक संघ के आव्हान पर 23 जनवरी 2024 को समझौता समिति की बैठक आयोजित की गई थी

बैठक राजस्थान सरकार प्रतिनिधि के मध्य 1 वर्ष तक जो सफाई का कार्य करेगा उन्हें ही नियुक्ति दी जाएगी

हमारे राज्य स्तरीय नेताओं के आव्हान पर हम समस्त सफाई कर्मचारी करौली नगर परिषद के कार्य बहिष्कार कर रहे हैं।

जिला कलेक्टर डॉ. अमित यादव की अध्यक्षता में बैठक आयोजित

भरतपुर (निस)। स्वाधीनता दिवस 2024 के अवसर पर आयोजित होने वाले जिला स्तरीय समारोह को धूमधाम से मनाये जाने के लिए की जाने वाली तैयारियों के संबंध में जिला कलक्टर डॉ. अमित यादव की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित की गयी। जिला कलक्टर ने कहा कि स्वाधीनता दिवस को जिला स्तरीय मुख्य समारोह स्थानीय पुलिस परेड ग्राउण्ड में आयोजित किया जायेगा।

उन्होंने समस्त जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिये कि राष्ट्रीय पर्व स्वाधीनता दिवस के मुख्य समारोह की तैयारियों के सम्बंध में दी गयी जिम्मेदारियों को समय पर पूर्ण करें।

उन्होंने नगर निगम आयुक्त को निर्देश दिये कि वर्षा के मौसम को मद्देनजर रखते हुए मुख्य समारोह स्थल पर जलभराव की निकासी, मिट्टी का भराव एवं अन्य प्रकार की समस्त तैयारियां पूर्व में करना सुनिश्चित करें।

उन्होंने समस्त जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिये कि विभाग में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों, कार्मिकों, खिलाड़ियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं शिक्षा में मैरिट प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित करने हेतु आवेदन समय पर

स्वाधीनता दिवस की तैयारियों के संबंध में जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित की

आवश्यक रूप से भिजवायें। उन्होंने स्वाधीनता दिवस की पूर्व संध्या पर आयोजित किये जाने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों की चयन समिति को आवश्यक निर्देश प्रदान किये। बैठक में अतिरिक्त कलक्टर शहर श्वेता यादव ने कार्यक्रम की रूपरेखा के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि 14 एवं 15 अगस्त को प्रमुख चौराहों, ऐतिहासिक दरवाजों एवं मुख्य भवनों पर रंगीन एवं आकर्षक रोशनी की व्यवस्था नगर निगम द्वारा की जायेगी तथा रंगोली की व्यवस्था भारत स्काउट गाइड द्वारा की जायेगी। उन्होंने नगर निगम के अधिकारियों को निर्देश दिये कि स्वाधीनता दिवस के अवसर पर भरतपुर शहर की विशेष सफाई व्यवस्था के लिए अभियान चलायें जिससे शहर स्वच्छ एवं सुन्दर दिखाई दे सके।

उन्होंने मुख्य समारोह स्थल पर स्टेज, बैठक व्यवस्था, शामियाने की व्यवस्था एवं साउण्ड की व्यवस्था सार्वजनिक निर्माण विभाग, विद्युत आपूर्ति सुचारू रखने हेतु बीईएसएल के अधिकारियों को निर्देश दिये तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को एम्बूलेंस मय चिकित्सा दल एवं जीवनरक्षक दवाओं के साथ कार्यक्रम स्थल पर रखने के निर्देश दिये।

बैठक में अतिरिक्त कलक्टर प्रशासन नीरज कुमार मीना, यूआईटी सचिव ऋषभ मण्डल, नगर निगम आयुक्त रिछपाल सिंह बुरडक, जिला परिषद के अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी शैलेन्द्र सिंह, एसडीएम भरतपुर रवि कुमार, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. गौरव कपूर सहित अन्य सम्बंधित जिला स्तरीय विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

जगदीश प्रसाद बने सूरौठ तहसील अध्यक्ष

सूरौठ । तहसील के समीपवर्ती ग्राम ढिंढोरा शिव धर्म कांटे पर राजस्थान नाथ समाज की मीटिंग आयोजित हुई, जिसमें तहसील अध्यक्ष का चुनाव हुआ, तहसील अध्यक्ष पद हेतु निर्विरोध जगदीश योगी ढिंढोरा वालों को चुना गया।सूरौठ तहसील के चौदह गांवों में नाथ समाज निवास करती हैं,उन चौदह गांवों के काफी संख्या में समाज बन्धु मौजूद रहे, राजस्थान नाथ समाज के युवा प्रदेश उपाध्यक्ष दरब सिंह योगी सूरौठ , करौली जिला अध्यक्ष राजेंद्र योगी एवं वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष अमरनाथ योगी ने जगदीश एवं उनकी कार्यकारिणी को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया ,समाज की शिक्षा हेतु सूरौठ तहसील मुख्यालय पर छात्रावास हेतु चर्चा हुई एवं समाधि स्थलो के सरंक्षण हेतु विचार विमर्श हुआ।।गोरख धंधा शब्द का उपयोग अनैतिक कार्य से जोड़ा जाता है उसका कडा विरोध करते हुए निकट भविष्य में कार्यवाही हेतु रणनीति बनाई तहसील अध्यक्ष जगदीश प्रसाद ढिंढोरा, तहसील वरिष्ठ उपाध्यक्ष पूरन सूरौठ, उपाध्यक्ष ओमप्रकाश जटवाड़ा,सचिव मिश्रिलाल फोजी रीझवास, मीडिया प्रभारी भूरसिंह खिजूरी, उपसचिव चंदर लाल तहारपुर, संरक्षक सदस्य सुगरसिंह तहारपुर, कोषाध्यक्ष तस्वीर सिंह हुक्मीखेडा,व कार्यकर्ता समय सिंह, रगनाथ, चन्दर जितेन्द्र हंसा दीपानाथ प्यारेलाल सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

सरपंच, ग्राम विकास अधिकारी, एईएन और जेटीए को कारण बताओ नोटिस जारी

- **पंचायत समिति हिंडौन की ग्राम पंचायत कैलाश नगर में इंटरलॉकिंग टाइल्स सड़क निर्माण के नाम पर 10 लाख रुपए के गबन के मामले में दोषी जनप्रतिनिधि और अधिकारियो से वसूली प्रक्रिया प्रारम्भ की**

हिंडौन सिटी। पंचायत समिति हिंडौन की ग्राम पंचायत कैलाश नगर में इंटरलॉकिंग टाइल्स सड़क निर्माण के नाम पर 10 लाख रुपए के गबन के मामले में दोषी जनप्रतिनिधि और अधिकारियो से वसूली की प्रक्रिया प्रारम्भ हो गई है। पंचायत समिति के विकास अधिकारी ऋषि राज मीना ने अब पंचायत के सरपंच और ग्राम विकास अधिकारी समेत चार कार्मिको को कारण बताओ नोटिस जारी कर जबाब तलब किए है।

साथ ही आनुपातिक राशि की वसूली के लिए भी चेताया है जानकारी के अनुसार ग्रामीणों की शिकायत पर पंचायती राज विभाग की ओर से कराई गई जांच में जांच दल ने ग्राम पंचायत सरपंच रामदेई, ग्राम विकास अधिकारी कुलदीप डागुर, कनिष्ठ तकनीकी सहायक आकाश गुप्ता और सहायक अभियंता रामचंद्र सोनी को उत्तरदाई माना था, जांच टीम ने चारों को दोषी मानते हुए यह स्पष्ट किया कि जिम्मेदारों की लापरवाही के कारण यही कार्यकारी संस्था को वित्तीय लाभ अनुचित तरीके से पहुंचाया गया, जो घोर अनियमितता की श्रेणी में आता है। इसी के तहत आनुपातिक वसूली करने तथा करने की सिफारिश भी की है। विकास अधिकारी ने नोटिस में बताया कि अगर 3 दिन में संतुष्टि पूर्ण जवाब नहीं दिया तो सरपंच, ग्राम विकास अधिकारी, तकनीकी सहायक और सहायक अभियंता के खिलाफ प्रशासनिक कार्रवाई तो की ही जाएगी साथ ही अनुपातिक रूप से वसूली की प्रक्रिया भी की जाएगी।

गौरतलब है कि कैलाश नगर ग्राम पंचायत में हिंडौन बाईपास रोड से चिरमोली का पुरा होते हुए रेखसिंह के पुरा की ओर 10 लाख रूपये के बजट से इंटरलॉकिंग टाइल्स सडक का निर्माण कराया जाना था, इसके 8 सितंबर 2023 को वित्तीय स्वीकृति भी जारी कर दी गई, लेकिन ग्राम पंचायत सरपंच और ग्राम विकास अधिकारी ने मिली भगत कर तय स्थान के अलावा दूसरे स्थान पर सड़क निर्माण कर दिया गया। ग्रामीणों ने इसकी शिकायत हिंडौन के उप जिला कलेक्टर से की। इसके बाद पंचायत समिति के विकास अधिकारी ऋषिराज मीणा, सहायक अभियंता संजीव शर्मा एवं सहायक विकास अधिकारी राजेंद्र सिंह गुर्जर को शामिल करते हुए जांच टीम गठित की गई। जांच टीम ने 15 मार्च को ही अपनी रिपोर्ट और सिफारिश उच्च अधिकारियों को पेश कर दी, जांचदल ने अपनी जांच रिपोर्ट में पाया था कि 18 मार्च 2023 की वित्तीय स्वीकृति के मुताबिक स्वीकृत 10 लाख रुपए की राशि से बाईपास से चिरमोली का पूरा होते हुए रेख सिंह का पूरा तक के नाम से इंटरलॉकिंग सड़क निर्माण करना था, इसके विपरीत ग्राम पंचायत की ओर से बाईपास सड़क से रेख सिंह के पूरा की ओर सड़क निर्माण कर दिया, जबकि चिरमोली का पूरा सड़क नहीं बनाई गई। जबकि खास बात यह है कि चिरमोली का पूरा से रेख सिंह का पूरा तक का रास्ता राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज भी नहीं है। जांच टीम ने अपनी रिपोर्ट में यह माना कि जो रास्ता बनाया गया है वह तकनीकी एवं वित्तीय स्वीकृति के अनुरूप नहीं बनाकर अन्य स्थान पर बनाया गया है, इसलिए कार्यकारी संस्था यानी कैलाश नगर ग्राम पंचायत के सरपंच, ग्राम विकास अधिकारी, तकनीकी पर्यवेक्षक, कनिष्ठ तकनीकी सहायक और सहायक अभियंता इसके लिए पूरी तरह से उत्तरदाई है।

इतना नजदीक आके में पदक से चूक गया, इससे में निराश जरूर हुआ लेकिन यह मेरे लिए प्रेरणादायक है। चौथे स्थान पर रहने से बुरा कुछ नहीं होता परन्तु मैं किस्मत को दोष नहीं दूंगा। पता नहीं मुझसे वो आखिरी शॉट कैसे मिस हो गया। **-अर्जुन बबूता**

ओलिंपिक खिलाड़ी, पदक मिस करने पर दुःख बया किया।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

यशस्वी जायसवाल

श्रीलंका के खिलाफ यशस्वी जायसवाल ने अपने 30 रन की पारी के दौरान खास कारनामा कर दिखाया और साल 2024 के कैलेंडर में इंटरनेशनल क्रिकेट में एक हज़ार रन पूरा करने वाले पहले बल्लेबाज़ बन गए हैं। जायसवाल के बल्ले से साल 2024 में 13 मुकाबले खेले हैं और इस दौरान उनका 63.93 का शानदार औसत रहा है और अपने काबिलियत का बखूबी प्रदर्शन करते हुए उन्होंने 94.54 के स्ट्राइक रेट से 5 अर्धशतक और 2 शतक की बदौलत 1023 रन बनाये हैं। रनों के हिसाब से बात करें तो 1023 में से 740 रन टेस्ट और 283 रन टी 20 में बनाये गए हैं।

क्या आप जानते हैं ?... बेसबॉल में औसतन 108 टांके होते हैं क्रिकेट बाल में 65 से 70 के बीच तथा फुटबॉल में 642 से अधिक टांके लगाये जाते हैं।

आज पांच खेलों में भारतीय खिलाड़ी भाग लेंगे

निशानेबाजी

ट्रैप पुरुष क्वालीफिकेशन: पृथ्वीराज तोंडइमन - दोपहर 12:30 बजे

ट्रैप महिला क्वालीफिकेशन: श्रेयसी सिंह और राजेश्वरी कुमारी - दोपहर 12:30 बजे

10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम कांस्य पदक मैच: भारत (मनु भाकर और सरबजोत सिंह) बनाम कोरिया - एक बजे

हॉकी

पुरुष पूल बी मैच: भारत बनाम आयरलैंड - शाम 4:45 बजे

तीरंदाजी

महिला व्यक्तिगत 1/32 एलिमिनेशन राउंड: अंकिता भकत (शाम 5:15 बजे) और भजन कौर (शाम 5:30 बजे)

पुरुष व्यक्तिगत 1/32 एलिमिनेशन राउंड: धीरज बोम्मादेवरा (रात 10:45 बजे)

बैडमिंटन

पुरुष युगल (ग्रुप चरण): सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी बनाम अल्फियन फजर और मुहम्मद रियान अर्दियांतो (इंडोनेशिया) -शाम 5:30 बजे

महिला युगल (ग्रुप चरण): अश्विनी पोनप्पा और तनीषा क्रास्टो बनाम सेतयाना मपासा और एंजेला यू (ऑस्ट्रेलिया) - शाम 6:20 बजे।

मुक्केबाजी

पुरुषों का 51 किग्रा राउंड ऑफ 16: अमित पंघाल बनाम पैट्रिक चिन्येम्बा (जाम्बिया) - शाम 7:15 बजे।

महिलाओं का 57 किग्रा राउंड ऑफ 32: लेम्बोरिया बनाम नेस्टी पेटेसियो (फिलिपींस) - रात 9:25 बजे

महिलाओं का 54 किग्रा राउंड ऑफ 16: प्रीति पवार बनाम येनी मार्सेला एरियास (कोलंबिया) - देर रात 1:20 बजे (31 जुलाई)

आखिरी क्षणों में पदक से चूके अर्जुन, चौथे स्थान पर रहे

पेरिस, 29 जुलाई। भारत के स्टार निशानेबाज अर्जुन बबूता सोमवार पेरिस ओलिंपिक 2024 खेलों में पुरुषों के 10 मीटर के एयर रायफल के फाइनल मुकाबले में पदक से चूक गए। अर्जुन बबूता 208.4 का स्कोर के साथ चौथे स्थान पर रहे। प्रतियोगिता में चीन के लिहाओ शेंग ने (252.2) के स्कोर के साथ ओलिंपिक रिकॉर्ड बनाते हुए स्वर्ण पदक और मौजूदा विश्व चैंपियन स्वीडन के विक्टर लिंडग्रेन ने (251.4) स्कोर करते हुए रजत और क्रोएशिया के मिरान मैरिसिक ने (230.0) तीसरे स्थान पर रहे हुए कांस्य पदक जीता। अर्जुन ने 10.7 के साथ शुरुआत करते हुए फाइनल में जल्द ही बढ़त बना ली। उन्होंने अपने पहले 10 शॉट्स में 105.0 का स्कोर किया और लिहाओ शेंग (105.8) और क्रोएशिया के मिरान मैरिसिक (105.1) के बाद तीसरे स्थान पर रहे। लेकिन उनके 13वें शॉट पर 9.9 और उनके 20वें और अंतिम शॉट पर 9.5 के स्कोर ने उन्हें पदक की दौड़ से बाहर कर दिया।

ओलिंपिक दिन-3 **हॉकी में दूसरी जीत, मनु-सरबजोत, चिराग-सात्विक, लक्ष्य अपने-अपने इवेंट्स में आगे बढ़े**

अंतिम लम्हों पर गोल दाग कर हरमनप्रीत ने दी संजीवनी

भारत अर्जेंटीना के बीच मुकाबला ड्रॉ | आज ऑयरलैंड से भिड़ेगा भारत

पेरिस, 29 जुलाई। आखिरी लम्हों में संयम का परिचय देते हुये भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने गोल दाग कर न सिर्फ अर्जेंटीना के साथ मैच को बराबरी पर खत्म किया बल्कि अपनी टीम को क्वार्टर फाइनल की रेस में बनाये रखा।

यवेस-डु-मनोइर स्टेडियम में सोमवार को पूल बी मैच में हरमनप्रीत 59वें मिनट में गोल करके अर्जेंटीना के खिलाफ मैच को 1-1 से बराबरी पर लाकर खड़ा कर दिया। अर्जेंटीना के लुकास मार्टिनेज ने मैच के 22वें मिनट में गोल कर अपनी टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी थी।

न्यूजीलैंड के खिलाफ अपना पहला गेम 3-2 से जीतने के बाद भारतीयों ने आत्मविश्वास के साथ मैच की शुरुआत की और पहले क्वार्टर में भारतीय फॉरवर्डों ने जोरदार आक्रमण किया हालांकि अर्जेंटीना की रक्षा पंक्ति को चकमा देने में वे विफल रहे। अर्जेंटीना अपना पिछला मैच ऑस्ट्रेलिया से 0-1 से हार गया था।

भारत को पहला पेनाल्टी कार्नर मैच के दसवें मिनट में मिल गया था लेकिन गोल में तब्दील नहीं कर सका। अगले मिनट में अभिषेक ने गोल पर एक शॉट लगाया, लेकिन गेंद क्रॉसबार से टकरा गई। पहला क्वार्टर गोलरहित रहने के बाद, भारत को 19वें मिनट में एक और पेनाल्टी कार्नर मिला, लेकिन अर्जेंटीना के गोलकीपर सैंटियागो ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए भारतीय कप्तान को गोल करने से रोक दिया। इस बीच 22वें मिनट में लुकास मार्टिनेज ने गोल करने का प्रयास किया।

डिफेंडर हरमनप्रीत को पछाड़ते हुए सर्कल में जगह बनाते हुए मार्टिनेज ने श्रीजेश के दायीं ओर से गेंद को नेट में डाल दिया। इसके बाद भारत ने कई हमले किये मगर वे अगले 37 मिनट के खेल में गोल करने में नाकाम रहा। अब जबकि भारत एक निश्चित हार की ओर मुड़ चुका था, ऐसे नाजुक मोड़ पर हरमनप्रीत ने शानदार प्रदर्शन और शक्तिशाली ड्रैग के साथ गेंद को सैंटियागो के पार पहुंचाया। देर से किए गए गोल ने स्टैंड में मौजूद भारतीय प्रशंसकों को जश्न मनाने का मौका दे दिया।

भारत को फिर से मनु पर आस

मनु और सरबजोत ने कांस्य के लिए किया क्वालीफाई, रमिता पदक से चूकी

पेरिस, 29 जुलाई। मनु भाकर और सरबजोत सिंह की भारतीय जोड़ी ने पेरिस ओलिंपिक में सोमवार को 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक मुकाबले के लिए क्वालीफाई कर लिया। वहीं 10 मीटर एयर राइफल महिला फाइनल में रमिता जिंदल पदक जीतने से चूक गई।

क्वालीफाईंग राउंड के पहले सेट में मनु और सरबजोत ने 193 अंक, दूसरे सेट में 195 अंक और तीसरे सेट में 192 अंक अर्जित किये। दोनों ने कुल 580 अंक के साथ तीसरे नंबर पर रहे। अब भारतीय मिश्रित टीम मंगलवार को कांस्य पदक के लिए मुकाबला करेगी। इस स्पर्धा में भारत की रमिता जिंदाल आठ महिलाओं के साथ हुई स्पर्धा में एक समय चौथे स्थान पर थीं। लेकिन लय बरकरार रखने में विफल रही और 145.3 अंक सातवें स्थान पर रही। दक्षिण कोरिया की बान ह्योजिन ने महिलाओं की 10 मीटर राइफल निशानेबाजी स्पर्धा में 251.8 अंकों के साथ स्वर्ण पदक जीता।

यह वर्ष 1992 के बाद से दक्षिण कोरिया की किसी एथलीट के लिए इस स्पर्धा में पहला स्वर्ण और ओलिंपिक ग्रीष्मकालीन खेलों के इतिहास में दक्षिण कोरिया की टीम द्वारा जीता गया 100वां स्वर्ण पदक है। स्पर्धा में चीन की 17 वर्षीय हुआंग युटिंग को मिला तथा कांस्य पदक स्विट्जरलैंड की ऑड्रे गोगनियाट ने जीता।

चिराग-सात्विक क्वार्टरफाइनल में, लक्ष्य ने भी जीत दर्ज की

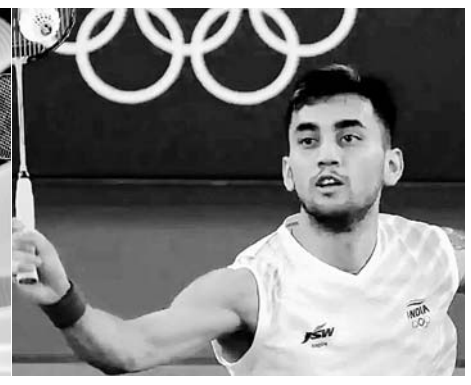

पेरिस, 29 जुलाई। भारत के चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी की जोड़ी ने सोमवार को पेरिस ओलंपिक 2024 बैडमिंटन स्पर्धा में पुरुष युगल क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया है। एकल मुकाबले में लक्ष्य सेन ने बेल्जियम के शटलर जूलियन कैरागी को हराया।

चिराग-सात्विकसाईराज की जोड़ी का मुकाबला जर्मनी के मार्क लैम्सफस और मार्विन सीडेल से होना था। लैम्सफस चोट के कारण इस जोड़ी को ओलंपिक से हटना पड़ा, जिसके कारण मैच रद्द हो गया।

दुनिया की तीसरे नंबर की चिराग-सात्विक की जोड़ी ने अपने पेरिस 2024 अभियान की शुरुआत 40वीं रैंकिंग वाले फ्रांस के लुकास कोरवी और रोनन लाबर को 21-17, 21-14 से हराकर की थी। वहीं, कोरवी और लाबर को दुनिया के सातवें नंबर के खिलाड़ी इंडोनेशिया के मुहम्मद रियान अर्दियांतो और फजर अल्फियान से हार मिली। फ्रांसीसी जोड़ी के दो मैच हारने के कारण भारतीय जोड़ी ने क्वार्टरफाइनल में आराम से जगह बना ली। सात्विक-चिराग का अगला ग्रुप सी मुकाबला मंगलवार को इंडोनेशियाई जोड़ी से होगा।

इसके अलावा भारत के लक्ष्य सेन ने सोमवार को पेरिस ओलंपिक में ग्रुप एल पुरुष एकल मुकाबले में जीत दर्ज की। सेन ने ला चैपल एरिना में 43 मिनट तक चले मुकाबले में 21-19, 21-14 से जीत हासिल की। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी इस मुकाबले में 52वीं रैंक के प्रतिद्वंद्वी पर पूरी तरह से हावी रहे और बेल्जियम के शटलर जूलियन कैरागी को शिकस्त दी।

सेन बुधवार को अपने एल ग्रुप मुकाबले में तीसरी वरीयता प्राप्त 26 वर्षीय जोनाटन क्रिस्टी से भिड़ेंगे। अगर सेन अपने इंडोनेशियाई प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ जीत हासिल करते हैं तो वह ग्रुप विजेता के रूप में प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंच जायेंगे। वहीं बैडमिंटन महिला युगल ग्रुप सी मुकाबले में भारत की तनीषा क्रास्टो और अश्विनी पोनप्पा को जापान की नामी मत्सुयामा और चिहारू ने 21-11, 21-12 से हराया। चौथी वरीयता प्राप्त जापानी जोड़ी ने क्रास्टो-पोनप्पा को 48 मिनट में हरा दिया। भारतीय जोड़ी को शनिवार को दक्षिण कोरिया की किम सो येओंग और कोंग ही योंग से सामना करना पड़ा था। क्रास्टो-पोनप्पा मंगलवार को अपने अंतिम ग्रुप -स्टेज मैच में ऑस्ट्रेलिया के सेत्याना मापसा और एंजेला यू से मुकाबला करेगी।

भारतीय पुरुष तीरंदाजी टीम क्वार्टरफाइनल में तुर्कीय से हारी

पेरिस, 29 जुलाई। धीरज बोम्मदेवरा, तरुणदीप राय और प्रवीण जाधव की भारतीय पुरुष तीरंदाजी टीम सोमवार को पेरिस ओलिंपिक 2024 में तुर्कीय के साथ हुये क्वार्टरफाइनल में मुकाबले में 6-2 से हार बाहर हो गई। लेस इनवैलिड्स में पहले दो सेटों में भारतीय तिकड़ी 57-53 और 55-52 से हार गई थी। जबकि तीसरा सेट भी तुर्कीय के पक्ष में जाता दिख रहा था, लेकिन बर्किम टुमर ने आखिर में सात का शॉट लगाते हुए यह सेट अपने नाम कर लिया। भारतीय तीरंदाजों को तुर्क की तिकड़ी मेटे गाजोज, बर्किम टुमर और अब्दुल्ला यिलदिरमिस ने हराया। अंतिम सेट में जाधव ने दो 10 का स्कोर किया लेकिन दो बार के विश्व कप कांस्य पदक विजेता बोम्मदेवरा ने टीम के अंतिम प्रयास में केवल सात का स्कोर कर सके। तुर्कीय ने चौथा सेट 58-54 से जीत लिया।

ओलिंपिक में भारत का टेनिस अभियान समाप्त

पेरिस, 29 जुलाई। एकल वर्ग में सुमित नागल और युगल वर्ग में रोहन बोपन्ना और एन.श्रीराम बालाजी के अपने शुरुआती मैचों में हारने के साथ भारत का पेरिस ओलिंपिक में टेनिस अभियान समाप्त हो गया। पुरुष युगल स्पर्धा में बोपन्ना और बालाजी की गैरवरीय जोड़ी को फ्रांसीसी खिलाड़ियों गेल मोनफिल्स और एडौर्ड रोजर-वेसलिन के खिलाफ चुनौतीपूर्ण मुकाबले का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम को 76 मिनट तक चले मुकाबले में 7-5, 6-2 से हार का सामना करना पड़ा। पहले सेट में पांचवें गेम में मोनफिल्स और रोजर-वेसलिन ने सर्विस तोड़ी लेकिन बोपन्ना और बालाजी ने जल्दी ही स्कोर बराबर कर दिया। इससे पहले दिन में दुनिया के 80वें नंबर के खिलाड़ी सुमित नागल का सामना फ्रांस के कोरेंटिन मौटेट आ। ढाई घंटे तक चले मुकाबले में नागल को मैटेट से 6-2, 2-6, 7-5 से हार का सामना करना पड़ा था।

नोवाक जोकोविच ने नडाल को एकतरफा अंदाज में हराया

पेरिस, 29 जुलाई। सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने पेरिस ओलिंपिक में अपना पहला स्वर्ण पदक जीतने के अभियान को गति दी और स्पेन के राफेल नडाल के खिलाफ एकतरफा अंदाज में जीत दर्ज करते हुए तीसरे दौर में प्रवेश कर लिया। जोकोविच ने अपने सबसे कड़े प्रतिद्वंद्वी नडाल को लगातार सेटों में 6-1, 6-4 से हराया। दोनों खिलाड़ियों के बीच 2022 में फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल के बाद यह पहला मुकाबला था जिसमें जोकोविच अपने प्रतिद्वंद्वी पर भारी पड़े।

नडाल और जोकोविच पुरुष एकल वर्ग में मौजूदा समय के दिग्गज खिलाड़ी हैं। इन दोनों के नाम ओपन एरा में सर्वाधिक ग्रैंडस्लैम जीतने के रिकॉर्ड दर्ज हैं। नडाल और जोकोविच के बीच पिछली बार 2022 में रोलां गैरों के क्वार्टर फाइनल का मुकाबला खेला गया था जिसमें नडाल ने चार सेटों में जीत दर्ज की थी। जोकोविच और नडाल के बीच इस मैच से पहले जीत हार का रिकॉर्ड 30-29 का था और जोकोविच स्पेनिश खिलाड़ी के खिलाफ अपना रिकॉर्ड मजबूत करने में सफल रहे। जोकोविच ने पहले एक घंटे में ही नडाल पर बढ़त बना ली थी। पहले सेट में जोकोविच ने एकतरफा अंदाज में नडाल को पछाड़ा, जबकि नडाल ने दूसरे सेट में कुछ चुनौती पेश करने की कोशिश, लेकिन इसमें सफल नहीं हो सके। नडाल ने जोकोविच को 2008 के बीजिंग ओलिंपिक में हराया था और अब इस सर्बियाई खिलाड़ी ने नडाल से पुराना हिसाब चुकता कर लिया। 2008 में आखिरी बार ओलिंपिक पदक जीतने वाले जोकोविच का सामना अब तीसरे दौर में जर्मनी के डॉमिनिक कोएफर और इटली के मातेओ एर्नाल्डी के बीच होने वाले मैच के विजेता खिलाड़ी से होगा।

मोर्ने मोर्कल बन सकते हैं टीम इंडिया के गेंदबाजी कोच

नई दिल्ली, 29 जुलाई। गौतम गंभीर ने टीम इंडिया के हेड कोच का पद श्रीलंका दौरे से पहले ही ग्रहण कर लिया था। लेकिन टीम के गेंदबाजी कोच कौन होंगे इस पर अभी भी फैसला आना है। हालांकि, क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार साउथ अफ्रीका के पूर्व तेज गेदंबाज मोर्ने मोर्कल को भारतीय टीम का गेंदबाजी कोच बनाया जा सकता है। मोर्कल बांग्लादेश के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज के साथ भारतीय क्रिकेट टीम के गेंदबाजी कोच के रूप में जुड़ सकते हैं।

मौजूदा समय में भारतीय टीम के साथ साईराज बहुतुले श्रीलंका दौरे पर हैं और अंतरिम गेंदबाजी कोच के रूप में काम कर रहे हैं। वहीं रिपोर्ट के मुताबिक उनका मुख्य गेंदबाजी कोच बनना निश्चित नहीं लग रहा है। बहुतुले स्पिन गेंदबाज रहे हैं और उन्हें लेकर कुछ भी साफ नहीं है तो वहीं मोर्कल तेज गेंदबाज रहे हैं और अगर वो भारतीय टीम के बॉलिंग कोच बनते हैं तो फिर टीम इंडिया को एक स्पिन कोच की भी जरूरत पड़ सकती है। वैसे श्रीलंका में चल रही क्रिकेट सीरीज के दौरान भारतीय टीम मैनेजमेंट और चयनकर्ता टीम के मौजूदा कोचिंग टीम का मूल्यांकन करेंगे और फिर उन्हें लेकर फैसला किया जाएगा ऐसे में बहुतुले की भूमिका को लेकर बी निश्चितता दिख रही है। वैसे साईराज बहुतुले अगर अपने पद पर बने रहते हैं तो गौतम गंभीर की अगुवाई वाले भारतीय कोचिंग स्टाफ में 6 सदस्य होंगे।

क्लीन स्वीप के इरादे से उतरेगा भारत

पल्लेकेले, 29 जुलाई। भारतीय टीम मंगलवार को श्रीलंका के साथ होने वाले तीसरे टी-20 मुकाबला जीतकर सीरीज क्लीन स्वीप के इरादे से उतरेगी। वहीं श्रीलंका की नजर जीत के साथ श्रृंखला समाप्त करने पर होगी। सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली भारतीय टीम अपने नये कोच गौतम गंभीर के साथ पहली बार श्रीलंका के दौरे तीन टी-20 मैचों की श्रृंखला के दो मुकाबलों में जीत दर्ज कर 2-0 की बढ़त बना चुकी है। अगर देखा जाये तो दोनों देशों के बीच खेले गए पिछले पांच टी-20 मैचों में श्रीलंका को केवल मैच में ही जीत मिली। श्रीलंका ने भारत को जनवरी 2023 में हराया था। इस श्रृंखला में भी भारत ने जीत दर्ज की थी। इस श्रृंखला में भारत ने गेंदबाजी और बल्लेबाजी दोनों में ही बेहतरीन प्रदर्शन किया है। पहले मैच में श्रीलंका जीत की तरफ बढ़ रहा था तभी भारतीय गेंदबाजों ने विकेटों की झड़ी लग गई। वही दूसरे मैच में पहले बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंका 200 के स्कोर तक पहुंचती दिखाई दे रही थी अंतिम पांच ओवर में उसने अपने सात विकेट गंवा दिए। मेजबान टीम अपने बल्लेबाजो पर भरोसा कर सकती है। पतुम निसंका और कुसल मेंडिस इस समय अच्छी फार्म में चल रहे हैं। निसंका ने पिछले दस टी-20 मैचों में 35 की औसत और 142.85 के स्ट्राइक रेट से 350 रन बनाए हैं जबकि मेंडिस ने पिछले 41 की औसत और 162.91 के स्ट्राइक रेट से 246 रन बनाए हैं।

वाणी एवं अनंत बने शतरंज चैम्पियन

जयपुर, 29 जुलाई। कावेरी पथ मानसरोवर स्थित महात्मा गांधी सरकारी स्कूल में आज पेरेंट्स एसोसिएशन राजस्थान द्वारा ओपन चेस टूर्नामेंट का आयोजन हुआ, इंटरनेशनल ऑर्बिटर भगवती प्रसाद शर्मा ने बताया कि इसमें 56 बच्चों ने भाग लिया, जिसमें महिला वर्ग में वाणी जैन प्रथम, जिया कंवर द्वितीय व पुरुष वर्ग में अनंत जैन प्रथम, आशुतोष सोनी द्वितीय, प्रिंस चौधरी तृतीय स्थान प्राप्त किया।

टूर्नामेंट डायरेक्टर जिनेश कुमार जैन ने बताया कि इस टूर्नामेंट के मुख्य अतिथि सुनील जैन गंगवाल व स्कूल प्रिंसिपल अनू चौधरी ने दीप प्रज्वलन कर, शतरंज की बिछात पर पहला कदम चलकर टूर्नामेंट का शुभारंभ किया ।

इस कार्यक्रम में समाजसेवी के के गुप्ता, श्री दिगंबर जैन समाज समिति वरुण पथ के अध्यक्ष एम. पी. जैन, भागचंद जैन, संजीव गोठवाल, हनुमान प्रसाद, विमल कुमार, गजेंद्र प्रसाद, अरविंद चांवला, पी ई टी डाक्टर मोहनलाल चौधरी व अन्य अध्यापक गण के साथ बहुत सी संख्या में अभिभावक गण भी उपस्थित रहे।

प्रिंसिपल अनू चौधरी ने बताया कि इस तरह का टूर्नामेंट स्कूल में पहली बार हुआ है, यह टूर्नामेंट खिलाड़ियों के अलावा अन्य बच्चों वह अभिभावकों के लिए भी काफी प्रेरणादायक रहेगा। इस सफल कार्यक्रम के लिए चेस पेरेंट्स एसोसिएशन, मुख्य अतिथि सुनील जैन गंगवाल एवं टूर्नामेंट डायरेक्टर जिनेश कुमार जैन का आभार प्रकट किया। मुख्य अतिथि सुनील जैन गंगवाल व प्रिंसिपल अनू चौधरी ने प्रतिभावान सफल खिलाड़ियों को स्मृति चिन्ह बैठकर व अन्य सभी खिलाड़ियों को मेडल पहनाकर प्रोत्साहित किया। चेस पेरेंट्स एसोसिएशन के सचिव ललित बरडिया ने बताया सितंबर 7 व 8 को एसएमएस इनडोर स्टेडियम में ओपन अंतरराष्ट्रीय रेटिंग शतरंज टूर्नामेंट का आयोजन होगा, जिसमें 300000 कैश एवं बहुत सी ट्रॉफीज प्राइज मनी के रूप में रखी जाएगी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को विधानसभा में बजट पर बहस एवं चर्चा का जवाब पेश किया।

'देश में चार जातियां, युवा, महिला, किसान, और गरीब, हमारा बजट इन चारों के लिए है'

मुख्यमंत्री भजनलाल ने विधानसभा में बजट पर हुई बहस का जवाब देते हुए कहा

- मुख्यमंत्री ने पूर्व मुख्यमंत्री पर कटाक्ष किया और बोले, वो कहते थे मांगते-मांगते थक जाओगे पर मैं देते-देते नहीं थकूंगा, पर सिर्फ थोथी घोषणाएं कीं, एक भी घोषणा फलीभूत नहीं हुई।
- पेपर लीक पर मुख्यमंत्री ने व्यंग्यात्मक अंदाज में कांग्रेस व डोटासरा को घेरा और बोले, पेपरलीक इतने हुए, कितने करुं बयान, पास हुए ''परिवारजन क्या-क्या करू बयान।''
- उन्होंने ई.आर.सी.पी. पर कांग्रेस की आलोचना की व कहा, ई.आर.सी.पी. हमारी सरकार लाई है। एम.ओ.यू. हमने किया, आपने क्या किया बता दीजिए।

जयपुर, 29 जुलाई (का.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विधानसभा में जवाब देते हुए कहा कि बजट को लेकर सदन में काफी कुछ कहा गया। यह बजट चहुंमुखी विकास करने वाला है। इन लोगों को तकलीफ इस बात से है कि विपक्ष के कुछ विधायकों ने भी खुले मन से तारीफ की। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि देश में चार जातियां हैं, युवा, महिला, किसान और गरीब। यह बजट इन चारों को आगे ले जाने वाला है।

मुख्यमंत्री शर्मा कहा कि राजस्थान की नहर परियोजना का नाम पहले राजस्थान नहर था, लेकिन 1984 में इस नहर का नाम बदलकर इंदिरा गांधी के नाम पर कर दिया। कांग्रेस के लोग योजनाओं के नाम बदलने की चर्चा कर रहे थे। अन्नपूर्णा रसोई का नाम इंदिरा गांधी के नाम पर कर दिया। अरे भाई, एक परिवार के नाम कितनी योजनाओं के नाम करोगे? मां अन्नपूर्णा के नाम से क्या दिक्कत थी। कांग्रेस में एक ही परिवार की भक्ति की परंपरा है। मुख्यमंत्री ने रॉबर्ट वाड्रा पर भी नाम लिए बिना हमला बोला। उन्होंने कहा, नेता प्रतिपक्ष ने अभी नेहरूजी का जिक्र किया, उन्होंने आगे भी सबके नाम लिए। वो नाम नहीं लिए होते तो दामादजी का नाम कैसे आता। दामादजी का राजस्थान से क्या रिश्ता है, सब जानते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा- इंदिरा गांधी का बचपन का नाम प्रियदर्शिनी था, महिलाओं की योजना का नाम कहां से ढूंढकर लाए। एक परिवार के प्रति ऐसा समर्पण कहीं देखने को नहीं मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस के लोग संविधान की बात ज्यादा करते हैं, लेकिन आपातकाल के काले दिनों को भी याद कर लीजिए। इसीलिए 25 जून को संविधान हत्या दिवस घोषित किया गया है, ताकि आने वाली पीढ़ी को पता लगे कि किस तरह संविधान की हत्या की गई थी।

संविधान हत्या दिवस का जिक्र करने पर कांग्रेस विधायकों ने आपत्ति की और कुछ देर के लिए सदन में शोर-शराबा हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा, पिछली सरकार ने केवल थोथी घोषणाएं कीं। कहते थे कि आप मांगते-मांगते थक जाओगे, मैं देते-देते नहीं थकूंगा। पशुधन स्वास्थ्य बीमा की घोषणा की, लेकिन एक भी पशु का बीमा नहीं किया। राजसमंद-जालोर जिले में मेडिकल कॉलेज बनाने की घोषणा की थी, वहां बने क्या? डे केयर सेंटर खोलने की घोषणा की थी, कितने बने?

मुख्यमंत्री ने कविता कहकर कांग्रेस और डोटासरा पर तंज कसा। उन्होंने कहा, ''पेपर लीक इतने हुए, कितने करूं बखान, पास हुए परिवारजन, क्या-क्या करूं बयान। खूब करी मेहमान नवाज़ी अपनी सरकार बचाने को, जनता का पैसा लुटवाया अपना राज बचाने को।अपने स्वार्थ की खातिर अपनों को ही दी गाली, केवल अपना ध्यान रखा, सिर्फ भरी रहे मेरी थाली।

पेपर लीक पर सीएम ने कहा, नेता प्रतिपक्ष ने भी कहा है कि अभी छोटी-छोटी मछलियां पकड़ी हैं, बड़े मगरमच्छ तो अभी बाहर हैं। वे बिल्कुल चिंता न करें, छोटी मछलियों के लिए इनका जाल छोटा पड़ गया था, लेकिन मैं बृज भूमि से आता हूं, मेरी सुदर्शन चक्रधारी बंसीवाले में अटूट आस्था है। आपको पता है, इनका जाल जरूर छोटा पड़ गया होगा, परंतु उसके सुदर्शन चक्र से कोई नहीं बच पाएगा। सुदर्शन चक्र वाला जब आएगा तो बड़े-बड़े मगरमच्छों का भी इलाज होगा। सीएम ने तंज कसते हुए कहा- श्रवण कुमार 44 साल से सदन में आ रहे हैं। वे सीनियर हैं, दर्द ज़ाहिर कर रहे थे। मैं उनके दर्द को समझता हूं। चवालिस सालों में एक भी कांग्रेस नेता ने पानी के लिए लेटर लिखा हो तो बता दीजिए। ई.आर.सी.पी. लाई तो हमारी सरकार लाई। हमारी वसुंधरा राजे सरकार के समय बनी। आपने ई.आर.सी.पी. के लिए क्या किया, यह बता दीजिए। ई.आर.सी.पी. पर एम.ओ.यू. हमने किया। कांग्रेस ने एम.ओ.यू. किया हो तो सदन में रख दीजिए। कांग्रेस वाले हमेशा भ्रम फैलाते हैं।

देवयानी से जल लेकर जा रहे कांवड़ियों की सांभर थाना पुलिस ने पिटाई की

कांवड़ियों के साथ पुलिस मारपीट के विरोध में सोमवार को हिन्दू संगठनों ने सांभर थाने के आगे जमा होकर विरोध प्रदर्शन किया।

- डीजे की धुन पर नाचते गाते लौट रहे कांवड़ियों को पुलिस ने रोका।
- विभिन्न हिंदू संगठनों ने सांभर थाना पुलिस के खिलाफ प्रदर्शन किया।
- मामले में एस.पी. ग्रामीण ने एक कांस्टेबल को सस्पेंड कर दिया।

सांभरझील, 29 जुलाई (निसं)। ग्राम सांवरदा से देवयानी तीर्थ स्थल का पवित्र जल लेकर डीजे की धुन पर नाचते-गाते लौट रहे कांवड़ियों को थाना अधिकारी के निर्देश पर सांभर थाने के पुलिसकर्मियों ने पहले उनका डीजे बंद करवाया व डीजे संचालक के साथ मारपीट की और म्यूजिक सिस्टम जब्त कर कांवड़ियों को थाने ले गई। बताया जा रहा है कि सिविल ड्रेस में कांस्टेबल खेमचंद इतना अधिक गुस्से में भर गया कि थाना परिसर में ही उसने एक कांवड़िया को पकड़कर चांटे मारना शुरू कर दिया। बचाव में जब अन्य कांवड़ियों ने विरोध किया तो मौके पर मौजूद पुलिसकर्मी कांस्टेबल खेमचंद को थाना परिसर में अंदर ले गए।

इस घटना का वीडियो जैसे ही सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो सनातन प्रेमियों में जबरदस्त आक्रोश पैदा हो गया। घटना रविवार रात करीब 11:30 बजे की बताई जा रही है। पुलिस की इस बर्बरता को लेकर सांभर थाना परिसर में विश्व हिंदू परिषद, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, भारतीय जनता पार्टी, देवयानी विकास समिति सहित जनप्रतिनिधियों के अलावा, बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ सोमवार सुबह करीब 9:15 बजे थाने पहुंच गई और दोषी पुलिस कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। धरना प्रदर्शन कर रहे लोगों की मांग थी कि तत्काल प्रभाव से मारपीट करने वाले पुलिसकर्मी और थानाधिकारी को सस्पेंड किया जाए। सुबह से दोपहर तक कई बार वार्ताओं का दौर चला। मामला शांत होते नहीं देख पुलिस ने नजाकत को समझते हुए एस.पी. को भी सूचना दी और पूरे घटनाक्रम की जानकारी से भी अवगत कराया। पिटाई का विडियो एडिशनल एस.पी. और जयपुर ग्रामीण एस.पी. तक भी पहुंचा तो उन्होंने भी मामले को गंभीरता से लेते हुए दोषी पुलिसकर्मी के खिलाफ कार्रवाई किए जाने का संदेश भिजवाया।

धरना स्थल पर मौजूद सभी का कहना था कि जब तक कांस्टेबल को सस्पेंड करने का ऑर्डर उन्हें नहीं दिखाया जाएगा, वे यहां से हिलने वाले नहीं है। दोपहर में ही पुलिस अधीक्षक ग्रामीण शांतनु कुमार ने कांस्टेबल खेमचंद को सस्पेंड करने के आदेश जारी कर दिए और सस्पेंशन की कॉपी धरना स्थल पर मौजूद जनप्रतिनिधियों को भी वॉट्सएप पर उपलब्ध करवाई गई। इसके बाद लोगों ने थानाधिकारी को भी सस्पेंड करने का मुद्दा उठा लिया और यह मामला करीब शाम 5:00 बजे तक चलता रहा।

इसके बाद एडिशनल एस.पी. मौके पर पहुंचे और बात की तथा थानाधिकारी के खिलाफ एक्शन लेने और उचित कार्रवाई का भरोसा दिलाया, तब कहीं जाकर मामला शांत हुआ। इस मामले में पिटाई का शिकार हुए कांवड़िया ने लिखित में पुलिस को शिकायत दर्ज कराई है।

इस मामले में विधायक विद्याधर चौधरी ने कहा, मेरे विधानसभा क्षेत्र में कल रात सांभर में कांवड़ियों के साथ पुलिस प्रशासन के द्वारा मारपीट की घटना हुई है। उसकी मैं कठोर निंदा करता हूं।

पूर्व विधायक निर्मल कुमावत का कहना है कि घटना बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। हमारी सरकार ने मामले को संज्ञान में लिया है तथा पुलिसकर्मी को निलंबित करने के आदेश जारी किए गए हैं।

एडिशनल एस.पी. ब्रजमोहन मीणा का कहना है कि शिकायत पर चार सदस्यों की कमेटी गठित कर दी गई है तथा अनुसंधान के बाद दोषी पुलिस कर्मियों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस उपाधीक्षक सारिका खंडेलवाल का कहना है कि मामले की जांच कर सभी दोषी पुलिस कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

'हालांकि, भाजपा की...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उन्हें ए-1 तथा ए-2 कहा करेंगे।

राहुल ने कहा कि इस चक्रव्यूह के खिलाफ शिवजी की बारात है, जिसमें सबका स्वागत है तथा शिवजी की यह बारात (अर्थात इंडिया गठबंधन) इस चक्रव्यूह को तोड़ देगी।

इन दिनों, जब राहुल बोलते हैं तो वे रुकते तो है ही नहीं, जब वे विभिन्न मुद्दों पर मोदी सरकार को टक्कर देते हैं, उस समय वे काफी मजेदार बातें भी बोल देते हैं। उन्होंने कहा कि इस बजट ने मध्यम वर्ग के सीने तथा पीठ में छुरा भौंका है। उन्होंने कहा कि यही मध्यम वर्ग मोदी सरकार की प्रशंसा के गीत गाते थकता नहीं है।

राहुल ने संसद की कार्यवाही की कवरेज करने वाले मीडिया का भी पक्ष लिया, यद्यपि, उनके अनुसार, इनमें से अधिकांश राहुल गांधी को ज्यादा जगह कभी नहीं देते, बल्कि ज्यादातर तो उनकी उपेक्षा ही करते हैं।

उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष से कहा कि वे उन्हें इस ''कांच पिंजरे'' से मुक्त कर दें। संसद की सिक्योरिटी द्वारा मीडिया से कहा गया है कि वे लोग मीडिया के लिये बनाये गये ग्लास कन्टेनर में ही रहें तथा नये भवन के प्रवेश द्वार पर सांसदों और मन्त्रियों की बाइट्स भी न लें, जिससे सांसद परेशान न हों।

जब राहुल ने लोकसभा के पटल पर यह मुद्दा उठाया, तो मीडिया ने सांसदों आदि का बहिष्कार कर दिया तथा इस मुद्दे ने एक बड़ा रूप ले लिया।

4 जून से पहले वाले समय को बड़े पैमाने पर अलविदा कहते हुये, अब मुख्य धारा वाले चैनलों ने राहुल को दिखाना शुरू कर दिया है तथा उनके भाषण सोशल मीडिया पर हर समय दिखाई और सुनाई दे रहे हैं।

आगामी दिन और भी ज्यादा दिलचस्प होंगे।

बारामूला में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सोपोर कस्बे के शेर कॉलोनी में एक कबाड़ विक्रेता की दुकान के अंदर हुआ। घटना के वक्त कुछ लोग ट्रक से कबाड़ उतार रहे थे। अधिकारियों का कहना है कि धमाके इतना जोरदार था कि दो लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि दो अन्य की इलाज के दौरान मौत हो गई।

अधिकारियों के अनुसार, मृतकों की शिनाख्त नजीर अहमद नादरू (40), आजिम अशरफ मीर (20), आदिल राशिद भट (23) और मोहम्मद अजहर (25) के रूप में हुई है। इस घटना में एक अन्य घायल भी हुआ है। वहीं, विस्फोट के कारण का अभी पता नहीं चल पाया है। फोरेंसिक विशेषज्ञों की एक टीम घटनास्थल पर पहुंच गई है। सेना और पुलिस की टीम भी मौके पर पहुंचकर छानबीन कर रही है। वहीं, इलाके में विस्फोट के बाद दहशत का माहौल है।

'ऑफ ड्यूटी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है और वह किसी क्षतिपूर्ति राशि को प्राप्त करने का अधिकारी नहीं है। लोक अदालत के पीठासीन अधिकारी अनूप कुमार सक्सैना व दीपक चाचान ने यह आदेश श्याम सुन्दर रूण्डला के प्रार्थना पत्र को खारिज करते हुए दिया।

प्रार्थना पत्र में जे.वी.वी.एन.एल. व के-3 कंस्ट्रक्शन कंपनी सहित अन्य को पक्षकार बनाते हुए कहा कि वह कंस्ट्रक्शन कंपनी के अधीन काम करता है। इस दौरान वह बिजली लाइन का काम कर रहा था तो ड्यूटी कर्मचारी मुकेश ने लापरवाही से बिजली लाइन को चालू कर दिया, जिससे वह करंट से झुलस गया और उसका बांया हाथ कंधे से काटना पड़ा। इस कारण आई निशक्तता से वह बेरोजगार हो गया है। इसलिए उसे जे.वी.वी.एन.एल. सहित अन्य पक्षकारों से क्षतिपूर्ति दिलवाई जाए। जवाब में जे.वी.वी.एन.एल. ने कहा कि जिस समय यह हादसा हुआ, तब परिवादी की ड्यूटी नहीं थी और उसने कार्यक्षेत्र से बाहर जाकर काम किया है। ऐसे में विभाग किसी तरह की क्षतिपूर्ति करने के लिए जिम्मेदार नहीं है। उसने बिना शट डाउन लिए काम किया है, जो गलत है। अदालत ने विभाग व अन्य पक्षकारों की दलीलों से सहमत होकर प्रार्थना पत्र खारिज कर दिया।

गुरुद्वारों पर अब भगवा झण्डा नहीं लहराया जायेगा

सिखों की सर्वोच्च संस्था शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंध समिति ने यह फैसला जारी किया

- अब पवित्र निशान साहिब पर फहराया जाने वाला झण्डा बसंती रंग का होगा।

नई दिल्ली, 29 जुलाई। खालसा पंथ की शान और सम्मान का प्रतीक निशान साहिब का रंग अब केसरिया नहीं होगा। सिखों की सर्वोच्च संस्था शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने आदेश जारी किए हैं कि अब से इसका रंग बसंती होगा। यह फैसला शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने अकाल तख्त साहिब में हुई पांच सिंह साहिबान की बैठक के बाद लिया है। एसजीपीसी की ओर से एक पत्र जारी कर इस बात की जानकारी दी गई है।

शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने कहा है कि केसरी निशान साहिब को लेकर संगत के बीच दुविधा थी। कुछ मामले अकाल तख्त साहिब के ध्यान में आए जिसके बाद इस पर चर्चा हुई। पांच सिंह साहिबानों की बैठक में इस मुद्दे पर चर्चा हुई कि निशान साहिब का रंग बेशक भगवा है, लेकिन गलती से यह हिंदू धर्म के प्रतीक भगवा रंग से मिलता-जुलता है। इस कारण कई बार संगत के लोग या अजनबी लोग इसमें अंतर नहीं कर पाते हैं और दोनों को एक ही समझ लेते हैं। इसी दुविधा को दूर करने के लिए यह फैसला लिया गया है। उन्होंने कहा कि क्योंकि सिख धर्म हिंदू धर्म से अलग है, इस कारण कभी-कभी कुछ लोग यह प्रचार करते हैं कि हिंदू और सिख एक ही धर्म हैं। इस तरह के भ्रम से बचने के लिए यह फैसला लिया गया है।

शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के महासचिव गुरचरण सिंह ग्रेवाल ने कहा कि उनका फैसला किसी धर्म या भगवा रंग के खिलाफ नहीं है। उन्होंने कहा कि सर्कुलर को किसी धर्म से जोड़कर विवाद पैदा नहीं किया जाना चाहिए। यह फैसला कोई नया नहीं है। अनुपालन परिपत्र बिना किसी तय मानक के जारी किया गया है।

निशान साहिब सिखों के लिए पवित्र ध्वज होता है। यह हर गुरुद्वारे के बाहर फहराता रहता है। इसे वो अपनी धार्मिक रैलियों या धार्मिक-राजनीतिक रैलियों में भी इस्तेमाल करते हैं। अपने वाहनों में सबसे ऊपर लगाकर भी चलते हैं। ये पवित्र त्रिकोणीय ध्वज कॉटन या रेशम के कपड़े का बना होता। इसके सिरे पर एक रेशम की लटकन होती है। इसे हर गुरुद्वारे के बाहर एक ऊंचे ध्वजदंड पर फहराया जाता है। सिख परंपरा के अनुसार निशान साहिब को फहरा रहे डंड में ध्वजकलश (ध्वजदंड का शिखर) के रूप में एक दोधारी खंडा (तलवार) होता है और डंडे को पूरी तरह कपड़े से लपेटा जाता है। झंडे के बीच में एक खंडा चिह्न होता है।

'निर्देशों का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

परीक्षा की प्रक्रिया में शिथिलता नहीं दिला सकता। ऐसे में याचिकाकर्ताओं को किसी भी तरह की राहत नहीं दी जा सकती। चीफ जस्टिस एम.एम. श्रीवास्तव व जस्टिस आशुतोष कुमार की खंडपीठ ने यह आदेश पायल व अन्य की याचिकाओं को खारिज करते हुए दिए।

याचिकाओं में कहा गया था कि उन्होंने आर.जे.एस. भर्ती परीक्षा में भाग लिया था। इस दौरान उन्होंने ओ.एम.आर. शीट में उत्तर देते समय गोलों को सही तरीके से नहीं भरा है।

कर चोरी के...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बताया कि आरोपी गौतम गर्ग ने करीब 7.48 करोड रुपए की कर चोरी की थी। जीएसटी एक्ट की धारा 70 के तहत दर्ज बयानों में आरोपी ने माना कि उसने अपने अंकल से मिलकर फर्जी फर्मों को सप्लाई दिखाकर कर चोरी की है। इसके अलावा, विभाग को उसके घर से चार लाख रुपए की नकदी भी मिली थी। इसके अलावा, उसके मोबाइल में सोशल मीडिया के बने ग्रुप में भी कर चोरी की बातें सामने आई हैं। इसके बावजूद भी निचली अदालत ने माना कि आरोपी ने सामान्य परिस्थितियों में बयान दर्ज नहीं कराए थे। वहीं, इस बात का भी कोई साक्ष्य नहीं है कि वह संबंधित कंपनियों का मैनेजर है तथा अन्य साक्ष्य भी ऐसे नहीं है कि उसे जेल में रखा जाए। इसके साथ ही, निचली अदालत ने गत 3 नवंबर को उसकी जमानत अर्जी को मंजूर कर उसे जेल से रिहा करने के आदेश दिए। केन्द्र सरकार की याचिका में मांग की गई थी कि उसे मिली जमानत को रद्द कर आरोपी को पुन: जेल भेजा जाए, जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने आरोपी को मिली जमानत रद्द कर उसे निचली अदालत में सरेंडर करने के आदेश दिए हैं।

कर्नाटक सरकार...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कर रही हैं। ''इसके बाद मुख्यमंत्री पार्टी आलाकमान से मुलाकात के लिए दिल्ली चले गये।

वित्त मंत्री की आलोचना करते हुये, उन्होंने कहा कि केन्द्र की नीतियाँ उद्योगों को राज्य से बाहर खदेड़ रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि केन्द्र सरकार की नीतियों के कारण, देश में एफ.डी.आई. 31 प्रतिशत कम हो गई है। मुख्यमंत्री ने सवाल किया कि कर्नाटक और महाराष्ट्र जैसे टैक्स की ज्यादा आय देने वले राज्यों को आखिर बजट में क्या मिला। उन्होंने कहा कि अभी हाल ही में हुई नीति आयोग की बैठक, जिसकी अध्यक्षता प्रधानमंत्री ने की थी, का कई विपक्ष-शासित राज्यों ने जो बहिष्कार किया था, उसके लिए केन्द्र सरकार का रूख और तौर-तरीका ही पूरी तरह जिम्मेदार था।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने कहा कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को बोलने के लिये यथेष्ट समय नहीं दिया गया। उन्होंने अपने बिन्दु को मजबूत देते हुए कहा कि विपक्ष शासित राज्य केन्द्र सरकार के सौतेले जैसे व्यवहार से बहुत क्षुब्ध एवं निराश हैं।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री द्वारा लगाये गये आरोपों को खारिज करते हुये, वित्त मंत्री ने कहा कि यू.पी.ए. सरकार के 10 वर्षों के दौरान, टैक्स के हस्तान्तरण के रूप में कर्नाटक को प्रतिवर्ष 8,179 करोड़ रूपए मिला करते थे, जबकि प्रधानमंत्री मोदी ने अकेले इस वर्ष में ही राज्य के 45,485 करोड़ रूपए दिये हैं।

उन्होंने राज्य सरकार द्वारा लगाये गये आरोपों के जवाब में कहा कि यू.पी.ए. शासन के 10 वर्षों में कर्नाटक को सहायता-अनुदान (ग्रान्ट-इन-एड) के रूप में 60,779 करोड़ रूपए अर्थात् 6,077.9 करोड़ प्रतिवर्ष मिले थे। लेकिन एन.डी.ए. शासन में गत वर्ष यह राशि 2,36,955 करोड़ रूपए थी।

झारखंड के मुख्यमंत्री...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एस.टी. पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज कराए जाने का भी उल्लेख किया।

किन्तु उच्च न्यायालय ने कहा था, ''यद्यपि प्रवर्तन निदेशालय ने याचिकाकर्ता के आचरण को बहुत उभारने की कोशिश की है, और इसका कारण रहा याचिकाकर्ता द्वारा ई.डी. के अफसरों के खिलाफ दर्ज की गई एफ.आई.आर.। लेकिन इस केस का पूरा अवलोकन करने पर, ऐसी कोई सम्भावना प्रतीत नहीं होती कि याचिकाकर्ता द्वारा उसी किस्म का अपराध कर रहा है।''

उच्च न्यायालय ने कहा कि अदालत द्वारा रिकॉर्ड किये गये निष्कर्षों का परिणाम ''प्रिवेन्शन ऑफ मनीलॉन्डरिंग एक्ट, 2002 के धारा की शर्त को सन्तुष्ट करता है तथा यह कहता प्रतीत होता है कि ऐसा मानने का पर्याप्त कारण है कि याचिकाकर्ता उस अपराध का दोषी नहीं है, जिसका आरोप उस पर लगाया गया है।''

ई.डी. ने आरोप लगाया था कि उन्होंने अपने मुख्यमंत्री पद का दुरूपयोग करके, राज्य की राजधानी के बारगेन क्षेत्र 8.86 एकड़ जमीन ''गैर कानूनी रूप से'' ले ली।

एजेंसी ने दावा किया था कि जाँच के दौरान, सोरेन ने मीडिया सलाहकार अभिषेक प्रसाद ने यह स्वीकार किया था कि जे.एम.एम. नेता ने उन्हें निर्देश दिये थे कि सम्बन्धित भूखंड के स्वामित्व-विवरण को बदलने के लिये सरकारी रिकॉर्ड्स में हेर-फेर कर दिया जाये।

ई.डी. ने यह भी कहा कि जब जमीन के मूल स्वामी, राजकुमार पाहन ने उस समय शिकायत दर्ज करने की कोशिश की थी, जब उसकी जमीन पर अनाधिकृत कब्जा कर लिया गया था लेकिन शिकायत दर्ज नहीं हुई।

'देश में भय का माहौल है, पर, हम भाजपा के इस...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जाता है। इक्कीसवी सदी में एक नये ''चक्रव्यूह'' की रचना की गई है और वह भी कमल जैसा ही निर्मित किया गया है। प्रधानमंत्री उसके प्रतीक चिन्ह को अपने सीने पर टांगते हैं। उस समय जो व्यवहार अभिमन्यु के साथ किया गया था, वही व्यवहार भारत की जनता -युवाओं, किसानों, महिलाओं, छोटे व मध्यम व्यापारियों के साथ किया जा रहा है।''

उन्होंने आगे कहा कि ''आज भी ''चक्रव्यूह'' के केन्द्र में छ: लोग मौजूद हैं--- ये हैं नरेन्द्र मोदी, अमित शाह, मोहन भागवत, अजित डोवल, अंबानी व अडाणी।''

उन्होंने इसको विस्तार से बताते हुए कहा कि वो यह मानते हैं कि आधुनिक ''चक्रव्यूह'' के पीछे तीन ताकते हैं।

भारत जिस चक्रव्यूह में फंस चुका है ''उसके पीछे तीन ताकतें ये हैं।

1- पूंजी के एकाधिकार का विचार- सिर्फ दो लोगों को भारत की सम्पूर्ण सम्पदा का स्वामित्व मिलना चाहिए। इसलिए, चक्रव्यूह का एक तत्व वित्तीय शक्तियों के केन्द्रीकरण से निकलकर आ रहा है। दूसरा तत्व देश की संस्थाएं, एजेन्सियां, सी.बी.आई., ई.डी. आयकर हैं।

तीसरा तत्व है सरकार। गांधी ने कहा, ये तीनों तत्व ''चक्रव्यूह'' के केन्द्र में हैं और इन्होंने इस देश को बर्बाद कर दिया है।''

एम.एस.पी. के मुद्दे पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि यह लम्बे समय से चली आ रही किसानों की मांग है। इस पर लोकसभा में विपक्ष के नेता वादा किया कि एक ऐसा विधेयक लाया जाएगा जो किसानों को उनकी फसल का गारंटीड न्यूनतम समर्थन मूल्य प्रदान करेगा।

''मैं देश के किसानों से एक बात कहना चाहता हूं कि जो (एन.डी.ए.) ने नहीं किया, वो हम किसानों के लिए करेंगे। हम इस सदन में वैधानिक गारंटी वाला एम.एस.पी. (बिल) उनके लिए पारित करेंगे।''

गांधी ने आगे बोलते हुए ''इंडिया गठबंधन'' के दलों सहित वादा किया कि वे इस सदन में पारित करने के लिए विधिक गारंटीवाला न्यूनतम समर्थन मूल्य (एम.एस.पी.) का (बिल) विधेयक लाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि जातिगत जनगणना कराने के लिए भी एक विधेयक इस सदन में पारित किया जाएगा, और इस कार्य को इंडिया गठबंधन पूरा करेगा।''

उन्होंने सरकार की इस बात को लेकर आलोचना की कि वह युवाओं को प्रभावित करने वाली महत्वपूर्ण चिन्ता की उपेक्षा कर रही है, विशेष रुप से बजट में पेपर लीक के मुद्दे पर।

उन्होंने उल्लेख किया कि ''पेपर लीक'' युवाओं को प्रभावित करने वाला सबसे बड़ा मुद्दा है परंतु वित्त मंत्री ने अपने बजट में इसका उल्लेख नहीं किया।''

गांधी ने केन्द्रीय बजट 2024 को ''मध्यम वर्ग के लोगों की पीठ में छुरा भोंकने वाला बताया'' और जोर देकर कहा कि इस बजट का एकमात्र उद्देश्य ''बड़े व्यवसायियों को मजबूत करना है।''

आगे यह भी कहा कि ''इस बजट में टैक्स आतंक के मुद्दे पर कुछ नहीं कहा गया है, जिसकी मार छोटे कारोबारियों पर बहुत पड़ी है। इसका एकमात्र उद्देश्य बड़े कारोबारियों के एकाधिकार को मजबूती प्रदान करना है। सरकार ने इस बजट के माध्यम से मध्य वर्ग की पीठ में छुरा भोंका है।''

अध्यक्ष ओम बिड़ला ने चर्चा के दौरान उन लोगों के नामों का उल्लेख किए जाने पर आपत्ति प्रकट की, जो उस समय सदन में उपस्थित नहीं थे इस पर गांधी ने जवाब दिया, ठीक है, वे उन लोगों का नाम नहीं बोलेंगे जो सदन में उपस्थित नहीं है और उन्होंने अन्य दो लोगों को 'ए-1' व 'ए-2' के रुप में सम्बोधित किया।

राहुल ने कहा कि यह लड़ाई चक्रव्यूह की रचना करने वालों और जो लोग ''शिव की बारात'' में भरोसा करते हैं उनके बीच है और आगे कहा कि इस ''बारात'' का हिस्सा हर वह व्यक्ति है जो बहु-आस्था एवं विविध पृष्ठभूमि में विश्वास करता है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, जी-1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौन सिटी, जिला करौली से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2008/27147 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908